अब हर
रोज दर्पण
» 3

जबलपुर सोमवार 20 जुलाई 2026 > शक संवत 1948, अषाढ़ शुक्ल पक्ष षष्ठी

वर्ष 32 अंक 25 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

मौसम
अधिकतम तापमान 29.7°C
न्यूनतम तापमान 24.2°C
सूर्योदय - 5.36 | सूर्यास्त - 6.58

तिरोड़ी में नशा मुक्ति को लेकर विधिक जागरूकता... » 4

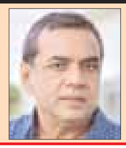

`मुझे सिर्फ क्रेडिट चाहिए था पैसे नहीं ... » 7

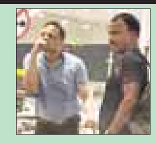

मास्टर माइंड महेंद्र गोयनका को कोलकाता... » 9

मप्र में यूसीसी बिल को कैबिनेट की मंजूरी

मुख्यमंत्री बोले- राम और रहीम को मिलेगा बराबरी का दर्जा

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

भोपाल पास स्थित ऐतिहासिक जगदीशपुर में रविवार को मध्य प्रदेश की कैबिनेट बैठक में 9 विधेयकों को मंजूरी दी गई, जिन्हें मानसून सत्र में पेश करने में पेश किया जाएगा। मध्यप्रदेश सरकार ने समान नागरिक संहिता (यूनिफॉर्म सिविल कोड, यूसीसी) लागू करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए ड्राफ्ट को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी गई। अब इसे विधानसभा में पेश किया जाएगा। विधानसभा का सत्र सोमवार से शुरू हो रहा है। कैबिनेट बैठक के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सरकार विधेयक को विधानसभा में पेश करने के लिए पूरी तरह तैयार है। समानता भारतीय संस्कृति और मूल्यों का अभिन्न हिस्सा रही है। इसी भावना के अनुरूप सरकार ने यह कदम उठाया है। कैबिनेट बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने भोपाल के गौरवशाली इतिहास का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भोपाल का इतिहास परमार राजवंश और राजा भोज से जुड़ा है। यह क्षेत्र प्राचीन काल से सनातन संस्कृति का केंद्र रहा है। उन्होंने कहा कि भोपाल का गहरा संबंध गोंड राजवंश से भी है। मदन शाह और संग्राम शाह जैसे शासकों ने क्षेत्र के विकास में योगदान दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा- इतिहास में राजा निजाम शाह की विष देकर हत्या और उसके बाद रानी कमलापति द्वारा अपने पुत्र एवं प्रजा की रक्षा के लिए किए गए संघर्ष का भी विशेष महत्व है। उन्होंने अफगान सरदार दोस्त मोहम्मद खान के दौर और बाद के शासनकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि भोपाल का इतिहास विभिन्न शासकों और संस्कृतियों से समृद्ध रहा है।

प्रदेशभर से लिए गए सुझाव

मुख्यमंत्री ने बताया कि 27 अप्रैल 2026 को गठित सात सदस्यीय समिति ने विभिन्न राज्यों के यूसीसी मॉडल, प्रचलित कानूनों और सामाजिक पहलुओं का अध्ययन किया। सुझाव लेने के लिए वेब पोर्टल बनाया गया, जिसे 22 मई 2026 को सार्वजनिक किया गया। इसके अलावा प्रदेशभर में जिला और राज्य स्तर पर 50 से अधिक जन-परामर्श बैठकें आयोजित की गईं। सरकार के अनुसार पोर्टल पर 9,58,675 सुझाव प्राप्त हुए, जबकि बैठकों के माध्यम से भी 1,134 से अधिक सुझाव मिले। करीब 3.5 करोड़ एसएमएस भेजकर लोगों से राय ली गई। सरकार का दावा है कि प्राप्त सुझावों में 93.54 प्रतिशत लोगों ने मध्य प्रदेश में समान नागरिक संहिता लागू करने का समर्थन किया। वहीं 92.20 प्रतिशत लोगों ने सभी समुदायों में महिलाओं और पुरुषों के लिए समान कानून की वकालत की। 91.32 प्रतिशत लोगों ने भेदभावपूर्ण तलाक संबंधी प्रावधान समाप्त करने का समर्थन किया, जबकि 92.66 प्रतिशत लोगों ने महिलाओं और पुरुषों को संपत्ति में समान अधिकार दिए जाने की बात कही।

यूसीसी में क्या हैं प्रावधान

- राज्य में अपने धर्म का पालन करने की पूरी छूट रहेगी।
- महिलाओं की शादी की आयु 18 और पुरुषों की 21 साल जरूरी।
- एक जीवनसाथी के रहते हुए दूसरे विवाह की अनुमति नहीं।
- न्यायालय के बाहर अब विवाह विच्छेद नहीं होंगे।
- लिव-इन में रहे तो कम से कम 5 साल की सजा होगी।

इन विधेयकों को मिली मंजूरी

- मध्यप्रदेश राजमार्ग (संशोधन) विधेयक, 2026
- मध्यप्रदेश निरसन विधेयक 2026
- मध्यप्रदेश समान नागरिक संहिता विधेयक 2026
- फायर एक्ट 2026
- निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) संशोधन विधेयक
- मध्यप्रदेश धनवंतरी स्वास्थ्य विवि विधेयक
- मप्र निजी कोचिंग संस्थान (रजिस्ट्रेशन एवं विनियमन) विधेयक
- ईज आफ डूइंग बिजनेस
- मध्यप्रदेश श्रम संहिता 2026

निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) संशोधन विधेयक

मंत्रि-परिषद ने मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) संशोधन विधेयक, 2026 (निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना हेतु भूमि, निर्मित क्षेत्र तथा विन्यास निधि के प्रावधान से छूट दिया जाना) का अनुमोदन किया।

राहुल-खड़गे ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

राम मंदिर चंदा मामले में चुप्पी स्वीकार्य नहीं

नई दिल्ली।

अयोध्या राम मंदिर चंदा चोरी मामले को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। कांग्रेस नेता ने इस मामले में निष्पक्ष जांच की मांग की है। कांग्रेस नेता ने पत्र में लिखा कि जिन लाखों भक्तों ने आस्था के साथ अपनी मेहनत की कमाई दान की थी, वे इस चोरी से धोखा महसूस कर रहे हैं। लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष के नेताओं ने कहा कि इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री की चुप्पी स्वीकार्य नहीं है और उनसे जवाबदेही तय करने और नुकसान की भरपाई सुनिश्चित करने का आग्रह किया। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा करते हुए लिखा, प्रधानमंत्री जी, करोड़ों भक्तों ने श्री राम मंदिर में आस्था के साथ अपनी मेहनत की कमाई दान की है- वहां दान की चोरी अब किसी से छिपी नहीं है। ट्रस्ट के हर सदस्य को आपकी सरकार ने चुना था। दान की इस चोरी पर आपकी चुप्पी स्वीकार्य नहीं है। कांग्रेस नेता ने आगे लिखा, तुरंत निष्पक्ष जांच कराएं, पूरा हिसाब-किताब सार्वजनिक करें और दोषियों को कानून के कटघरे में लाएं। आपकी सरकार की विश्वसनीयता अब आपके कामों पर निर्भर करती है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी रविवार को एक्स पर लिखा, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के वित्तीय मामलों की निष्पक्ष और व्यापक जांच की मांग करते हुए पीएम मोदी को हमारा संयुक्त पत्र। खड़गे ने पीएम मोदी को भेजा पत्र सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए लिखा, जिन लाखों भक्तों ने आस्था, भक्ति और भरोसे के साथ अपनी मेहनत की कमाई दान की थी, वे इस चोरी से धोखा महसूस कर रहे हैं।

भारत में कोरोना के आरएफ.5 वैरिएंट ने बढ़ाई चिंता

नई दिल्ली। करीब दो साल तक काफी शांत रहने के बाद भारत में कोविड-19 एक बार फिर सुर्खियों में है। भारत के अलावा चीन में भी संक्रमण बढ़ने की खबरें हैं। सिर्फ जून महीने में ही चीन में करीब 80 हजार लोगों को संक्रमण का शिकार पाया गया था। इसके अलावा 1-16 जुलाई के बीच भारत में करीब 339 लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई। मुंबई और आंध्र प्रदेश में फिलहाल कोरोना के आरएफ.5 वैरिएंट को लेकर सबसे ज्यादा हलचल देखी जा रही है। आंध्र प्रदेश में अब तक 16 कोविड-19 मामलों और 4 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। 16 में से 12 मामले 16 जुलाई तक सामने आए थे। यहां चार लोगों के पॉजिटिव सैंपल में ओमिक्रॉन के आरएफ.5 वैरिएंट की पहचान की गई है।

राज्यसभा में अमित शाह पेश करेंगे वंदे मातरम से जुड़ा बिल, चर्चा के लिए 4 घंटे तय

मानसून सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक में 40 पार्टियां शामिल हुईं

नई दिल्ली। मानूसन सत्र से एक दिन पहले रविवार को संसद भवन के एनेक्सी बिल्डिंग में सर्वदलीय बैठक हुई। 3 घंटे चली मीटिंग की अध्यक्षता राजनाथ सिंह ने की। मीटिंग में कांग्रेस, सपा, टीएमसी, डीएमके सहित 40 दलों के 58 नेता शामिल हुए। हालांकि बैठक के बीच विपक्ष ने सांकेतिक वॉकआउट किया। विपक्ष इस बात से नाराज था कि सरकार ने टीएमसी के बागी 20 सांसदों के गुट को बैठक में क्यों बुलाया, जबकि स्पीकर ओम बिरला ने उनके गुट को अभी तक मान्यता नहीं दी है। ऑल पार्टी मीटिंग के बाद लोकसभा बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की मीटिंग हुई। इसमें बिलों पर चर्चा के लिए समय तय किया गया। किरेन रिजिजू ने बताया कि बीएसी की बैठक के मुताबिक एफसीआरए संशोधन बिल पर 4 घंटे चर्चा होगी। इसके अलावा आयकर संशोधन बिल के लिए 4 घंटे, जजों की संख्या से जुड़े बिल के लिए 4 घंटे, जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रेशन बिल के लिए 4 घंटे, वंदेमातरम से जुड़े बिल के लिए 4 घंटे और एमएसएमई बिल पर चर्चा के लिए 5 घंटे तय किए गए हैं। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होकर 13 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान 19 बैठकें होंगी। सोमवार को अमित शाह राज्यसभा में वंदे मातरम से जुड़ा बिल पेश करेंगे। साथ ही राज्यसभा की बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक कल दोपहर 1 बजे होगी। ममता बनर्जी का साथ छोड़ने वाले टीएमसी के 20 बागी सांसदों को शनिवार को लोकसभा में अलग बैठने की मंजूरी मिल गई है। 15 जून को तृणमूल कांग्रेस के 20 सांसदों ने नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया से विलय कर लिया था। रविवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय के अनुरोध को स्वीकार करते हुए, तत्काल प्रभाव से उन्हें भारत की संसद के लोकसभा कक्ष में डिवीजन/सीट नंबर 280 की जगह डिवीजन/सीट नंबर 354 आवंटित कर दिया। उधर लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने उद्धव गुट के भी 6 बागी सांसदों को मंजूरी दे दी है। 22 जून को उद्धव का साथ छोड़कर 6 सांसद शिंदे गुट में शामिल हो गए थे। ये सांसद भी अब शिंदे गुट के साथ संसद में बैठेंगे।

नीट परीक्षा परिणाम की शिकायतों का तत्काल निराकरण होः कमलनाथ

भोपाल (वार्ता)। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने नीट परीक्षा परिणाम में ओएमआर शीट और मार्कशीट के अंकों में कथित असमानता सहित विभिन्न शिकायतों का तत्काल निराकरण करने की मांग की है। कमलनाथ ने आज जारी बयान में कहा कि नीट परीक्षा की पारदर्शिता को लेकर पिछले कई वर्षों से सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने कहा कि पेपर लीक और छात्रों के भविष्य से जुड़े मुद्दे कांग्रेस नेता राहुल गांधी लगातार उठा रहे हैं और पूरा देश नीट परीक्षा में पारदर्शिता चाहता है। उन्होंने मीडिया रिपोर्टों का हवाला देते हुए कहा कि नीट परीक्षा परिणाम में ओएमआर शीट और मार्कशीट के अंकों में भारी असमानता सामने आई है। इसके अलावा अंतिम उत्तर कुंजी जारी होने के तीन-चार घंटे के भीतर ही परिणाम घोषित किए जाने को लेकर भी अभ्यर्थियों ने शिकायतें की हैं। कमलनाथ ने कहा कि सतर्कता के दावों के बावजूद परीक्षा परिणाम में इस प्रकार की कथित अनियमितताओं का सामने आना चिंता का विषय है।

संसद मार्च : वांगचुक की पत्नी करेंगी अगुवाई

नई दिल्ली।

लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के आंदोलन और 20 जुलाई को होने वाले संसद मार्च को लेकर राजधानी दिल्ली में तनावपूर्ण स्थिति बन गई है। एक तरफ जहां सोनम वांगचुक की पत्नी डॉ. गीतांजलि आंग्मो ने अस्पताल से ही कल के मार्च में शामिल होने और प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व करने का एलान किया है, वहीं दूसरी तरफ दिल्ली पुलिस ने साफ कर दिया है कि इस मार्च के लिए कोई अनुमति नहीं दी गई है और उल्लंघन करने वालों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सफदरजंग अस्पताल में भर्ती सोनम वांगचुक की स्थिति पर बात करते हुए उनकी पत्नी डॉ. गीतांजलि आंग्मो ने कहा कि मैं कल के विरोध प्रदर्शन में निश्चित रूप से सोनम का प्रतिनिधित्व करूंगी और मार्च में शामिल होंगी। हमने आज एक तत्काल याचिका भी दायर की थी, क्योंकि अगर हमें आज अस्पताल शिफ्ट करने की अनुमति मिल जाती, तो हम मेदांता जाकर कल सुबह तक प्रदर्शन स्थल पर पहुंच सकते थे। लेकिन हम जानते थे कि प्रशासन इसकी इजाजत नहीं देंगे।

सीजेपी को संसद मार्च करने की अनुमति नहीं

20 जुलाई 2026 को संसद की ओर सीजेपी द्वारा प्रस्तावित मार्च को लेकर दिल्ली पुलिस ने जनता के लिए महत्वपूर्ण सूचना जारी की है। पुलिस ने साफ कहा है कि इस मार्च या किसी भी जुलूस के लिए न तो कोई अनुमति मांगी गई है और न ही दी गई है। नई दिल्ली जिले में धारा 163 बीएनएस के तहत निषेधाज्ञा लागू है। इसके तहत विरोध मार्च, जुलूस, प्रदर्शन और पांच या अधिक लोगों के किसी भी प्रकार के जमा होने पर पूर्ण प्रतिबंध है।

पिकनिक मनाकर लौट रहे युवकों को हाईवा ने कुचला, 5 की मौत

नरसिंहपुर/जबलपुर।

मध्यप्रदेश के नरसिंहपुर जिले से एक बेहद दर्दनाक खबर सामने आई है, जहाँ रविवार को हुए एक भीषण सड़क हादसे ने पांच परिवारों के चिराग बुझा दिए। सुआताला थाना क्षेत्र के अंतर्गत इंद्र नगर मेरेगांव के पास एक तेज रफ्तार और अनियंत्रित हाईवा वाहन ने सड़क पार कर रहे युवकों के समूह को बेरहमी से कुचल दिया। इस दिल दहला देने वाले हादसे में अब तक 5 युवकों की मौत हो चुकी है, जबकि एक अन्य युवक जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहा है।

बदरीनाथ में चढ़ावा हेराफेरी: अब कुबेर का खजाना खंगालेगी पुलिस

मंदिर समिति से मांगा तीन वर्षों के दान का रिकॉर्ड

चमोली। बदरीनाथ धाम में थाली भेंट की गणना में वित्तीय अनियमितता सामने आने के बाद अब पुलिस जांच का दायरा बढ़ाते हुए भगवान बदरीनाथ के कुबेर के खजाने तक पहुंच गई है। पुलिस ने बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) से पिछले तीन वर्षों का रिकॉर्ड तलब किया है। जांच में नकदी के साथ ही श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए गए सोना, चांदी, हीरे, माणिक और अन्य बहुमूल्य आभूषणों का भी मिलान किया जाएगा। मंदिर परिसर में स्थापित 26 दानपात्रों से प्राप्त नकदी और बहुमूल्य वस्तुओं की गणना के बाद उन्हें अलग-अलग सुरक्षित बॉक्स में रखकर अभिलेखों में दर्ज किया जाता है। इसे बदरीनाथ में कुबेर का खजाना कहा जाता है। इसी रिकॉर्ड की अब बारीकी से जांच होगी। एसपी सुरजीत सिंह पंवार ने बताया कि पुलिस ने वित्तीय अभिलेखों के मिलान के लिए एक विशेषज्ञ लेखाकार भी बदरीनाथ भेजा है। वह मंदिर के खजाने में दर्ज नकदी, सोना, चांदी और अन्य बहुमूल्य सामग्री का रिकॉर्ड से मिलान करेगा। बीकेटीसी के पूर्व मंदिर अधिकारी राजेंद्र चौहान को अदालत ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। पुलिस ने उसे शुक्रवार को गिरफ्तार किया था। प्रभारी न्यायिक मजिस्ट्रेट ज्योतिर्मठ हीना कौसर की अदालत में इस मामले की सुनवाई हुई। न्यायालय ने उपलब्ध अभिलेखों और पुलिस की ओर से प्रस्तुत तथ्यों का अवलोकन करने के बाद आरोपी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इससे पूर्व 13 जुलाई को मुख्य आरोपी प्रमोद नौटियाल को न्यायालय ने जेल भेज दिया था।

पुलिस को नहीं मिली कस्टडी रिमांड

बदरीनाथ चढ़ावे की जांच में जुटी पुलिस टीम ने मुख्य आरोपी प्रमोद नौटियाल को कस्टडी रिमांड में लेने के लिए न्यायालय को आवेदन किया था, मगर पुलिस को रिमांड नहीं मिल पाई है। पुलिस उपाधीक्षक मदन सिंह बिष्ट ने इसकी पुष्टि की है।

जम्मू के पुंछ-किश्तवाड़ में बादल फटे, 11 मौतें

नगालैंड की लैंडस्लाइड में 8 की मौत

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पुंछ और किश्तवाड़ में शनिवार रात बादल फट गए। बाढ़-लैंडस्लाइड में अब तक 11 लोगों की मौत हो गई है। पुंछ के सुरनकोट में लैंडस्लाइड से एक मकान मलबे में दब गया। उस वक्त घर में 8 लोग थे। इनमें 2 साल के बच्चे समेत 5 लोगों के शव बरामद किए गए। किश्तवाड़ के सुर्नू इलाके में बादल फटने से लोगों के घरों और खेतों को नुकसान पहुंचा। राजौरी में भी भारी बारिश के बाद धारहाल नदी का जलस्तर बढ़ गया। करीब 200 से 250 गाड़ियां बह गईं। जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश से चिनाब नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण रियासी जिले के सलाल बांध के कई स्पिलवे गेट खोल दिए गए हैं। जलाशय के जलस्तर को नियंत्रित करने और जलविद्युत परियोजना के सुरक्षित संचालन को सुनिश्चित करने के लिए पानी को नियंत्रित तरीके से छोड़ा जा रहा है। अधिकारी स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं और जनता से सतर्क रहने और आधिकारिक सलाह का पालन करने की अपील की है। उत्तराखंड में शनिवार को लैंडस्लाइड के बाद केदारनाथ यात्रा के रूट पर घोड़े- खच्चरों की सेवाएं रोक दी गईं और कैलाश-मानसरोवर यात्रियों का एक जत्था भी रुक गया। इधर, नगालैंड के मोन जिले में रविवार सुबह लैंडस्लाइड की चपेट में आने से 10 से 15 घर दब गए। असम राइफल्स, एनडीआरएफ और नगालैंड पुलिस की टीमें मौके पर राहत एवं बचाव अभियान चला रही हैं। लैंडस्लाइड के बाद एनडीआरएफ की टीमों ने मलबे से 8 शव निकाल लिए हैं, जबकि कुछ और लोगों के दबे होने की आशंका है।

उत्तराखंड में 84 सड़कें बंद

उत्तराखंड में लगातार हो रही भारी बारिश के बीच हरिद्वार जिले में बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। राज्यभर में भूस्खलन के कारण 84 सड़कें बंद हो गई हैं, जिनमें दो राष्ट्रीय राजमार्ग भी शामिल हैं। मौसम विभाग ने कई जिलों के लिए रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश की चेतावनी दी है। 20 जुलाई के लिए देहरादून, हरिद्वार और टिहरी जिलों में रेड अलर्ट जारी किया गया है, जबकि नैनीताल, उत्तरकाशी और पौड़ी में ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है।

झमाझम बारिश से तापमान में आई गिरावट

मानसून ने पकड़ी रफ्तार, तपन और उमस भरी गर्मी से मिली राहत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

जबलपुर और आसपास के इलाकों में पिछले कई दिनों के लंबे इंतजार के बाद आखिरकार मानसून ने अपनी रफ्तार पकड़ ली है। रविवार को शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में मौसम का मिजाज पूरी तरह बदला हुआ नजर आया। आसमान में सुबह से ही घने काले बादलों का डेरा था, जिसके बाद तेज हवाओं के झोंकों के साथ झमाझम बारिश का दौर शुरू हो गया। बादलों की इस जोरदार आमद ने पूरे शहर को तर-बतर कर दिया, जिससे लंबे समय से उमस और गर्मी झेल रहे नागरिकों को बड़ी राहत मिली है। तेज हवाओं के बीच जमकर बरसे बादलों ने रविवार को छुट्टी के दिन के उत्साह को और बढ़ा दिया। लोग घरों से बाहर निकलकर मौसम का आनंद लेते नजर आए, जिससे

आज का रविवार बेहद खुशहाल और खुशनुमा बीता। पर्यटन स्थलों और शहर के मुख्य बाजारों में भी मौसम का लुत्फ उठाने वालों की अच्छी-खासी भीड़ देखी गई।

तापमान में आई गिरावट

मौसम विभाग और स्थानीय केंद्रों के अनुसार, इस मूसलाधार बारिश के चलते तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। रविवार को शहर का अधिकतम तापमान 29.7 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24.2 डिग्री दर्ज किया गया। पिछले कई दिनों से बढ़ रहा पारा अचानक नीचे आ गया है, जिससे वातावरण में अच्छी-खासी ठंडक घुल गई है। लगातार चल रही ठंडी हवाओं और मानसूनी फुहारों ने शहर के मौसम को बेहद सुहावना बना दिया है, और आने वाले दिनों में भी इसी तरह की बारिश जारी रहने की संभावना जताई गई है।

धीमी रही बारिश की रफ्तार

जुलाई महीना खत्म होने में अब सिर्फ 10 दिन शेष बचे हैं। इस महीने में अब तक 202.4 मिमी वर्षा दर्ज की जा चुकी है। हालांकि शुरुआती दिनों में बारिश की रफ्तार थोड़ी धीमी थी, लेकिन मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी और उसके आसपास बन रहे वेदर सिस्टम (मौसम प्रणाली) के कारण आने वाले दिनों में अच्छी बारिश की प्रबल संभावना है। यदि अगले कुछ दिनों तक रुक-रुक कर तेज बौछारें पड़ती हैं, तो इस सीजन का जुलाई का निर्धारित कोटा आसानी से पार हो जाएगा, जिससे किसानों और जलस्त्रोतों को बड़ी राहत मिलेगी।

वायरल इंफेक्शन का बढ़ा खतरा

मौसम के इस बदलते मिजाज (उतार-चढ़ाव) का सीधा असर आम जनता के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। शहर के सरकारी और निजी अस्पतालों में मरीजों की तादाद अचानक बढ़ गई है। अस्पतालों में सबसे ज्यादा भीड़ सर्दी, खांसी, सामान्य बुखार और बदन दर्द से पीड़ित मरीजों की देखी जा रही है। डॉक्टरों का कहना है कि इस मौसम में वायरल इंफेक्शन बहुत तेजी से फैलता है। इससे बचने के लिए खान-पान में सावधानी बरतें, पानी उबालकर पीएं और यदि बुखार 2 दिन से ज्यादा रहे तो बिना डॉक्टरी सलाह के कोई दवा न लें।

कांबिंग गश्त में अपराधियों की धरपकड़

सालों से फरार 210 वारंटी दबोचे, भारी मात्रा में गांजा, शराब और चाकू जप्त

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

शहर में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने और अपराधियों पर नकेल कसने के लिए पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय के निर्देश पर जिले भर में कांबिंग गश्त की गई। तड़के 2 बजे तक चली इस पांच घंटे की ताबड़तोड़ कार्रवाई से अपराधियों में हड़कंप मच गया। पुलिस ने इस दौरान सालों से फरार चल रहे कुल 210 वारंटियों को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस टीमों ने पूरी मुस्तैदी के साथ दबिश देते हुए लंबे समय से पुलिस की आंखों में धूल झोंक रहे अपराधियों को दबोचा। इस अभियान के दौरान 114 गैर-म्यादी (स्थाई) वारंट तामील कराए गए। 64 गिरफ्तारी वारंट तामील हुए। 32 जमानती वारंट तामील किए गए। पकड़े गए अधिकांश आरोपी कई सालों से फरार थे, जिन्हें अब पुलिस गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर रही है। कांबिंग गश्त के दौरान सिर्फ वारंटियों को ही नहीं पकड़ा गया, बल्कि अवैध धंधों में लिप्त बदमाशों पर भी कार्रवाई की गई। पुलिस ने इस दौरान मादक पदार्थ गांजे की तस्करी में शामिल 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से 8 किलो 765 ग्राम गांजा जप्त किया गया, जिसकी बाजार में कीमत करीब 4.5 लाख रुपये है। अवैध शराब बेचने वालों के ठिकानों पर दबिश देकर 17 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इनके पास से 34 लीटर कच्ची और 32 पाव देशी/अंग्रेजी शराब बरामद हुई। रात में चाकू लेकर घूम रहे 9 बदमाशों को गिरफ्तार कर उनके पास से 51 चाकू जप्त किए गए। कार्रवाई के दौरान देर रात तक घूमने वाले संदिग्धों से पूछताछ की गई। साथ ही रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, मुसाफिरखानों और संदिग्ध वाहनों की भी सघन चेकिंग की गई। सक्रिय गुंडे-बदमाशों के रिकॉर्ड को खंगालकर उनके खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की जा रही है।

रॉझी उमरिया में 20 एकड़ शासकीय भूमि पर विकसित होगा नगर वन

मियावाकी पद्धति से रोपे जायेंगे विभिन्न प्रजातियों के पौधे

अधिकारियों ने किया स्थल का सघन निरीक्षण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

शहर के रांझी उमरिया क्षेत्र में स्थित 20 एकड़ की शासकीय भूमि को अब एक नगर वन के रूप में विकसित किया जाएगा। यहां पर मियावाकी पद्धति से विभिन्न प्रजातियों नीम, पीपल, अमरूद, जामुन, आम, कटहल, गूलर जैसे फलदार पौधों के अलावा औषधीय और छायादार पौधे लगाये जायेंगें। यह प्रोजेक्ट न केवल शहर के फेफड़ों को मजबूती देगा, बल्कि भविष्य में एक प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में भी अपनी पहचान बनाएगा। निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने अपर कलेक्टर आर. एस. राय, अपर आयुक्त देवेंद्र सिंह चैहान,अधीक्षण यंत्री कमलेश श्रीवास्तव, तहसीलदार श्रीमती मौसमी और अन्य प्रशासनिक टीम के साथ इस प्रस्तावित स्थल का सघन निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। इस नगर वन की सबसे बड़ी खासियत यह होगी कि इसे जापानी तकनीक मियावाकी पद्धति से विकसित किया जा रहा है। इस तकनीक के माध्यम से बहुत कम समय में पौधे तेजी से बड़े होते हैं और एक घना जंगल तैयार हो जाता है। यहाँ केवल स्थानीय जलवायु के अनुकूल फलदार, औषधीय और छायादार पौधे लगाए जाएंगे। यह घना वन क्षेत्र शहर के प्रदूषण को कम करने और जैव विविधता को बढ़ावा देने में मील का पत्थर साबित होगा। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने कहा कि यह नगर वन केवल पेड़ों का झुंड नहीं होगा, बल्कि इसे एक टूरिस्ट स्पॉट के रूप में डिजाइन किया जा रहा है। यहाँ आने वाले पर्यटकों और स्थानीय निवासियों के लिए सुबह और शाम की सैर के लिए प्रकृति के बीचोबीच एक ट्रैक बनाया जाएगा।

पर्यटन गतिविधियों को मिलेगा बढ़ावा

प्राकृतिक माहौल में बैठकर लोग लजीज व्यंजनों और कॉफी का लुत्फ उठा सकेंगे। सेहत के प्रति जागरूक लोगों के लिए यहाँ प्राकृतिक चिकित्सा की विशेष व्यवस्था रहेगी, जहाँ वे तनावमुक्त हो सकेंगे। इसके अलावा स्पोर्ट्स जोन, आकर्षक फाउंटेन युक्त तालाब के अलावा अन्य व्यवस्थाएँ विकसित की जायेगी। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने मौके पर ही अधिकारियों को योजनाबद्ध तरीके से काम शुरू करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण और पौधारोपण के कार्य में किसी भी तरह की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। रांझी उमरिया का यह नगर वन आने वाले समय में जबलपुर की नागरिकों को शुद्ध हवा देने के साथ-साथ वीकेंड बिताने के लिए एक बेहतरीन डेस्टिनेशन साबित होगा। इस परियोजना से क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगी। उल्लेखनीय है कि नगर निगम द्वारा महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू एवं निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के निर्देशानुसार शहर में पौधा रोपण कार्य के लिए व्यापक तैयारियां की जा रही हैं।

राजकुमारी बाई बाल निकेतन का किया निरीक्षण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

राजकुमारी बाई बाल निकेतन में राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य श्रीमती अर्चना गुप्ता द्वारा संस्था का निरीक्षण किया गया। संस्था की जानकारी प्राप्त की, और संस्था के बच्चों की देखरेख संरक्षण, बच्चों का शैक्षणिक स्तर, भोजन व्यवस्था संस्था के परिसर की साफ सफाई आदि पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि इधर की कार्यप्रणाली से

बेहद प्रभावित हुई। राजकुमारी बाई बाल निकेतन के अध्यक्ष मदन मोहन नेमा के कुशल मार्ग निर्देशन में संस्था निरंतर प्रगति पर है। इस अवसर पर उनके साथ आदिम जाति कल्याण विभाग क्षेत्र संयोजक श्रीमती रीता पटैल एवं श्री राकेश यादव बाल संरक्षण अधिकारी भी उपस्थित थे। संस्था सचिव श्याम सुंदर माहेश्वरी एवं कार्यालय सहायक श्रीमती संगीता मरावी ने उन्हें विस्तृत जानकारी प्रदान की।

विश्व शांति के लिए आठ दिवसीय आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

108 शान्ति नाथ विधान विश्व शांति के लिए आठ दिवसीय आयोजन किया गया। यह धार्मिक अनुष्ठान पूरे आठ दिनों तक अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उत्साह केमनाया गया। विधान के आखिरी दिन 1028 अर्घ्य चढ़ाकर विशेष पूजन किया गया और विधि-विधान से हवन संपन्न हुआ। हवन के बाद एक विशाल शोभा यात्रा निकाली गई, जो नसिया जी जैन मंदिर से शुरू होकर पंचायती जैन मंदिर तक पहुंची। शोभा यात्रा के पूरे मार्ग में लोगों ने अपने घरों के सामने सुंदर रंगोलियां सजाई। श्रद्धालु हाथों में ध्वज लेकर और भगवान की पालकी के साथ भक्ति भाव से शामिल हुए। जगह-जगह पालकी की आरती उतारकर स्वागत किया गया।

साप्ताहिक जैविक हाट में किसानों को मिला उचित दाम

उपभोक्ताओं में दिखा उत्साह

जबलपुर

प्रत्येक रविवार को कृषि उपज मंडी परिसर में लगाये जा रहे साप्ताहिक जैविक हाट का आज भी सफल आयोजन सफल आयोजन किया गया। साप्ताहिक जैविक हाट ने स्थानीय उपभोक्ताओं और जैविक खेती करने वाले किसानों के बीच एक मजबूत कड़ी का काम कर रहा है, जिससे दोनों ही पक्षों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। अक्सर शुद्ध और प्रामाणिक जैविक उत्पादों के लिए भटकने वाले शहरी व स्थानीय उपभोक्ताओं के लिए यह हाट एक वरदान साबित हो रहा है। हाट में पहुँचे उपभोक्ताओं ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि अब उन्हें एक ही छत के नीचे बेहतरीन जैविक उत्पाद आसानी से मिल रहे हैं। बाजार से मिल रहा सकारात्मक रुझान यह दर्शाता है कि लोग अब स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो रहे हैं और जैविक उत्पादों को प्राथमिकता दे रहे हैं। दूसरी ओर, रासायनिक खादों को छोड़कर प्राकृतिक और जैविक खेती अपनाने वाले प्रगतिशील किसानों के लिए यह हाट बेहद लाभकारी सिद्ध हुआ। बिचौलियों से मुक्त सीधे बाजार मिलने के कारण किसानों को अपनी उपज का सही और वाजिब दाम प्राप्त हुआ। उचित मूल्य मिलने से जैविक किसानों में खुशी की लहर है और उनका मनोबल बढ़ा है। रविवार को आयोजित साप्ताहिक जैविक हाट के सफल संचालन की पूरी जिम्मेदारी विकासखंड पाटन के कृषि विभाग की रही। विभाग द्वारा की गई उत्कृष्ट संचालन व्यवस्था से उपभोक्ता और किसान दोनों ही पूरी तरह संतुष्ट नजर आए। इस पूरे आयोजन का सफल नेतृत्व उप संचालक एवं अनुविभागीय कृषि अधिकारी पाटन डॉ. इंदिरा त्रिपाठी द्वारा किया गया। उनके कुशल मार्गदर्शन में वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी पाटन सीमा राउत एवं विकासखंड पाटन के स्टाफ ने मुस्तैदी से अपनी भूमिका निभाई और व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संपन्न कराया।

ब्यौहारी से खितौला पहुंचीं आर्यिका माँ सूत्रमति माताजी

सिहोरा (स्वतंत्र मत)

आचार्य विद्यासागर महाराज एवं आचार्य समय सागर महाराज की आज्ञानुवर्ती शिष्या वंदनीय आर्यिका माँ सूत्रमति माताजी ससंघ चातुर्मास के लिए ब्यौहारी से लंबा, कठिन एवं मंगलमय विहार करते हुए रविवार को खितौला पधारीं। उनके आगमन से संपूर्ण खितौला क्षेत्र धर्म, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास से सराबोर हो उठा। जैन समाज सहित नगरवासियों ने श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ उनका भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। नगर प्रवेश के दौरान श्रद्धालुओं ने जयघोष, मंगल गीत, धर्मध्वज और पुष्पवर्षा के साथ आर्यिका संघ की अगवानी की। जैन महिला मंडल द्वारा आकर्षक बैंड की मधुर एवं मनमोहक प्रस्तुति के साथ माताजी का स्वागत किया गया। ढोल-नगाड़ों, गाजे-बाजे और भक्ति गीतों के बीच निकली भव्य स्वागत यात्रा में बड़ी संख्या में समाजजन, महिलाएं, युवा एवं बच्चे शामिल हुए। पूरा नगर 'जय जिनेन्द्र' और धर्ममय उद्घोषों से गुंजायमान हो उठा। चातुर्मास के दौरान वंदनीय आर्यिका माँ सूत्रमति माताजी के सानिध्य में प्रतिदिन धर्मसभा, प्रवचन, स्वाध्याय, तप, साधना, जिनपूजन एवं विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों का लाभ खितौला सहित आसपास के अनेक नगरों एवं गांवों से आने वाले श्रद्धालु प्राप्त करेंगे।

नशा मुक्ति का संदेश और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

धनगवां व मोहला में हुए जागरूकता कार्यक्रम

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। भारतीय मानव अधिकार सहकार जबलपुर-कटनी-सिहोरा ट्रस्ट एवं सिहोरा पुलिस के संयुक्त तत्वाधान में शनिवार को शासकीय माध्यमिक एवं प्राथमिक

शाला धनगवां में नशा मुक्ति अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में एसआई विनोद कुमार बागरी, देवराज पटेल, मनीष ठाकुर एवं भारत अवस्थी ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराया तथा उन्हें और उनके परिजनों को नशे से दूर रहने का संदेश दिया। साथ ही बच्चों को प्रदेश प्रवक्ता सौम्या चटर्जी द्वारा गुड टच और बैड टच के संबंध में भी महत्वपूर्ण जानकारी देकर सतर्क रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में बीआरसी दीपाकर, विद्यालय का समस्त स्टाफ, सरपंच प्रतिनिधिएवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। वहीं ग्राम मोहला स्थित नहुष पब्लिक स्कूल में 'पेड़ लगाओ, पर्यावरण बचाओ' अभियान चलाया गया। इस दौरान विद्यालय परिसर में फलदार, फूलदार एवं छायादार पौधों का वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम में सुरेंद्र शर्मा, नीतू शर्मा, अनिल कुमार हल्दकार, राखी तिवारी, नवल ठाकुर सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

21 को स्वामी प्रकाशवन अवधूत जी महाराज का अवतरण उत्सव

सिहोरा (स्वतंत्र मत)

आस्था के केंद्र शैलेश्वर धाम, सैलवारा में 1008 स्वामी प्रकाशवन अवधूत महाराज का अवतरण उत्सव 21 जुलाई आषाढ़ शुक्ल सप्तमी को श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर आश्रम परिसर में विशेष पूजा-अर्चना, गुरु वंदना, भजन-कीर्तन, सत्संग एवं महाप्रसाद का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। आयोजन समिति ने सभी भक्तों एवं श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर गुरु महाराज का आशीर्वाद प्राप्त करने और आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में नियमितीकरण पर रार

कुलगुरु ने कुलसचिव के आदेश पर लगाई रोक

परीक्षा नियंत्रक पहुंचे हाईकोर्ट

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय (रादुविवि) में 13 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को नियमित किए जाने का मामला लगातार गरमाता जा रहा है। कुलसचिव कार्यालय द्वारा बीते 21 जून को जारी किए गए

नियमितीकरण के आदेश पर कुलपति प्रोफेसर राजेश वर्मा ने 14 जुलाई को एक नया आदेश जारी कर अस्थायी रोक लगा दी है। बात यहीं नहीं रुकी कुलपति कार्यालय द्वारा जारी इस रोक के आदेश से प्रभावित कर्मचारी इसके खिलाफ कोर्ट की शरण में न चले जाएं, इस बात को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में एक कैविएट भी दाखिल कर दी है। साफ है कि इस पूरे मामले को अब कुलपति ने अपनी प्रतिष्ठा का विषय बना लिया है, वहीं कर्मचारी संघ भी इस पूरे घटनाक्रम पर पैनी नजर बनाए हुए है।

क्या है पूरा मामला- जानकारी के अनुसार, साल 2016 में मध्य प्रदेश शासन ने पारंपरिक विश्वविद्यालयों में कार्यरत ऐसे दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को स्थायी व नियमित करने के निर्देश जारी किए थे, जो 10 सालों से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इसी निर्देश के पालन में रादुविवि प्रशासन ने एक कमेटी का गठन किया था और पात्रता रखने वाले कर्मचारियों के नियमितीकरण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया। कमेटी की सिफारिश मिलने के बाद इस प्रस्ताव को कुलपति की अध्यक्षता वाली कार्यपरिषद के समक्ष रखा गया। कार्यपरिषद में यह निर्णय हुआ था कि शासन की मंशानुसार कुलसचिव कर्मचारियों के नियमितीकरण संबंधी आदेश जारी करें। इसी के तहत 21 जून को रादुविवि के कुलसचिव डॉ. रविशंकर सोनवाल ने 13 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को नियमित करने का आदेश जारी कर दिया।

कर्मचारियों के गुटों में आपसी खींचतान- आदेश जारी होने के बाद इन कर्मचारियों की सर्विस बुक अपडेट की जा रही थी ताकि उन्हें नया वेतनमान मिल सके। लेकिन इस नियमितीकरण से विश्वविद्यालय के कर्मचारियों का एक दूसरा गुट खासा नाराज हो गया। आरोप है कि इसी गुट ने कुलपति कार्यालय को विश्वास में लेकर इस पूरे मामले में विवाद खड़ा करवा दिया, जिसके बाद कुलपति ने कुलसचिव के आदेश पर रोक लगा दी। अब यह मामला पूरी तरह प्रशासनिक खींचतान और कानूनी दांवपेंच में उलझ गया है।

हैमलेट का अंतर्द्वंदः समय बदला, मनुष्य का संघर्ष नहीं

विलियम शेक्सपियर की अमर कृति हैमलेट आज भी मानव के अंतर्द्वंद्व को उतनी ही सजीवता से प्रस्तुत करती है जितनी अपने समय में करती थी। यह नाटक मनुष्य के भीतर चलने वाले संघर्ष, दुविधा, भय, कर्तव्य और नैतिक निर्णयों की जटिलता का गहन चित्रण करता है। हैमलेट का चरित्र उस मनोदशा का प्रतिनिधित्व करता है, जिसमें व्यक्ति सही और गलत, कर्तव्य और इच्छा तथा साहस और भय के बीच निरंतर उलझा रहता है।

आधुनिक जीवन और मानसिक संघर्ष

यदि आज के समाज पर नजर डालें तो आधुनिक मनुष्य भी लगभग उसी स्थिति में दिखाई देता है। आज सुविधाएँ पहले से कहीं अधिक हैं, लेकिन मानसिक शांति लगातार कम होती जा रही है। नौकरी का दबाव, बढ़ती प्रतिस्पर्धा, आर्थिक असुरक्षा, पारिवारिक तनाव, सामाजिक अपेक्षाएँ और भविष्य की चिंता व्यक्ति को निरंतर मानसिक संघर्ष में रखती हैं। कई बार वह स्वयं से प्रश्न करता है कि क्या वह परिस्थितियों से संघर्ष करता रहे या हार मान ले। यही वह बिंदु है जहाँ आज का इंसान और हैमलेट एक-दूसरे के अत्यंत निकट दिखाई देते हैं।

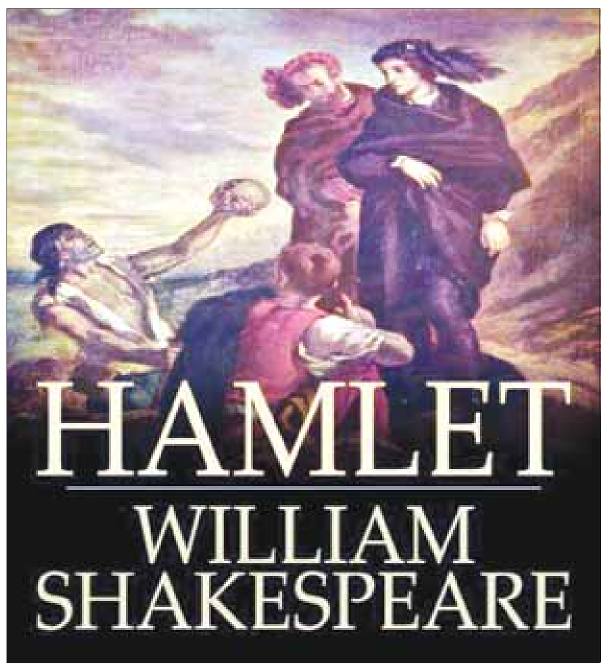

हैमलेट का अंतर्द्वंद्व और आज का व्यक्ति

हैमलेट का सबसे बड़ा संघर्ष उसके मन के भीतर था। वह सही और गलत के बीच निर्णय लेने में असमर्थ दिखाई देता है। ठीक इसी प्रकार आज का व्यक्ति भी अनेक विकल्पों और चुनौतियों के बीच उलझा रहता है। करियर चुनने से लेकर रिश्तों को निभाने तक, हर कदम पर उसे कठिन निर्णय लेने पड़ते हैं। बाहर से सब कुछ सामान्य दिखाई देता है, लेकिन भीतर अनेक प्रश्न, आशंकाएँ और चिंताएँ निरंतर चलती रहती हैं। इस दृष्टि से हैमलेट का चरित्र आज के मानव की मानसिक स्थिति का दर्पण प्रतीत होता है।

समानताएँ और भिन्नताएँ

यद्यपि दोनों की परिस्थितियाँ अलग हैं, फिर भी उनके संघर्ष का मूल स्वर समान है। हैमलेट का संघर्ष मुख्यत: व्यक्तिगत और राजनैतिक परिस्थितियों से जुड़ा था, जबकि आज का व्यक्ति सामाजिक, आर्थिक और तकनीकी परिवेश से प्रभावित है। इसके बावजूद दोनों की मूल समस्या एक ही है, अनिश्चितता, भय और जीवन के अर्थ की खोज। हैमलेट सत्य और न्याय की तलाश में था, जबकि आज का मनुष्य संतोष, सफ लता और मानसिक शांति की खोज में निरंतर प्रयासरत है।

निष्कर्षत

हैमलेट का प्रसिद्ध विचार आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना शेक्सपियर के समय में था। समय बदल गया, परिस्थितियाँ बदल गईं, लेकिन मनुष्य के मन के प्रश्न आज भी वही हैं। इसलिए टू बी ओर नोट टू बी केवल हैमलेट की दार्शनिक अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि हर उस व्यक्ति की कहानी है जो जीवन के संघर्षों के बीच अपने अस्तित्व, उद्देश्य और भविष्य को समझने का प्रयास कर रहा है। यही कारण है कि हैमलेट आज भी आधुनिक मानव की मानसिकता का सबसे सशक्त प्रतिनिधि माना जाता है।

अर्चना तिवारी, शिक्षक हितकारिणी कन्या उमा शाला, बी.टी. तिराहा, गढ़ा,जबलपुर

हिंदी साहित्य की प्रमुख विधाएं अभिव्यक्ति के विविध रूप

हिंदी साहित्य भारतीय संस्कृति, समाज और मानवीय संवेदनाओं का जीवंत दर्पण है। यह केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि ज्ञान, विचार, अनुभव और जीवन मूल्यों को पीढ़ी-दर-पीढ़ी पहुँचाने का सशक्त साधन भी है। समय के साथ साहित्य ने अनेक रूप धारण किए, जिन्हें साहित्य की विधाएँ कहा जाता है। प्रत्येक विधा की अपनी अलग शैली, उद्देश्य और प्रभाव होता है। आइए हिंदी साहित्य की प्रमुख विधाओं को सरल भाषा में समझते हैं।

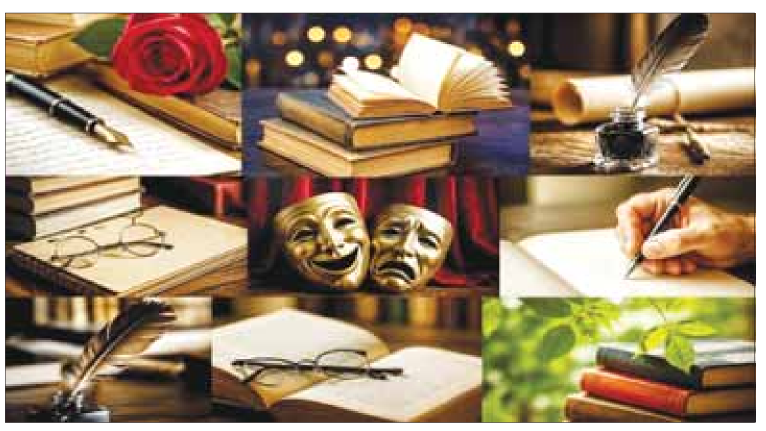

कविता

कविता साहित्य की सबसे प्राचीन और लोकप्रिय विधा है। इसमें भावनाओं, कल्पना और विचारों को लयात्मक तथा कलात्मक भाषा में व्यक्त किया जाता है। कविता के माध्यम से प्रेम, प्रकृति, देशभक्ति, सामाजिक चेतना और मानवीय संवेदनाओं को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया जाता है।

कहानी

कहानी एक ऐसी गद्य विधा है, जिसमें किसी घटना, पात्र या जीवन के किसी विशेष पहलू को रोचक ढंग से प्रस्तुत किया जाता है। कम शब्दों में गहरी बात कहने की क्षमता ही कहानी की सबसे बड़ी विशेषता है।

उपन्यास

उपन्यास विस्तृत गद्य रचना होती है, जिसमें अनेक पात्र, घटनाएँ और सामाजिक परिस्थितियाँ विस्तार से चित्रित की जाती हैं। यह पाठक को किसी काल, समाज या व्यक्ति के जीवन से गहराई से परिचित कराता है।

नाटक

नाटक वह साहित्यिक विधा है, जिसे मंच पर अभिनय के माध्यम से प्रस्तुत किया जाता है। इसमें संवाद, पात्र, दृश्य और घटनाएँ प्रमुख होती हैं। नाटक मनोरंजन के साथ-साथ सामाजिक संदेश देने का भी प्रभावी माध्यम है।

निबंध

निबंध किसी विषय पर लेखक के विचारों, अनुभवों और विश्लेषण की व्यवस्थित प्रस्तुति है। इसमें भाषा सरल, स्पष्ट और विचारपूर्ण होती है। शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं में निबंध का विशेष महत्व है।

जीवनी

जीवनी किसी महान व्यक्ति के जीवन, संघर्ष, उपलब्धियों और व्यक्तित्व का क्रमबद्ध वर्णन है। इससे पाठकों को प्रेरणा और जीवन में आगे बढ़ने की सीख मिलती है।

आत्मकथा

जब कोई व्यक्ति अपने जीवन की घटनाओं, अनुभवों और संघर्षों का स्वयं वर्णन करता है, तो उसे आत्मकथा कहा जाता है। यह व्यक्ति के जीवन का सच्चा और आत्मीय दस्तावेज़ होती है।

संस्मरण

संस्मरण लेखक की स्मृतियों पर आधारित साहित्यिक रचना होती है। इसमें किसी व्यक्ति, स्थान, घटना या अनुभव का भावपूर्ण और रोचक वर्णन किया जाता है।

यात्रा-वृत्तांत

यात्रा-वृत्तांत में लेखक अपनी यात्रा के दौरान देखे गए स्थानों, संस्कृति, लोगों और अनुभवों का वर्णन करता है। इससे पाठकों को विभिन्न क्षेत्रों की जानकारी और यात्रा का आनंद मिलता है।

व्यंग्य

व्यंग्य समाज की बुराइयों, विसंगतियों और कुरीतियों पर हास्यपूर्ण लेकिन सार्थक प्रहार करता है। इसका उद्देश्य केवल हँसाना नहीं, बल्कि सोचने के लिए प्रेरित करना भी होता है।

रेखाचित्र

रेखाचित्र किसी व्यक्ति, स्थान या घटना का संक्षिप्त, प्रभावशाली और सजीव शब्द-चित्र होता है। इसमें कम शब्दों में गहरी छाप छोड़ने का प्रयास किया जाता है।

आलोचना

आलोचना साहित्यिक कृतियों का निष्पक्ष मूल्यांकन है। इसमें किसी रचना के गुण, सीमाएँ, भाषा, शैली और प्रभाव का विवेचन किया जाता है, जिससे साहित्य की बेहतर समझ विकसित होती है।

हिंदी साहित्य की विधाओं का महत्व

हिंदी साहित्य की विभिन्न विधाएँ पाठकों को ज्ञान, मनोरंजन, संवेदनशीलता और जीवन-दर्शन प्रदान करती हैं। ये न केवल भाषा को समृद्ध बनाती हैं, बल्कि समाज में सकारात्मक सोच, नैतिक मूल्यों और सांस्कृतिक चेतना का भी विकास करती हैं। विद्यार्थियों के लिए इन विधाओं का अध्ययन भाषा कौशल और रचनात्मक सोच को मजबूत करने में अत्यंत सहायक है।

जानिए, संस्कृत में सप्ताह और महीनों के नाम

सरल, रोचक और उपयोगी जानकारी

संस्कृत विश्व की सबसे प्राचीन और वैज्ञानिक भाषाओं में से एक मानी जाती है। आज भी भारतीय संस्कृति, धर्म, योग और साहित्य में इसका विशेष महत्व है। दैनिक जीवन में सप्ताह के दिनों और वर्ष के महीनों के संस्कृत नामों का ज्ञान भाषा के प्रति रुचि बढ़ाता है तथा सामान्य ज्ञान में भी वृद्धि करता है।

संस्कृत में सप्ताह के सात दिनों के नाम

हिंदी	संस्कृत
रविवार	रविवासर:
सोमवार	सोमवासर:
मंगलवार	मङ्गलवासर:
बुधवार	बुधवासर:
गुरुवार	गुरुवासर: / बृहस्पतिवासर:
शुक्रवार	शुक्रवासर:
शनिवार	शनिवासर:

संस्कृत में वर्ष के बारह महीनों के नाम

हिंदी (प्रचलित)	संस्कृत
चैत्र	चैत्र:
वैशाख	वैशाख:
ज्येष्ठ	ज्येष्ठ:
आषाढ़	आषाढ:
श्रावण	श्रावण:
भाद्रपद (भादो)	भाद्रपद:
आश्विन (क्वार)	आश्विन:
कार्तिक	कार्तिक:
मार्गशीर्ष (अगहन)	मार्गशीर्ष:
पौष	पौष:
माघ	माघ:
फाल्गुन	फाल्गुन:

इन नामों का महत्व

संस्कृत में सप्ताह और महीनों के नाम केवल समय की गणना के लिए नहीं हैं, बल्कि इनका संबंध भारतीय ज्योतिष, ऋ तुचक्र, पर्व-त्योहारों और सांस्कृतिक परंपराओं से भी है। विद्यालयों में संस्कृत का अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों के लिए इन नामों का ज्ञान अत्यंत उपयोगी है।

याद रखने का आसान तरीका

- सप्ताह के अधिकांश दिनों के अंत में वासर: आता है, जिसका अर्थ है दिन।
- संस्कृत महीनों के नाम भारतीय पंचांग में भी प्रचलित हैं।
- प्रतिदिन एक दिन और एक महीने का नाम बोलने का अभ्यास करने से इन्हें आसानी से याद किया जा सकता है।

महर्षि वाल्मीकिः आदिकवि और रामायण के अमर रचयिता

महर्षि वाल्मीकि भारतीय संस्कृति, साहित्य और आध्यात्मिक परंपरा के महानतम ऋषियों में से एक हैं। उन्हें आदिकवि (प्रथम कवि) कहा जाता है, क्योंकि संस्कृत में श्लोकबद्ध काव्य रचना का श्रेय उन्हें दिया जाता है। उनकी अमर कृति रामायण विश्व के महान महाकाव्यों में से एक है। यह केवल भगवान श्रीराम की जीवनगाथा नहीं, बल्कि आदर्श जीवन, कर्तव्य, सत्य, त्याग और धर्म का अनुपम ग्रंथ भी है।

महर्षि वाल्मीकि का प्रारंभिक जीवन

वाल्मीकि के प्रारंभिक जीवन के संबंध में कई कथाएँ प्रचलित हैं। सबसे प्रसिद्ध कथा के अनुसार उनका बचपन का नाम रत्नाकर था। वे जंगल में रहने वाले एक शिकारी थे और बाद में परिवार का पालन-पोषण करने के लिए लूटपाट करने लगे। एक दिन उनकी भेंट देवर्षि नारद से हुई। नारद ने उनसे पूछा कि जिनके लिए वे पाप कर रहे हैं, क्या वे उनके पाप का भाग भी बनेंगे? जब रत्नाकर ने अपने परिवार से यह प्रश्न किया, तो सभी ने पाप में भागीदार बनने से इंकार कर दिया। इससे उनका जीवन बदल गया।

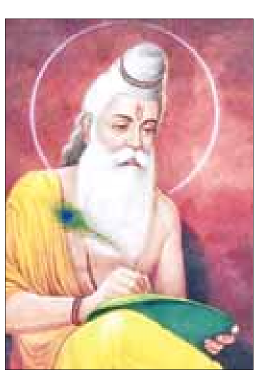

रत्नाकर से वाल्मीकि बनने की कथा

सत्य का बोध होने पर रत्नाकर ने देवर्षि नारद से मार्गदर्शन माँगा। नारद ने उन्हें भगवान श्रीराम के नाम का स्मरण करने को कहा। कथा के अनुसार वे राम शब्द का उच्चारण नहीं कर पा रहे थे, इसलिए उन्हें मरा-मरा जपने को कहा गया। लगातार जप करते-करते वही राम-राम में परिवर्तित हो गया। वे वर्षों तक ध्यान में लीन रहे। उनके शरीर के चारों ओर दीमकों का बड़ा टीला (संस्कृत में वाल्मीक) बन गया। जब वे तपस्या से बाहर आए, तो उन्हें वाल्मीकि नाम मिला, अर्थात् जो वाल्मीक (दीमक के टीले) से प्रकट हुए हों।

रामायण की रचना

ब्रह्मा जी की प्रेरणा से महर्षि वाल्मीकि ने रामायण की रचना की। इस महाकाव्य में लगभग 24,000 श्लोक, 7 कांड और लगभग 500 सर्ग हैं। रामायण के सात कांड हैं, बालकाण्ड, अयोध्याकाण्ड, अरण्यकाण्ड, किष्किन्धाकाण्ड, सुंदरकाण्ड, युद्धकाण्ड (लंकाकाण्ड) और उत्तरकाण्ड। रामायण में श्रीराम के आदर्श चरित्र, माता सीता के धैर्य, लक्ष्मण की सेवा, भरत के त्याग और हनुमान की भक्ति का अद्भुत चित्रण मिलता है।

आदिकवि क्यों कहलाए?

एक दिन महर्षि वाल्मीकि ने एक क्रौंच पक्षी के जोड़े को देखा। तभी एक शिकारी ने नर पक्षी का वध कर दिया। मादा पक्षी का विलाप देखकर उनके हृदय में करुणा उमड़ पड़ी और उनके मुख से स्वत: एक छंद निकला। इसे संस्कृत का पहला श्लोक माना जाता है। इसी कारण महर्षि वाल्मीकि को आदिकवि कहा जाता है।

अंग्रेजी भाषा का विकास, कैसे बनी विश्व की सबसे लोकप्रिय भाषा?

आज अंग्रेज़ी दुनिया की सबसे प्रभावशाली भाषाओं में से एक है। यह शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, व्यापार, कूटनीति और इंटरनेट की प्रमुख भाषा बन चुकी है। दुनिया के करोड़ों लोग अंग्रेज़ी बोलते, पढ़ते और लिखते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अंग्रेज़ी का इतिहास लगभग 1,500 वर्ष पुराना है? आइए जानते हैं कि अंग्रेज़ी भाषा का विकास कैसे हुआ।

अंग्रेज़ी भाषा की उत्पत्ति- अंग्रेज़ी भाषा की शुरुआत पाँचवीं शताब्दी में मानी जाती है, जब एंगल, सैक्सन और ज्यूट नामक जर्मनिक जनजातियाँ यूरोप से ब्रिटेन पहुँचीं। वे अपने साथ जो भाषा लाए, वही आगे चलकर पुरानी अंग्रेज़ी कहलायी।

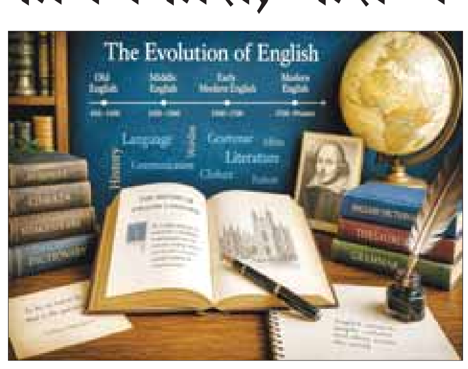

अंग्रेज़ी के विकास के प्रमुख चरण

पुरानी अंग्रेज़ी, 450 से 1100 ईस्वी इस काल की अंग्रेज़ी आज की अंग्रेज़ी से बिल्कुल अलग थी। उस समय की भाषा को आधुनिक अंग्रेज़ी बोलने वाले भी आसानी से नहीं समझ सकते। इस दौर में जर्मनिक भाषाओं का गहरा प्रभाव था।

मध्यकालीन अंग्रेज़ी, 1100 से 1500 ईस्वी- 1066 ईस्वी में नॉर्मन विजय के बाद फ्रेंच भाषा का प्रभाव बढ़ा। अंग्रेज़ी में हजारों नए शब्द जुड़े और भाषा पहले की तुलना में अधिक समृद्ध हो गई।

आधुनिक अंग्रेज़ी, 1500 ईस्वी से वर्तमान तक- मुद्रण कला या प्रिंटिंग प्रेस के विकास, पुनर्जागरण और औद्योगिक क्रांति के कारण अंग्रेज़ी का तेजी से विस्तार हुआ। नए शब्द बने और भाषा का स्वरूप आधुनिक होता गया।

अंग्रेज़ी के विश्वव्यापी प्रसार के कारण

- ब्रिटिश साम्राज्य का विस्तार
- औद्योगिक क्रांति
- विज्ञान और तकनीक का विकास
- इंटरनेट और डिजिटल क्रांति
- अंतरराष्ट्रीय व्यापार और शिक्षा
- हॉलीवुड फ़िल्में और वैश्विक मीडिया

इन कारणों से अंग्रेज़ी आज एक वैश्विक भाषा बन चुकी है।

शब्द पहेली - 8926

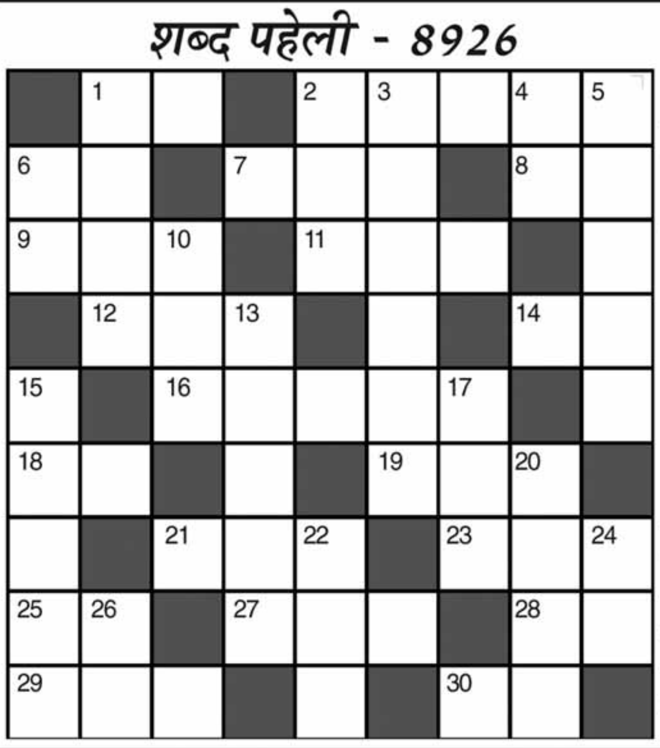

बाएँ से दाएँ

1. आस्तिक, अनुगामी, पूजक-2
2. रख-रखाव-2,3
6. देह, बदन-2
7. कारण-3
8. तपस्या-2
9. बंदूकधारी(अंग्रेजी-3)
11. पति की बहन-3
12. प्रतिज्ञा, वचन-3
14. पिता, डैडी-2
16. मन मोहने वाला-5
18. आनंदित-2
19. लवण, खार-3
21. बख्तरबंद, आवरण-3
23. पासों से भविष्य जानना-3
25. आमिर व काजोल की फिल्म-2
27. मुलायम, कोमल-3
28. उस समय-2
29. भ्रमण, घूमना-3,
30. कोलाहल-2

ऊपर से नीचे

1. खतरनाक-4
2. सनम, बालम-3
3. रहने का तरीका-3,3
4. चावल-2
5. बिजली का कौंधना-5
6. कौवा, काग-2
10. सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
13. मन को भाने वाला-5
15. सहयात्री-5
17. कटि-3
20. निम्न, न्यूनतम-4
22. उत्कर्ष-3
24. अधर, होठ-2
26. संबोधन-2

शब्द पहेली - 8925 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

बेटी के आँसू नहीं देख पाया पिता और कर दी शराबी दामाद की गला घोंटकर हत्या

बेटी हुई विधवा, दो मासूमों के सिर से उठा पिता का साया

बालाघाट(स्वतंत्र मत)।

कहते हैं कि एक पिता अपनी बेटी की हर तकलीफ अपने हिस्से में लेना चाहता है। बेटी की आँखों में आँसू देखना किसी भी पिता के लिए सबसे बड़ा दर्द होता है। लेकिन वारासिवनी में एक ऐसा मामला सामने आया है, जहाँ बेटी को दुखों से मुक्त कराने की कोशिश में एक पिता ने ऐसा रास्ता चुन लिया, जिसने उसकी बेटी की पूरी जिंदगी ही उजाड़ दी।

पुलिस अनुसार, वारासिवनी थाना पुलिस ने ग्राम कोपे और डोंगरिया के बीच जंगल में हुई अंधी हत्या का खुलासा करते हुए मृतक के ससुर राजेश चौहान उर्फ बाबा (62 वर्ष) और उसके साथी प्रभुदयाल बिसेन (44 वर्ष) को गिरफ्तार किया हैं। पुलिस ने दावा किया है कि वैज्ञानिक साक्ष्यों, फोरेंसिक जांच और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर महज 72 घंटे के भीतर इस जघन्य हत्याकांड का पर्दाफाश कर दिया गया। राजेन्द्र शराब के नशे में वह अक्सर पत्नी के साथ मारपीट करता, घर में विवाद करता और परिवार को प्रताड़ित करता था। बताया गया कि उसने शराब की लत पूरी करने के लिए अपनी कृषि भूमि तक बेच दी थी। आर्थिक संकट और घरेलू हिंसा के कारण पत्नी का जीवन बेहद कठिन हो गया था।

13 वर्ष पहले हुआ था विवाह...

मृतक राजेन्द्र शरणागत (40 वर्ष) की शादी लगभग 13 वर्ष पहले रानी शरणागत से हुई थी। उनके परिवार में 10 वर्षीय बेटा और 6 वर्षीय बेटी हैं। शुरुआती वर्षों में परिवार सामान्य रूप से चल रहा था, लेकिन धीरे-धीरे शराब की लत ने राजेन्द्र की जिंदगी ही नहीं, पूरे परिवार की खुशियाँ निगल लीं। जांच में सामने आया कि जब भी राजेन्द्र शराब पीकर पत्नी के साथ मारपीट करता, उसकी पत्नी अपने पिता राजेश चौहान को इसकी जानकारी देती थी। हर बार बेटी की तकलीफ सुनकर पिता बेचैन हो उठता था। यहीं से एक ऐसी साजिश ने जन्म लिया, जिसने पूरे परिवार का भविष्य बदल दिया।

ढाबे पर शराब, चिकन पार्टी... फिर जंगल में रची गई मौत...

पुलिस के अनुसार, 13 जुलाई की रात आरोपी प्रभुदयाल बिसेन, राजेन्द्र को शराब पिलाने के बहाने अपने साथ ले गया। दोनों पहले एक ढाबे पर पहुँचे, जहाँ उन्होंने शराब पी और चिकन खाया। इसके बाद वह उसे कोपे और डोंगरिया के बीच स्थित जंगल में ले गया, जहाँ पहले से राजेश चौहान इंतजार कर रहा था। तीनों ने फिर शराब पी।

कुछ देर बाद पैसों के लेन-देन और बेटी के साथ होने वाली मारपीट को लेकर ससुर और दामाद के बीच बहस शुरू हुई। पुलिस के अनुसार, इसी दौरान दोनों आरोपियों ने गमछे से राजेन्द्र का गला कस दिया। कुछ ही मिनटों में उसकी मौत हो गई। शव को जंगल में छोड़कर दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए। 14 जुलाई की सुबह ग्राम कोपे और डोंगरिया के बीच पुराने पट टेकरा जंगल में राजेन्द्र का शव मिलने की सूचना पुलिस को मिली। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में स्पष्ट हुआ कि राजेन्द्र की मौत गला घोंटने से हुई है। इसके बाद भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत हत्या का मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।

72 घंटे की जांच... और आरोपियों तक हाथ...

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में थाना प्रभारी के नेतृत्व में विशेष टीम बनाई गई। टीम ने घटनास्थल से मिले वैज्ञानिक साक्ष्यों, मोबाइल लोकेशन, तकनीकी विश्लेषण, फोरेंसिक रिपोर्ट तथा परिजनों और ग्रामीणों से पूछताछ के आधार पर जांच आगे बढ़ाई। सभी कड़ियाँ मृतक के ससुर राजेश चौहान और उसके साथी प्रभुदयाल बिसेन की ओर इशारा कर रही थीं। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की, जिसमें दोनों ने हत्या की पूरी साजिश स्वीकार कर ली। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त गमछा, घटना में इस्तेमाल दो मोटरसाइकिल और दो मोबाइल फोन बरामद कर लिए हैं। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया हैं।

इनका कहना हैं

डोंगरियां गांव के राजेन्द्र का शव मिला था, जांच में सामने आया कि गले दबाकर हत्या करना सामने आया। पुछताछ व सीसीटीव्ही के बाद सामने आया कि मृतक ने शराब के नशें में अपनी पत्नी को मारना और गांव में वाद-विवाद करना सामना। पत्नी मारपीट की बाते अपने ससुर को बताती थीं, जिससे नाराज ससुर राजेश चौहान ने योजना बनाई और अपने मित्र के साथ घटना वाले दिन पहले शराब पिलाई और फिर पार्टी की, ससुर ने पैसों को लेकर विवाद की और फिर दोनों ने गमछे से गला घोटकर हत्या कर दी गई। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

विवेक शर्मा, एसडीओपी, कटंगी

कार की टक्कर से बाइक सवार मां-बेटी गंभीर घायल

कटंगी(स्वतंत्र मत)।

कटंगी-बोनकट्टा मुख्य मार्ग पर शनिवार शाम भालवा नाले के पास हुए सड़क हादसे में मां-बेटी गंभीर रूप से घायल हो गईं। तेज रफ्तार ऑल्टो कार ने सामने चल रही दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी। हादसे के बाद कार चालक वाहन को मौके से लेकर फरार हो गया। जिसके पुलिस ने एक पेट्रोप पंप के पास पकड़ लिया। प्राप्त जानकारी अनुसार नवेगांव निवासी सिंधु वासनिक अपनी पुत्री हिना वासनिक के साथ दोपहिया वाहन से कटंगी की ओर आ रही थीं।

उसी दिशा से आ रही ऑल्टो कार क्रमांक एमपी 20 बीएन 8772 ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मां-बेटी सड़क पर गिरकर गंभीर घायल हो गईं। घटना के बाद राहगीरों ने तुरंत डायल 112 और 108 पर सूचना दी, लेकिन समय पर एंबुलेंस नहीं पहुंची। राहगीर दानिश शेख, मुजाहिद खान और आकाश सोनवाने ने मानवता का परिचय दिया। दानिश घायलों को अपने वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटंगी पहुंचे। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया गया है, जहां उनका इलाज जारी है।

हादसे की जांच कर रहे प्रधान आरक्षक अनिल चौके ने रविवार सुबह साड़े 11 बजे जानकारी देते हुए बताया कि कार चला रहा युवक ग्वालियर निवासी पंकज राय है। वह नांदी टोल बैरियर में कर्मचारी है। हादसे के समय कार में पंकज के साथ उसके दो दोस्त भी सवार थे। पुलिस के अनुसार तीनों ने शराब पी रखी थी।

आरोपी पंकज राय के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 281, 125(ए) और मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 184 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। वहीं कार को जब्त कर अभिरक्षा में लिया गया है। फिलहाल पुलिस जांच कर रही है।

बस स्टैंड में मजदूर की जेब से 80 हजार चोरी का खुलासा एक आरोपी गिरफ्तार; एसपी ने दी अहम सलाह

बालाघाट(स्वतंत्र मत)।

कोतवाली पुलिस ने बस स्टैंड में मजदूरी कर घर लौट रहे एक श्रमिक की जेब से 70 से 80 हजार रुपये चोरी होने के मामले का खुलासा कंट्रोल रूम में प्रेस वार्ता आयोजित कर 19 जुलाई की दोपहर 2 बजे क़रीब करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

आरोपी के कब्जे से ड़16,500 नगद बरामद किए गए हैं, जबकि उसका साथी अभी फरार है, जिसकी तलाश जारी है।

पुलिस के अनुसार, 14-15 जुलाई की दरम्यानी रात मंडला जिले के मोतीनाला निवासी सोन सिंह विश्वकर्मा मजदूरी कर घर लौट रहे थे। बालाघाट बस स्टैंड में बस की प्रतीक्षा के दौरान अज्ञात बदमाशों ने उनकी जेब से नकदी पार कर दी। शिकायत पर कोतवाली थाना में मामला दर्ज कर थाना प्रभारी अजय सिंह गुर्जर के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई।

सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने परवेस शेंडे (38), निवासी सागौन वन बूढ़ी, बालाघाट को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने अपने साथी के साथ चोरी करना स्वीकार किया। आरोपी से 16,500 बरामद किए गए हैं।

पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने बताया कि फरियादी शराब के नशे में बस स्टैंड पर सो गया था, जिसका फायदा उठाकर आरोपियों ने चोरी की। उन्होंने यात्रियों से सफर के दौरान शराब से दूर रहने और सतर्क रहने की अपील की। फरार आरोपी की तलाश और शेष रकम की बरामदगी के प्रयास जारी हैं।

तिरोड़ी में नशा मुक्ति को लेकर विधिक जागरूकता कार्यक्रम

कटंगी(स्वतंत्र मत)।

नालसा नई दिल्ली के निर्देशानुसार जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट प्राणेश कुमार प्राण और सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सतीश शर्मा के मार्गदर्शन में शनिवार को तिरोड़ी ग्राम पंचायत भवन में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता व्यवहार न्यायालय कटंगी की न्यायिक मजिस्ट्रेट/अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति सुश्री शबाना खान ने की। कार्यक्रम नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत आयोजित किया गया। शुरुआत में सुश्री शबाना खान ने माँ सरस्वती के छायाचित्र का पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर थाना तिरोड़ी के थाना प्रभारी, ग्राम पंचायत तिरोड़ी के सरपंच, सचिव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।न्यायिक मजिस्ट्रेट सुश्री शबाना खान ने अपने संबोधन में कहा कि नशा एक घातक बीमारी है जो व्यक्ति के तन, मन और धन तीनों को नष्ट कर देती है। यह सिर्फ एक व्यक्ति को नहीं बल्कि पूरे परिवार को बर्बादी की कगार पर लाकर खड़ा कर देती है। शुरुआत में लोग इसे शौक या दोस्तों के दबाव में अपनाते हैं, लेकिन धीरे-धीरे यह उनकी मजबूरी बन जाती है। उन्होंने कहा कि आज के समय में शराब, गुटखा, स्मैक और ड्रग्स जैसे मादक पदार्थों का सेवन तेजी से बड़ रहा है। नशे की लत के कारण इंसान सही-

गलत का फर्क भूल जाता है, जिससे आपराधिक घटनाओं में वृद्धि होती है और समाज का माहौल दूषित होता है। किसी भी देश का भविष्य उसके युवा हैं। अगर हमारे देश के युवा नशे की गिरफ्त में आ गए तो राष्ट्र का विकास कैसे होगा? इसलिए हमें इस समस्या के खिलाफ एकजुट होकर ख?ा होना होगा। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि नशा मुक्ति के लिए जागरूकता सबसे जरूरी है। हमें अपने परिवार, दोस्तों और आसपास के लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में बताना होगा। जो लोग नशे की लत में फंसे हैं उनसे नफरत न करके उन्हें सही मार्गदर्शन और इलाज के लिए नशा मुक्ति केंद्र तक पहुंचाने में मदद करें। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों को यह शपथ दिलाई गई कि न तो हम खुद कभी नशे का सेवन करेंगे और न ही किसी और को करने देंगे। हम अपने देश और समाज को नशा-मुक्त बनाने में पूरा योगदान देंगे।

कार्यक्रम को सफल बनाने में न्यायालयीन कर्मचारी समीर बिसेन, हितेन्द्र कुमार गड़पाल, मुरलीधर गौतम, सनूप उईके, देवेन्द्र ठाकरे, कोर्ट मोहर्रिर छत्रपाल बघेल, सना खान का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस दौरान ग्राम पंचायत के सरपंच प्रतिनिधि फिरोज खान सहित सभी पंचगण एवं ग्रामीण जन के साथ पुलिस स्टाफ भी उपस्थित रहा।

जिले में मातृ मृत्यु समीक्षा बैठक संपन्न सुरक्षित मातृत्व पर दिया गया जोर

उमरिया (स्वतंत्रमत)। जिला चिकित्सालय के सभागार में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. व्ही. एस. चंदेल की अध्यक्षता में जिला स्तरीय मातृ मृत्यु समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अप्रैल 2026 से जून 2026 के दौरान जिले में हुई मातृ मृत्यु के सभी प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की गई। प्रत्येक मामले में संबंधित क्षेत्र के स्वास्थ्य कर्मियों से चर्चा कर घटनाओं के कारणों एवं परिस्थितियों की जानकारी ली गई तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए।सीएमएचओ डॉ. चंदेल ने सभी स्वास्थ्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने दायित्वों का पूरी गंभीरता से निर्वहन करने के निर्देश दिए। उन्होंने गर्भवती महिलाओं का समय पर पंजीयन, नियमित प्रसवपूर्व जांच, उच्च जोखिम वाली गर्भवतियों की पहचान तथा आवश्यक उपचार सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया। बैठक में गर्भवती महिलाओं को प्रसव से पूर्व बर्थ वेटिंग रूम की सुविधा उपलब्ध कराने एवं उसके प्रति जागरूकता बढ़ाने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में मानपुर,ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक, ब्लॉक कम्युनिटी मोबिलाइजर, एएनएम, आशा कार्यकर्ता सहित अन्य स्वास्थ्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

खेत में हो रही बोवनी का उपसंचालक कृषि ने किया निरीक्षण

उमरिया (स्वतंत्रमत)। जिले में चल रही खरीफ फसलों की बोवनी एवं धान की रोपाई का कार्य तेजी से शुरू हो गया है। उपसंचालक कृषि संग्राम सिंह मरावी ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर किसानों से संवाद किया तथा उनकी खेती से संबंधित समस्याओं की जानकारी ली।निरीक्षण के दौरान कृषि उपसंचालक ने किसानों को खरीफ फसलों के बेहतर उत्पादन के लिए वैज्ञानिक एवं आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने की सलाह दी। उन्होंने फसलों की समय पर बोवनी, संतुलित उर्वरक उपयोग, जल संरक्षण तथा खेतों के समुचित

प्रबंधन के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया।चंदिया क्षेत्र के भ्रमण के दौरान श्री मरावी ने डीएसआर (डायरेक्ट सीडेड राइस) पद्धति के तहत सुपर सीडर मशीन के माध्यम से कोदो की बोवनी करने वाले किसान कमलेश यादव के खेत का निरीक्षण किया उन्होंने इस आधुनिक तकनीक की सराहना करते हुए किसानों को कम लागत, समय की बचत एवं बेहतर उत्पादन के लिए यंत्रीकृत खेती पर चर्चा करते हुए मार्गदर्शन दिए ,इसके साथ ही उन्होंने पैडी ट्रांसप्लांटर मशीन के माध्यम से की जा रही धान की रोपाई का भी अवलोकन किया।

राजेश मौर्य किसान को मशीन आधारित खेती के लाभ बताते हुए उन्होंने कहा कि आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग से श्रम की बचत होती है, लागत कम आती है तथा समय पर कृषि कार्य पूरा होने से उत्पादन में भी वृद्धि होती है। भ्रमण के दौरान कृषि विभाग के मैदानी अमले ने भी किसानों को विभागीय योजनाओं, उन्नत कृषि तकनीकों एवं खरीफ फसलों के बेहतर प्रबंधन की जानकारी दी।

विशेष लोक अदालत संपन्न

उमारिया (स्वतंत्रमत)। लोक अदातलत से समाधान स्वीकर के उद्देश्य की अवधारणा को साकार रूप प्रदान करने के लिये 18 जुलाई को आयोजित होने वाली धारा 138 एन0आई0 एक्ट अंतर्गत विशेष लोक अदालत का आयोजन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रियदर्शन शर्मा जी के निर्देशन में किया गया। नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण हेतु 4 खण्डपीठों का गठन किया गया था। जिसमें से 2 जिला न्यायालय उमरिया में 1 खण्डपीठ तहसील न्यायालय बीरसिंहपुर पाली एवं 1 खण्डपीठ तहसील न्यायालय मानपुर में गठित की गई। इस अवसर पर श्रीमती नजमा बेगम, प्रथम जिला एवं सत्र न्यायाधीश, मोहन डावर, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आषीष धुर्वे, प्रथम व्यवहार न्यायाधीष कनिष्ठ खण्ड, सरफराज खान, द्वितीय व्यवहार न्यायाधीष कनिष्ठ खण्ड, पल्लवी सिंह, चतुर्थ व्यवहार न्यायाधीष कनिष्ठ खण्ड,सुभांषु सोनी, प्रशिक्षु न्यायाधीश, जिविसेप्रा के कर्मचारीगण, पैनल अधिवक्ताध्सुलहकर्ता अधिवक्ता उपस्थित रहे। जिला न्यायालय उमरिया के अंतर्गत न्यायालय में लंबित धारा 138 अंतर्गत लंबित प्रकरणों में से कुल -58- प्रकरण लोक अदालत में रेफर किये गये थे, जिसमे से -15- प्रकरणों में कुल मिलाकर -3939498 ध्-रूपये का एवार्ड पारित किया गया।

बाघ शावक का विसरा और अन्य नमूनों की होगी फोरेंसिक जांच

पीएम में सर पर फ्रेक्चर ,गले पर गहरे घाव की पुष्टि

उमरिया(स्वतंत्रमत)।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में मृत मिली करीब 3 से 4 माह की मादा बाघ शावक की मौत अब रहस्य बन गई है।शनिवार को हुए विस्तृत पोस्टमार्टम में सिर की हड्डियों में गंभीर फैक्चर और गले के आसपास गहरे घाव मिलने से मामला और भी गंभीर हो गया है।वन्यजीव स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश तोमर बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व एवं डॉ.अभय सेंगर संजय टाइगर रिजर्व ने संयुक्त रूप से शव परीक्षण कर आवश्यक नमूने जांच के लिए सुरक्षित किए।पोस्टमार्टम के बाद राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण की मानक कार्यप्रणाली (एसओपी) के तहत शावक का नियमानुसार दाह संस्कार किया गया।इस दौरान क्षेत्र संचालक डॉ.अनुपम सहाय,एनटीसीए के प्रतिनिधि डॉ.ज्ञानेंद्र प्रजापति सहित वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।गौरतलब है कि एक दिन पहले शुक्रवार को धमोखर रेंज की बीट धमोखर सीमा से लगभग 500 मीटर दूर ग्राम चापर के राजस्व क्षेत्र में इस मादा बाघ शावक का शव मिला था।सूचना मिलते ही वन विभाग ने डॉग स्क्वाड और मेटल डिटेक्टर की मदद से घटनास्थल की गहन तलाशी ली,लेकिन कोई संदिग्ध या अस्वाभाविक वस्तु बरामद नहीं हुई।

बांधवगढ़ में कमजोर तेंदुए का हुआ सफल रेस्क्यू

उमरिया (स्वतंत्रमत) - जंगल का फुर्तीला और बेहद चतुर शिकारी माना जाने वाला तेंदुआ जब उम्र और कमजोरी के आगे बेबस नजर आया,तो बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व का वन अमला उसकी मदद के लिए तुरंत सक्रिय हो गया। मगधी रेंज की रोहनिया बीट में वन गश्ती के दौरान करीब 10 वर्षीय नर तेंदुआ अत्यधिक कमजोर अवस्था में दिखाई दिया।वन कर्मियों ने उसे एक दिन पहले देखा था,जिसके बाद उसकी लगातार निगरानी की जाती रही। हालत में सुधार नहीं होने पर रविवार 19 जुलाई को प्रशिक्षित रेस्क्यू टीम ने पशु चिकित्सकों की मौजूदगी में सफलतापूर्वक उसका रेस्क्यू किया।

राजा भोज की प्रतिमा खंडित करने वालों पर हो कारवाई

पंवार समाज ने थाना प्रभारी परसवाड़ा को सौंपा ज्ञापन

परसवाड़ा(स्वतंत्र मत)।

नगर के पंवार समाज मंगल भवन के समीप स्थापित सम्राट राजा भोज की प्रतिमा को अज्ञात असामाजिक तत्वों द्वारा खंडित किए जाने के विरोध में पंवार समाज ने कड़ा आक्रोश व्यक्त किया है। समाज के पदाधिकारियों एवं बड़ी संख्या में समाजजनों ने पुलिस थाना परसवाड़ा पहुंचकर थाना प्रभारी के नाम ज्ञापन सौंपते हुए दोषियों के विरुद्ध तत्काल एफआईआर दर्ज कर सख्त कार्रवाई की मांग की।

ज्ञापन में बताया गया कि समाज के गौरव, स्वाभिमान एवं ऐतिहासिक विरासत के प्रतीक सम्राट राजा भोज की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर फेंक दिया गया, जिससे पंवार समाज की धार्मिक एवं सामाजिक भावनाएं आहत हुई हैं। घटना के बाद समाज में रोष व्याप्त है तथा लोगों ने इसे सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास बताया है।

समाज के प्रतिनिधियों ने मांग की कि मामले में तत्काल एफआईआर दर्ज कर अज्ञात आरोपियों की पहचान की जाए तथा उनकी शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए। साथ ही भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) एवं अन्य प्रासंगिक कानूनी प्रावधानों के तहत कठोर कार्रवाई की जाए। ज्ञापन में प्रतिमा स्थल पर सुरक्षा एवं निगरानी व्यवस्था मजबूत करने की मांग भी की गई, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि सम्राट राजा भोज भारतीय इतिहास के महान शासकों में से एक रहे हैं। उनकी प्रतिमा को नुकसान पहुंचाना केवल पंवार समाज ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक विरासत एवं सामाजिक सद्भाव पर भी आघात है।

समाज ने पुलिस प्रशासन से निष्पक्ष एवं त्वरित कार्रवाई कर दोषियों को कानून के दायरे में लाने की मांग की है।

ज्ञापन सौंपने वालों में लिंगा सर्कल अध्यक्ष तामेश्वर पटले, सर्कल सचिव चंद्रशेखर कटरे, योगेश शरणागत, तुलसीराम बघेल, शिखरचंद बघेल कमलेश बिसेन, डामेश पटले, राहुल रेग्मी, राहुल पटले, कैलाश परिहार, महेश कटरे, उर्मिला पटले, चित्ररेखा अमूले, विमला ठाकरे, मीरा बिसेन, योगिता बिसेन, नीतू पटले, जितेंद्र राहंगडाले, रेशमलाल राणा, अमरलाल राणा, मुनेश कारे, रूपलाल ठाकरे, चुणेश राहंगडाले, हर्ष पटले, मिथलेश एडे,हरवंश पटले, विनोद एडे, होपराम चौधरी, ओमेश बिसेन, उम्मेद सिंह बिसेन, नेपलिट बिसेन, मूलचंद पटले, महलाद सिंह ठाकरे, लुकेश पटले, लोकेश राहंगडाले, टिकम राहंगडाले,सहित बड़ी संख्या में सामाजिक बंधु उपस्थित रहे।

सहायक आयुक्त कार्यालय में नहीं थमी अंधेरगर्दी, न कोई गारंटी न कोई वारंटी और धड़ाधड़ चहेते ठेकेदारों को जारी कर रहे टेंडर

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

लंबे समय से भाजपा का एक नेता का कोहराम सहायक आयुक्त कार्यालय में दिखाई देता है। किस ठेकेदार को काम देना है नही देना है कब देना है भुगतान होना है या नही होना है। यह भाजपा नेता ही तय करता है। भले ही उक्त नेता इस कार्यालय में देर रात या सुबह पहर दिखाई दे या न भी दिखाई दे लेकिन मंडला से लेकर भोपाल तक कामों को जुगाड़ में उस नेता को महारथ हासिल है। हाल ही में निकले टेंडरों में उक्त नेता की भूमिका फिर सक्रिय हो गई है। जिसके चलते सहायक आयुक्त कार्यालय में एक बार फिर टेंडर घोटाले की तैयारी देखी जा रही है। हाल ही में जिले भर में संचालित स्कूलों में भवन निर्माण मय विद्युतीकरण सहित के टेंडर निकाले गए हैं लगभग 19 स्कूलों में यह काम किया जाना है। करोड़ो की लागत से भवनों का निर्माण किया जाना है जिसको लेकर टेंडर ऑनलाईन बुलाए गए थे वहीं सूत्रों का कहना है कि फिर एक बार इन टेंडरों में सैटिंग का खेल चालू कर लिया गया है। यहां पर चिन्हित छः ठेकेदारों को इन टेंडरों को दिए जाने की तैयारी की जा चुकी है।

इस पूरे खेल में निर्माण शाखा के बाबूओं का बड़ा खेल चलता है। यही नही निर्माण शाखा के अधिकारी और कर्मचारी भी इन टेंडरों में मलाई छानने का काम करते हैं भले ही ऑनलाईन प्रक्रिया होने के कारण टेंडर में सहभागिता दर्जनों ठेकेदार कर लें लेकिन ऑफलाईन प्रक्रिया के अंतर्गत कागजों में कमी आदि दिखाकर ठेकेदारों के टेंडर निरस्त कर दिए जाते है या फिर ऐसी कोई प्रक्रिया या नियम तत्कालिक रूप से जोड़ दिया जाता है जिसे ठेकेदार पूरा नही कर पाते हैं यह सुनियोजित संगठित भ्रष्टाचार है जिसकी जड़े यहां पदस्थ ठेकेदारो की देन है। जिससे अन्य ठेकेदारों में नाराजगी है कई ठेकेदारों ने बताया कि वे यहां पर टेंडर प्रक्रिया में शामिल होते है लेकिन उन्होंने टेंडर नही मिलता है उनके टेंडर फार्म में अनेक परिस्थिति लगाकर और वरिष्ठ अधिकारियों को दबाव बनाकर निरस्त कर देते हैं वहीं चहेते ठेकेदारों को धडाधड़ टेंडर दिए जा रहे हैं जिससे ऐसा प्रतीत हो रहा है कि यह विभाग लूट का अड्डा बन गया है यहां पदस्थ काम कर रहे ठेकेदारों के पास दर्जनों काम बताए जाते हैं जो पूर्ण और अपूर्ण दोनो स्थिति में दिखाई देते हैं इन ठेकेदारों के पास न तो लैब है और न ही तकनीकि अमला यहां तक कि मशीनरी संसाधन भी नही है। इसके बाद इन्हें दर्जनों टेंडर अधिकारियों की मिलीभगत से मिलते जा रहे हैं जिससे लोगों

में रोष है। जिला शिक्षा समिति अध्यक्ष इंजी. कमलेश तेकाम ने बताया कि इस संगठित गिरोह की शिकायत अब उच्च स्तरीय करनी होगी या फिर माननीय न्यायालय की शरण लेनी होगी। वहीं सहायक आयुक्त कार्यालय में सरकारी धन की होली खेलने के नए नए जुगाड़ हर दिन बनाए जाते हैं। खासकर निर्माण शाखा से पूरा खेल चलता है। जहां पर उपयंत्री, एसडीओ और तथाकथित चिन्हित ठेकेदारों की गैंग काम करती है। बाबूओं के द्वारा संगठित भ्रष्टाचार किया जा रहा है। यहां पर हर दिन सरकारी धन को कैसे ठिकाने लगाया जाए इस पर रणनीति बनती है। वहीं सहायक आयुक्त कार्यालय द्वारा संचालित छात्रावासों में इन दिनों रूप शेड लगाए जा रहे हैं। ये सभी शेड छत में लगाए जा रहे हैं। कई छते भी जर्जर हैं इसके बाद भी शेड लगाए जा रहे हैं। विभागीय जानकारी अनुसार इनके टेंडर बुलाए गए थे जहां स्वीकृति उपरांत ठेकेदारों से काम को कराया जा रहा है सवाल यह है कि छत के ऊपर टीन शेड की आखिर जरूरत क्यो आन पड़ी और इन शेडो की गुणवत्ता मानक स्तर क्या है और किस स्तर के लगाए जा रहे है इसकी जांच कौंन करेंगा। कई हॉस्टल अधीक्षकों ने बताया कि यह शेड बारिश तूफान में उड़ जायेंगे कम गेज की चादर लगाई जा रही है तो वहीं लोहा के पाईप एंगल का गेज कम है वहीं आईएस मार्क के नही है। भले ही ऊपर से सुंदर और मजबूत दिख रहे हो लेकिन इनके वजन मानक क्षमता काफी कम हैं। वहीं इसकी फिटिंग में भी लापरवाही बरती जा रही है। डरे सहमे शिक्षक अधीक्षक विरोध नही कर पा रहे है लेकिन अधिकांश शिक्षक अधीक्षक ने बताया कि इसकी कोई आवश्यकता वर्तमान में नही है। भ्रष्टाचार की हदें इतनी मजबूत हैं कि रूप शेड लगे कुछ माह भी नही बीते और जंग लग रही है सड़ा गला अमानक लोहा जहां तहां से जुगाड़ से लाकर यहां पर दिया जा रहा है। इनके जीएसटी पर भी सवाल खड़े हैं।

वहीं विभागीय लोगों का कहना है कि छतों की लीकेज और सीपेज को रोकने के लिए लगाए जा रहे हैं। स्टीमेट पुराना बताया जाता है लेकिन स्वीकृति अभी मिली है ठेकेदार धड़ाधड़ काम कर रहे हैं। लेकिन गुणवत्ता की जांच नही हो रही है। सहायक आयुक्त कार्यालय में काम करने वाले ठेकेदार पूरी बातचीत होने के बाद ही टेंडर डालते हैं। शाखा में पदस्थ बाबू वर्षो से पदस्थ है लेकिन इन्हें नही हटाया जा रहा है। यहां के पदस्थ बाबू पूर्व में पदस्थ रहे सहायक आयुक्त संतोष शुक्ला के समय भी जांच के दायरे में आए थे इस पूरे कार्यालय में भयमुक्त होकर भ्रष्टाचार किया जा रहा है।

रैली निकालकर किया जागरूक

मण्डला (स्वतंत्र मत)। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार एवं पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन में जिलेभर में नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 जन-जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया गया अभियान के अंतर्गत 19 जुलाई को जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में हस्ताक्षर अभियान शपथ ग्रहण जन-जागरूकता कार्यक्रम एवं ऑटो रैलियों का आयोजन कर नागरिकों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया अभियान के अंतर्गत एसडीओपी पीयूष मिश्रा के नेतृत्व में थाना कोतवाली एवं यातायात पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से ऑटो जागरूकता रैली निकाली गई रैली में लगभग 200 ऑटो चालक शामिल हुए।

आंगनवाड़ी में गिरा पेड़, बचे मासूम

मण्डला (स्वतंत्र मत)। जिले के बिछिया विकासखंड एक आंगनवाड़ी केंद्र पर अचानक वर्षों पुराना विशाल बरगद का पेड़ गिर गया। हादसे के समय केंद्र के अंदर बच्चे मौजूद थे। पेड़ गिरते ही चीख-पुकार मच गई और बच्चों में अफरा-तफरी फैल गई। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई और एक बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार घटना बिछिया विकासखंड के छिबला टोला स्थित आंगनवाड़ी केंद्र की है। बताया जा रहा है कि बिना आंधी-तूफान के अचानक वर्षों पुराना विशाल बरगद का पेड़ भरभराकर आंगनवाड़ी भवन पर गिर पड़ा। पेड़ गिरने की तेज आवाज से बच्चे और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता घबरा गए। शोर सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पेड़ की बड़ी-बड़ी डालियां काटकर भवन के भीतर फंसे बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। हादसे के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है।

सलाहकार समिति की बैठक

मण्डला (स्वतंत्र मत)। जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में जिले के प्रभारी मंत्री एवं कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री ने विभिन्न विभागों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की और जनहित से जुड़े मुद्दों पर महत्वपूर्ण निर्देश दिए। बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके सहित जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मातृत्व अवकाश पर विदाई

मण्डला(स्वतंत्र मत)। भारतीय प्रशासनिक सेवा की 2022 बैच की अधिकारी एवं बिछिया में एसडीएम के रूप में सेवाएं दे रही श्रीमती सोनाली देव को मातृत्व अवकाश पर जाने के अवसर पर भावभीनी विदाई दी गई। नगर के बाहर एक निजी मोटेल में आयोजित सादगीपूर्ण विदाई समारोह में जिले के अधिकारियों ने उनकी सेवाओं को सराहा और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

जिले को मिला कायाकल्प अवार्ड

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

जिले की संस्थाओं को मिला कायाकल्प अवार्ड, 2025-26 की श्रेणी में राज्य स्तर से घोषित कायाकल्प अवार्ड मे जिले के सिविल अस्पताल नैनपुर ने 95.23 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। जिला कलेक्टर के मार्गदर्शन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डी.जे. मोहंती के नेतृत्व में जिले की स्वास्थ्य संस्थाओं में साफ-सफाई एवं मरीजों के उपचार में सुलभता और संस्थाओं के उन्नयन पर निरंतर कार्य किया जा रहा है। घोषित कायाकल्प परीणाम में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की श्रेणी में पी.एच.सी. समनापुर ने प्रथम स्थान पाया है इसके अतिरिक्त जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बीजाडांडी, बम्हनी, मवई, नारायणगंज पीएचसी अंजनी एवं मोचा सहित 10 संस्थाओं को कॉमेडेसन अवार्ड प्राप्त हुए हैं। साथ ही घुघरी के आयुष्मान आरोग्य मंदिर गरैया तथा बनहेरी को नेशनल क्वालिटी एसोरेस सर्टिफिकेट प्राप्त हुआ हैं वर्तमान में जिले की 54 आयुष्मान आरोग्य मंदिर 4 पीएचसी व 4 सीएचसी पहले से एनक्यूएएस मापदंडों पर सर्टिफिकेट प्राप्त कर चुके हैं।

कार्यकर्ताओं ने दिया 3 दिवसीय धरना

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

रविवार से तीन दिवसीय धरने में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता बैठक चुकें हैं। यह धरना नैनपुर नगर मुख्यालय में दिया जा रहा है। आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष पंकज सोनी ने बताया कि आम आदमी पार्टी के द्वारा लगातार जनहित के मुद्दे उठाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में आम आदमी पार्टी के द्वारा नैनपुर में मंडला सिवनी मार्ग पर नैनपुर स्थित रेल्वे फाटक पर ओवरब्रिज बनाने विगत कई वर्षों से मांग की जा रही है परंतु केवल रेलवे और सरकार के द्वारा केवल सांत्वना दी जाती रही। 18 जून को चेतावनी पूर्वक ज्ञापन रेलमंत्री और मुख्यमंत्री को अनुविभागीय अधिकारी नैनपुर के माध्यम से सौंपा था मांग की गई थी कि 1 माह के अंदर ओवरब्रिज के निर्माण पर कार्यवाही शुरू की जाए लेकिन हमेशा की तरह रेलवे प्रशासन और

प्रदेश सरकार के द्वारा केवल आश्वासन दिया जाता रहा है। ज्ञापन में चेतावनी दी गई थी कि अगर कार्यवाही शुरू नहीं होती है तो 1 माह बाद यानि 19 जुलाई से 3 दिवसीय धरना किया जाएगा। इसी कड़ी में आम आदमी पार्टी का 3 दिवसीय आंदोलन की शुरुआत की है 21 जुलाई को आम आदमी पार्टी के द्वारा संपूर्ण नगर में रैली निकालकर पुनः ज्ञापन दिया जाएगा कि अगर 1.5 माह पश्चात दिनांक 8 सितंबर तक रेलवे फाटक के निर्माण पर कोई कार्यवाही नहीं की जाती है तो रेल रोको आंदोलन किया जाएगा साथ ही 100 बिस्तरीय सिविल अस्पताल नैनपुर में लगातार आम आदमी पार्टी के द्वारा भ्रमण कर वहां की अव्यवस्थाओं से अवगत कराया जा रहा है परंतु वर्तमान में भी स्थिति जैसी की तैसी बनी हुई है इसके लिए भी यह आंदोलन किया जा रहा है।

विजय उत्सव कार्यक्रम आज

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

वरिष्ठ नागरिक पेंशनर एसोसिएशन द्वारा धारा 49 (6) को शासन द्वारा समाप्त किए जाने पर सोमवार को दोपहर 1 बजे से स्थानीय गोंड़ी पब्लिक ट्रस्ट भवन माहिष्मति घाट में विजय उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। ज्ञातव्य है कि वरिष्ठ नागरिक पेंशनर एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष राजकुमार दुबे ने सुनियोजित तरीके से मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ के प्रांतीय अध्यक्षों द्वारा मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ राज्य संयुक्त फेडरेशन का गठन कर मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ सरकार से दोनों राज्यों के स्वत्वों के विभाजन की कालातीत धारा 49 को समाप्त करने की मांग की थी।

नपा कर्मचारी संघ अध्यक्ष बने सौरभ

मण्डला (स्वतंत्रमत)।

जिले के नगरीय निकायों के अधिकारी कर्मचारियों के हितों के संरक्षण एवं उनके कल्याण के उद्देश्य से अटल नगरीय निकाय अधिकारी-कर्मचारी कल्याण संघ की जिला इकाई का गठन रविवार को सरस्वती शिशु मंदिर में संपन्न हुआ कार्यक्रम में प्रदेश स्तर के पदाधिकारियों की उपस्थिति में जिला कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन किया गया कार्यक्रम में संघ के प्रदेशाध्यक्ष कन्हैया लाल राय, प्रदेश सचिव साकेत बिहारी नागरिया, प्रदेश महामंत्री अमित चौकसे, प्रदेश सहसचिव साजिद खान तथा प्रदेश संगठन प्रभारी शैलेश कुमार जैन विशेष रूप से उपस्थित रहे सभी पदाधिकारियों ने संगठन की कार्यप्रणाली उद्देश्य एवं भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कर्मचारियों से एकजुट होकर संगठन को मजबूत

बनाने का आह्वान किया बैठक के दौरान जिला की नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई जिसमें सौरभ चौरसिया को जिला अध्यक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई इसके साथ ही घनश्याम चौहान, सुमित हरदहा, पंकज नामदेव, प्रवेश बर्मन, सचिन अवधवाल एवं सौरभ लखेरा को जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया इसके अलावा संगठन की मजबूती के लिए अन्य पदों पर भी जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया नवनियुक्त जिलाध्यक्ष सौरभ चौरसिया ने संगठन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे सभी अधिकारी-कर्मचारियों के हितों की रक्षा उनकी समस्याओं के निराकरण तथा संगठन को मजबूत बनाने के लिए पूरी निष्ठा एवं पारदर्शिता के साथ कार्य करेंगे।

कार्यक्रम में नगर पालिका मंडला, नगर पालिका नैनपुर, नगर परिषद बम्हनी बंजर, नगर परिषद भुआ बिछिया एवं नगर परिषद निवास के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

महिला-छात्रा सड़क दुर्घटना में घायल

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिले के नेशनल हाईवे-30 पर शनिवार देर रात एक तेज रफ्तार बोलेरो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने मकान से जा टकराई। हादसे में वाहन में सवार एक महिला और एक स्कूली छात्रा घायल हो गई दोनों घायलों को हाईवे हेल्पलाइन 1033 एम्बुलेंस की सहायता से जिला अस्पताल पहुंचाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सिझोरा आवासीय विद्यालय की एक छात्रा की तबीयत खराब होने पर उसे पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिछिया ले जाया गया था वहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया इसके बाद छात्रा को बोलेरो वाहन से मंडला लाया जा रहा था बताया जा रहा है कि ठोंडा के पास अचानक एक मोटर साइकिल वाहन के सामने आ गई उसे बचाने के प्रयास में चालक का बोलेरो से नियंत्रण हट गया और वाहन सड़क किनारे स्थित एक मकान की दीवार से जा टकराया।

भूमिपूजन में दस लाख की सौगात

मण्डला (स्वतंत्रमत)। निवास विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत खैरी में ग्रामीणों की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी हो गई। क्षेत्रीय विधायक चैन सिंह वरकड़े ने मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचकर खैरी में बनने वाले नवीन सामुदायिक भवन का विधिवत भूमि पूजन किया। क्षेत्र में सार्वजनिक कार्यक्रमों और आयोजनों की सुविधा के लिए स्थानीय निवासियों द्वारा सामुदायिक भवन की मांग की जा रही थी। जनभावनाओं का सम्मान करते हुए विधायक ने इस कार्य के लिए अपनी विधायक निधि से 10

लाख रुपये की राशि स्वीकृत की है। भूमि पूजन कार्यक्रम के दौरान विधायक ने कहा कि ग्रामीणों की सुविधा के लिए गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य समय-सीमा में पूर्ण किया जाएगा। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों ने विधायक का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में ब्लॉक अध्यक्ष राजुल ज्योतिषी, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मांगन लाल सोनी, रघुनंदन विश्वकर्मा, नरेश सोनी, जिला महामंत्री संदीप सोनी, युवा ब्लॉक अध्यक्ष प्रिंस अग्रवाल, विधानसभा अध्यक्ष रितेश सोनी, मंडलम अध्यक्ष विपिन सोनी, शहर अध्यक्ष विपिन रामकुमार सोनी, मनीष बर्मन, दीपक चक्रवर्ती, गोपाल चक्रवर्ती चक्रवर्ती समाज के चौधरी गया प्रसाद चक्रवर्ती महतो धनेश चक्रवर्ती और दीवान चौधरी चक्रवर्ती सहित चक्रवर्ती समाज के अन्य लोग बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता से दिया संदेश

मण्डला/मोहगांव(स्वतंत्रमत)। नशा से दूरी है जरूरी अभियान के अंतर्गत नशा मुक्ति भारत अभियान 2.0 के तहत जनपद पंचायत मोहगांव की शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला में एक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। सामाजिक न्याय विभाग एवं स्कूल शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में छात्राओं द्वारा रंगोली, चित्रकला एवं ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया प्रतियोगिता के माध्यम से छात्राओं ने नशे के दुष्प्रभाव और स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया।

नगर की समस्याओं को लेकर आम आदमी पार्टी का त्रिदिवसीय धरना प्रदर्शन आरम्भ

नैनपुर(स्वतंत्र मत)। नगर में रेलवे ओवरब्रिज की मांग और शासकीय अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की मांग को लेकर आम आदमी पार्टी द्वारा त्रिदिवसीय धरना प्रदर्शन शुरू किया गया है। आंदोलन का उद्देश्य नगरवासियों की लंबे समय से चली आ रही मूलभूत समस्याओं को शासन-प्रशासन के सामने मजबूती से उठाना और उनके त्वरित समाधान की मांग करना है।

आम आदमी पार्टी का कहना है कि नैनपुर में रेलवे फाटक पर प्रतिदिन लगने वाले जाम से आम नागरिक, छात्र-छात्राएं, मरीज और व्यापारी लगातार परेशान हैं। कई बार आपातकालीन परिस्थितियों में एम्बुलेंस भी जाम में फंस जाती है, जिससे मरीजों की जान तक खतरे में पड़ जाती है। ऐसे में रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण अब नगर की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुका है।

पार्टी ने शासकीय अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं पर भी सुधार की मांग की है। अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी, आवश्यक दवाओं का अभाव, पर्याप्त जांच सुविधाएं न होना और मरीजों को समय पर उचित उपचार न मिलनर जैसे विषय को मुद्दा बनाया है।

धरना-प्रदर्शन के माध्यम से आम आदमी पार्टी ने सरकार और प्रशासन से मांग की है कि नैनपुर में रेलवे ओवरब्रिज निर्माण की प्रक्रिया शीघ्र शुरू की जाए तथा शासकीय अस्पताल में डॉक्टरों, स्टाफ, दवाइयों और आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं की समुचित व्यवस्था तत्काल सुनिश्चित की जाए। पार्टी पदाधिकारियों ने नगरवासियों से अपील की है कि वे इस जनहित आंदोलन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर अपनी आवाज बुलंद करें, ताकि वर्षों से लंबित समस्याओं का स्थायी समाधान निकल सके।

15.8 मिमी औसत वर्षा दर्ज

मण्डला (स्वतंत्रमत)। जिले में 19 जुलाई को 15.8 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई। इस वर्ष 1 जून से 19 जुलाई तक जिले में कुल 308.9 मिमी औसत वर्षा रिकॉर्ड की गई है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 958.5 मिमी वर्षा दर्ज हुई थी तहसीलवार वर्षा की बात करें तो निवास में सर्वाधिक 26.2 मिमी, घुघरी में 25.1 मिमी, बिछिया में 21.5 मिमी, मंडला में 12.0 मिमी, नारायणगंज में 8.2 मिमी तथा नैनपुर में 2.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई।

वार्डों में फैला अतिक्रमण हो कार्यवाही

मण्डला (स्वतंत्रमत)। जिला प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई लगातार जारी है। बाजारों में दुकानों के सामने सड़क पर रखा सामान जब्त किया जा रहा है और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्यवाही की जा रही है। अखिलेश सोनी ने कहा कि यह पहल सराहनीय है लेकिन इसे केवल बाजारों तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि नगर के 24 वार्डों में वर्षों से नालियों गलियों और सार्वजनिक मार्गों पर हुए स्थायी अतिक्रमण की भी निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की जानी चाहिए। कई स्थानों पर मकानों के छज्जे सड़क तक बढ़ा दिए गए हैं बीम खड़ी कर दी गई हैं नालियों पर स्थायी निर्माण कर लिया गया है और सड़क पर सबमर्सिबल पंप तक लगा दिए गए हैं, जिससे गलियां और सड़कें लगातार संकरी होती जा रही हैं। छोटे ठेला एवं फुटपाथ व्यवसायियों पर कार्यवाही के साथ-साथ बड़े और स्थायी अतिक्रमणों पर भी समान रूप से कार्रवाई होनी चाहिए। रोजाना 300 से 500 रुपये कमाकर परिवार चलाने वाले छोटे दुकानदारों का रोजगार प्रभावित न हो बल्कि नियमों के अनुसार सभी प्रकार के अतिक्रमण हटाए जाएं। उन्होंने विशेष रूप से बुधवारी से बिंझिया चौराहा तथा नेहरू स्मारक से बिनेका तिराहा मार्ग सहित नगर की सभी प्रमुख सड़कों और पुरानी गलियों का राजस्व एवं नगरपालिका अधिकारियों से संयुक्त सर्वे कराने की मांग की है।

नगर में लग रहे फाइबर के स्पीड ब्रेकर

दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए प्रशासन की कवायद

पुराने जर्जर हो गये ब्रेकरों के भी सुधार की मांग

नैनपुर (स्वतंत्र मत)।

नगर में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं और तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण के उद्देश्य से प्रशासन द्वारा ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। हाल ही में आयोजित जनसुनवाई में नागरिकों द्वारा सड़क सुरक्षा को लेकर दिए गए आवेदनों का असर अब जमीन पर दिखाई देने लगा है।

एसडीएम नैनपुर आशुतोष महादेव ठाकुर ने इस गंभीर विषय को संज्ञान में लेते हुए नेशनल हाईवे विभाग जबलपुर के अधिकारियों से चर्चा की थी। इसी के तहत आज विभागीय अमला नगर के विभिन्न संवेदनशील स्थलों पर स्पीड ब्रेकर (रफ्तार नियंत्रक) लगाने का कार्य प्रारंभ कर चुका है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पहला ब्रेकर मुक्ति धाम के पास, दूसरा पुरानी भारत ज्योति स्कूल के समीप टर्निंग क्षेत्र में तथा तीसरा ब्रेकर जनपद पंचायत से गैस एजेंसी तक के

मार्ग पर लगाए जाने का निर्णय लिया गया है। इन स्थानों का चयन यातायात की अधिकता एवं दुर्घटना संभावित क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए किया गया है।

प्रशासन ने नगरवासियों से भी अपील की है कि वे जनहित में सुझाव दें, जिससे आवश्यकतानुसार अन्य उपयुक्त स्थानों पर भी ब्रेकर लगाए जा सकें और दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके।

इसके साथ ही नगर में पहले से लगे फाइबर ब्रेकरों की स्थिति पर भी ध्यान देने की आवश्यकता सामने आई है। कई स्थानों पर ये ब्रेकर जर्जर हो चुके हैं तथा उनमें से कीलें बाहर निकल आई हैं, जो स्वयं दुर्घटना का कारण बन सकती हैं। ऐसे में इन पुराने ब्रेकरों का समय-समय पर रखरखाव एवं मरम्मत कराना भी अत्यंत आवश्यक है।

यदि नए ब्रेकरों के साथ-साथ पुराने ब्रेकरों का सुधार एवं अन्य प्रमुख मार्गों व चौराहों पर भी रफ्तार नियंत्रक लगाए जाते हैं, तो निश्चित रूप से नगर में यातायात व्यवस्था अधिक सुव्यवस्थित होगी और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकेगी।

संपादकीय

नवकरणीय ऊर्जा की राह

हाइड्रोजन ऊर्जा से चलने वाली देश की पहली रेल की शुरुआत ने भारत में साफ-सुथरे और कम प्रदूषण वाले ट्रांसपोर्ट की ओर बदलाव की प्रक्रिया आरंभ कर दी है। प्रधानमंत्री द्वारा इस प्रोजेक्ट को 'मेक इन इंडिया' की सफलता के प्रतीक के तौर पर भी प्रस्तुत किया गया। दूसरे शब्दों में कहें तो यह पूरे दुनिया को संदेश देने का प्रयास ही है कि आज भारत पर्यावरण के अनुकूल परिवहन को प्राथमिकता देने के लिये प्रतिबद्ध है। यानी हम भी इस क्षेत्र के ग्लोबल लीडर्स में शामिल होने के आकांक्षी हैं। उल्लेखनीय है कि हरियाणा के जींद में स्वदेशी टेक्नोलॉजी और स्थानीय स्तर पर विकसित हाइड्रोजन इकोसिस्टम के साथ, यह प्रोजेक्ट एडवांस्ड इंजीनियरिंग में देश की बढ़ती क्षमताओं को भी दर्शाता है। वहीं दूसरी ओर यह प्रोजेक्ट देश के 'नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन' को भी संबल देने वाला है। जिसका उद्देश्य आयातित जीवाश्म ईंधन पर भारत की निर्भरता को कम करना तो है ही, साथ ही दीर्घकाल में देश के नेट-जीरो के लक्ष्यों को पूरा करने में सहयोग बढ़ाना भी है।

सही मायने में देश में ग्रीन हाइड्रोजन का रणनीतिक महत्व जलवायु संबंधी चिंताओं से कहीं आगे बढ़कर है। हाल के दिनों में पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते अमेरिका व ईरान के संघर्ष से उपजे विषम हालातों ने ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की जरूरत को एकबार फिर से रेखांकित किया है। ऐसे में आयातित कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और औद्योगिक फीडस्टॉक पर भारत की भारी निर्भरता के कारण ऊर्जा सुरक्षा आज देश की राष्ट्रीय प्राथमिकता बन गई है। विशेष रूप से वैश्विक भू-राजनीतिक अस्थिरता के दौर में। आज के वैश्विक अशांति के समय में ऊर्जा सुरक्षा राष्ट्रीय संप्रभुता की संरक्षा के लिए अपरिहार्य शर्त बन गई है। इसमें दो राय नहीं हो सकती है कि मौजूदा दौर में हमें नवकरणीय ऊर्जा की उपयोगिता को बढ़ावा देना होगा। इसी क्रम में देश में ही हाइड्रोजन का उत्पादन करने से हमें अस्थिर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर निर्भरता कम करने में मदद मिल सकती है। वहीं दूसरी ओर इन सभी प्रयासों से देश की अर्थव्यवस्था को भी संबल मिलेगा। निःसंदेह, हाइड्रोजन ट्रेन को लेकर जो उत्साह देखा जा रहा है, वह स्वाभाविक ही है। लेकिन इससे जुड़ी हकीकत को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए हरित हाइड्रोजन की कीमत आम ग्रे हाइड्रोजन की कीमत से लगभग दोगुनी होती है। इसमें बिजली की अधिक लागत, महंगे इलेक्ट्रोलाइजर और लगातार पॉलिसी सपोर्ट की जरूरत, बड़े पैमाने पर इसके उपयोग को लेकर चुनौतियां पैदा कर सकती है। हालांकि देश में ब्रॉड-गेज रेलवे नेटवर्क का 95 फीसदी हिस्सा पहले ही बिजली से संचालित हो चुका है। हाल-फिलहाल इस बात की संभावना कम ही है कि हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन पूरे देश में इलेक्ट्रिक ट्रेनों की जगह ले लेंगी। इसके बजाय, हाइड्रोजन ऊर्जा से संचालित ट्रेनों का ज्यादा लाभ उन रूटों पर हो सकता है, जहां बिजली की लाइन बिछाना आर्थिक या तकनीकी रूप से कठिन होता है। इस दृष्टिकोण से हाइड्रोजन ट्रेन को लंबे समय के समाधान के बजाय एक रणनीतिक प्रदर्शन के तौर पर देखा जाना चाहिए। इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि भारत इसकी उत्पादन लागत किस हद तक कम करने में सफल हो पाता है। साथ ही नवीकरणीय ऊर्जा की क्षमता का विस्तार करने तथा व्यावसायिक रूप से कामयाब हाइड्रोजन इकोसिस्टम बनाने में हम किस सीमा तक सफल होते हैं। इसके अलावा हमें कम लागत वाली अन्य नवकरणीय ऊर्जा के नये स्रोतों को भी तलाशना होगा। जिसके लिये इन विकल्पों की व्यावहारिकता और आर्थिक लागत कम रखना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

सोनम वांगचुक और सुर्खियों से आगे का सच

मीडिया नैरेटिव बनाम जनसमर्थन: क्या किसी आंदोलन की वास्तविक ताकत कैमरों से तय होती है?

डॉ. प्रियंका सौरभ
पीएचडी (राजनीति विज्ञान), कवयित्री एवं सामाजिक चिंतक

लोकतंत्र में किसी भी आंदोलन की सफलता का सबसे बड़ा आधार उसका वास्तविक जनसमर्थन होता है। कैमरों की चमक, सोशल मीडिया की ट्रेंडिंग सूची, यूट्यूब की लाखों व्यूज़ या टीवी चैनलों की लगातार बहसें किसी आंदोलन को चर्चा का विषय तो बना सकती हैं, लेकिन वे स्वयं जनमत का प्रमाण नहीं होतीं। इतिहास गवाह है कि अनेक ऐसे आंदोलन रहे जिन्हें मीडिया ने बहुत कम स्थान दिया, फिर भी वे समाज में व्यापक परिवर्तन का कारण बने। वहीं कुछ ऐसे आंदोलन भी रहे जो मीडिया में छाए रहे, लेकिन समाज में स्थायी आधार नहीं बना सके। पिछले कुछ वर्षों में लद्दाख और वहां के पर्यावरण, संवैधानिक अधिकारों तथा स्थानीय प्रतिनिधित्व को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक चर्चा हुई है। इस विमर्श में सोनम वांगचुक एक प्रमुख चेहरा बनकर उभरे। उन्होंने जलवायु परिवर्तन, हिमालयी पारिस्थितिकी, स्थानीय संस्कृति और प्रशासनिक व्यवस्था से जुड़े मुद्दों को राष्ट्रीय मंच पर रखा। देशभर में अनेक लोगों ने उनके विचारों का समर्थन किया, जबकि दूसरी ओर ऐसे लोग भी हैं जो मानते हैं कि उनकी राष्ट्रीय पहचान और स्थानीय जनसमर्थन के बीच पर्याप्त अंतर है। यही प्रश्न आज लोकतांत्रिक विमर्श के केंद्र में है–क्या किसी व्यक्ति की राष्ट्रीय लोकप्रियता ही उसके स्थानीय जनाधार का प्रमाण है? या फिर किसी आंदोलन की वास्तविक शक्ति उसके अपने समाज के विश्वास और भागीदारी से तय होती है? हाल ही में लद्दाख के एक सामाजिक संगठन के पदाधिकारी से हुई बातचीत में यह मत सामने आया कि लद्दाख में सोनम वांगचुक के समर्थन में वैसी व्यापक जन-लहर नहीं दिखाई देती जैसी राष्ट्रीय मीडिया में प्रस्तुत की जाती है। यदि यह आकलन सही है, तो यह विचारणीय है कि राष्ट्रीय विमर्श और स्थानीय वास्तविकता के बीच इतना अंतर क्यों दिखाई देता है। साथ ही यह भी उतना ही आवश्यक है कि किसी एक संगठन या व्यक्ति की राय को पूरे लद्दाख की सामूहिक राय मान लेने से भी बचा जाए। लोकतंत्र में समाज बहुआयामी होता है और किसी भी क्षेत्र में अनेक मत, अनेक समूह और अनेक दृष्टिकोण मौजूद रहते हैं।

आज मीडिया का स्वरूप पहले जैसा नहीं रहा। पहले समाचारों का चयन संपादकीय विवेक से होता था, अब एल्गोरिद्म, क्लिक, व्यूज़ और ट्रेंड भी यह तय करने लगे हैं कि कौन-सा मुद्दा अधिक दिखाई देगा। परिणामस्वरूप कई बार किसी व्यक्ति की छवि उसके वास्तविक सामाजिक प्रभाव से कहीं अधिक बड़ी दिखाई देने लगती है। दूसरी ओर, कई ऐसे स्थानीय मुद्दे जो वास्तव में जनता के जीवन से जुड़े होते हैं, राष्ट्रीय विमर्श से गायब रहते हैं। सोशल मीडिया ने अभिव्यक्ति का लोकतंत्रीकरण किया है, लेकिन इसके साथ ही उसने नैरेटिव निर्माण को भी नई गति दी है। कुछ मिनट का वीडियो, भावनात्मक अपील, प्रभावशाली संगीत और लगातार साझा किए जाने वाले संदेश किसी भी व्यक्ति को राष्ट्रीय पहचान दिला सकते हैं। किंतु लोकतंत्र केवल डिजिटल लोकप्रियता से नहीं चलता। लोकतंत्र का आधार वास्तविक समाज, वास्तविक नागरिक और वास्तविक जनभागीदारी है। आज अनेक यूट्यूब चैनल स्वयं को स्वतंत्र पत्रकारिता का प्रतिनिधि बताते हैं। उनमें से कई उत्कृष्ट कार्य भी कर रहे हैं, लेकिन कुछ ऐसे भी हैं जो किसी वैचारिक, राजनीतिक या व्यावसायिक उद्देश्य से एकतरफा सामग्री प्रस्तुत करते हैं। ऐसे में दर्शकों के सामने चुनौती यह होती है कि वे सूचना और प्रचार के बीच अंतर कैसे करें। यदि कोई चैनल केवल एक ही पक्ष को दिखाए और दूसरे पक्ष की उपेक्षा करे, तो वह पत्रकारिता के मूल उद्देश्य से भटक जाता है। इसी प्रकार मुख्यधारा का मीडिया भी कई बार व्यक्तियों को मुद्दों से बड़ा बना देता है। परिणाम यह होता है कि पर्यावरण, स्थानीय प्रशासन, रोजगार, शिक्षा, पर्यटन और सीमावर्ती क्षेत्रों की समस्याओं जैसे गंभीर विषय पीछे छूट जाते हैं और चर्चा केवल किसी एक चेहरे तक सीमित रह जाती है। लोकतंत्र में यह प्रवृत्ति स्वस्थ नहीं मानी जा सकती। यह भी ध्यान रखना चाहिए कि किसी भी आंदोलन की सफलता केवल उसके नेता की लोकप्रियता पर निर्भर नहीं करती। यदि स्थानीय समाज सक्रिय रूप से उसके साथ नहीं जुड़ता, तो आंदोलन की गति सीमित हो सकती है। वहीं यदि जनता व्यापक रूप से उसके साथ खड़ी हो, तो मीडिया चाहे जितना मौन रहे, आंदोलन अपनी दिशा स्वयं बना लेता है। भारत के स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर अनेक सामाजिक आंदोलनों तक यही अनुभव सामने आया है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि मीडिया किसी भी आंदोलन का मूल्यांकन केवल उसके चर्चित चेहरे के आधार पर न करे। उसे यह भी देखना चाहिए कि उस आंदोलन से स्थानीय लोग कितनी संख्या में जुड़े हैं, उनके जीवन पर उसका क्या प्रभाव पड़ रहा है और उनके भीतर उसके प्रति कितना विश्वास है। इसी प्रकार किसी आंदोलन के आलोचकों को भी तथ्यों और प्रमाणों के आधार पर अपनी बात रखनी चाहिए, न कि केवल भावनात्मक प्रतिक्रियाओं के आधार पर। लोकतंत्र में असहमति का अधिकार उतना ही महत्वपूर्ण है जितना समर्थन का। यदि कोई व्यक्ति सरकार की नीतियों की आलोचना करता है, तो उसे अपनी बात रखने का अधिकार है। उसी प्रकार यदि समाज का कोई वर्ग उसकी बात से असहमत है, तो उसे भी अपनी राय रखने का समान अधिकार है। लोकतांत्रिक परंपरा का अर्थ ही यही है कि विभिन्न मत सम्मानपूर्वक सामने आएँ और जनता स्वयं निर्णय करे। लद्दाख जैसे संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्र में विकास, पर्यावरण, सुरक्षा और स्थानीय पहचान के प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इन विषयों पर गंभीर और तथ्याधारित चर्चा होनी चाहिए। यदि पूरा विमर्श केवल किसी एक व्यक्ति के समर्थन या विरोध तक सीमित हो जाए, तो वास्तविक समस्याएँ पीछे छूट जाती हैं। इससे न समाज का भला होता है और न ही लोकतंत्र का। आज डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर किसी भी विषय को लेकर कुछ ही घंटों में राष्ट्रीय अभियान चलाया जा सकता है। हैशटैग ट्रेंड होने लगते हैं, वीडियो वायरल हो जाते हैं और यह भ्रम पैदा हो सकता है कि पूरा देश किसी एक मत पर सहमत है। किंतु वास्तविक जनमत का आकलन केवल डिजिटल गतिविधियों से नहीं किया जा सकता। गाँव, कस्बे, स्थानीय संस्थाएँ, नागरिक संगठन और जनता की प्रत्यक्ष भागीदारी कहीं अधिक महत्वपूर्ण संकेतक हैं। पत्रकारिता का मूल धर्म सत्ता से प्रश्न पूछना है, लेकिन उतना ही आवश्यक यह भी है कि वह आंदोलनों और उनके नेताओं से भी प्रश्न पूछे। यदि पत्रकारिता केवल किसी एक पक्ष की प्रवक्ता बन जाए, तो उसकी विश्वसनीयता कम हो जाती है। लोकतंत्र में मीडिया की सबसे बड़ी पूँजी उसकी निष्पक्षता और विश्वसनीयता है। आज आवश्यकता संतुलित विमर्श की है। किसी भी व्यक्ति को देवता बनाना भी उचित नहीं और बिना पर्याप्त तथ्यों के उसे पूरी तरह खारिज कर देना भी लोकतांत्रिक दृष्टि से उचित नहीं है। व्यक्तियों से अधिक महत्वपूर्ण वे मुद्दे हैं जिनके लिए वे आवाज़ उठाते हैं। यदि मुद्दे सही हैं, तो उन पर चर्चा होनी चाहिए; यदि तर्क कमजोर हैं, तो उनकी आलोचना भी तथ्यों के आधार पर होनी चाहिए। अंततः लोकतंत्र में अंतिम निर्णय जनता करती है। मीडिया केवल सूचना का माध्यम हो सकता है, निर्णय का स्थानापन्न नहीं। सोशल मीडिया किसी व्यक्ति को प्रसिद्ध बना सकता है, लेकिन स्थायी सम्मान वही प्राप्त करता है जिसे समाज का विश्वास मिलता है। इसलिए किसी भी आंदोलन का मूल्यांकन कैमरों की संख्या, व्यूज़, लाइक या ट्रेंडिंग हैशटैग से नहीं, बल्कि उसके वास्तविक जनाधार, स्थानीय सहभागिता, लोकतांत्रिक स्वीकार्यता और समाज पर पड़े प्रभाव से किया जाना चाहिए। लोकतंत्र का भविष्य भी इसी संतुलन में सुरक्षित है–जहाँ मीडिया तथ्य प्रस्तुत करे, समाज विवेक से निर्णय ले और किसी भी व्यक्ति या आंदोलन का मूल्यांकन प्रचार नहीं, बल्कि प्रमाण और जनविश्वास के आधार पर किया जाए। यही स्वस्थ लोकतांत्रिक संस्कृति की पहचान है और यही पत्रकारिता का वास्तविक दायित्व भी।

दतिया उपचुनाव : कोई भी जीते, हारेंगे नरोत्तम

डॉ. सुधीर सक्सेना
स्वतंत्र पत्रकार

दतिया में मतदान सन्निकट है। कहने को यह चुनाव दोनों प्रमुख दलों–कांग्रेस और भाजपा के बीच हो रहा है, लेकिन आजाद समाज पार्टी ने आमने-सामने की सीधी लड़ाई को पेचीदा त्रिकोणीय संघर्ष में बदलकर हार-जीत के समीकरणों को गड़बड़ा दिया है। आजाद समाज पार्टी के प्रत्याशी दामोदर सिंह यादव के पेशगी तैयारी से मैदान में उतरने से संशय गहरा गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सजातीय होने से अनेक लंतरानियां हवा में तैर रही हैं। चुनावी ऊंट की करवट को दादा (नरोत्तम मिश्र) की मौन मनौती से जोड़कर भी देखा जा रहा है। इसे हरेक अपने-अपने तरीके से बूझ रहा है। वस्तुतः डॉ. नरोत्तम मिश्र की स्थिति तलवार की धार पे धावनों सरीखी हो गयी है। बीजेपी की जय और पराजय दोनों ही स्थितियों में उनके लिये नफा, कम, नुकसान ज्यादा का खतरा सन्निहित है। डॉ. नरोत्तम मिश्र इस सामंती इलाके में 'दादा' के संबोधन से नवाजे जाते हैं। यह संबोधन उनकी हैसियत और छवि दोनों की चुगली करता है। इसमें आदर और दबंगई का ऐसा घोल है, जिसमें दोनों को पृथक्कृत नहीं किया जा सकता। इलाके में उनकी लोकप्रियता भी है और दबदबा भी। वह पारिवारिक प्रसंगों से लेकर धार्मिक अनुष्ठानों और सामाजिक समारोहों में शिरकत करते रहे हैं। उन्होंने अपनों को कृतार्थ किया तो बैरियों को सबक सिखाया। हाजिरजवाबी और शेरोशायरी से वह जलसों और महफिलों की शान रहे। पार्टी के लिये वह संकटमोचन रहे। उनकी साधन संपन्नता कइयों की ईर्ष्या का विषय बनी। दिल्ली के सत्ता सौध में वह एक अत्यंत प्रभावशाली नेता की नाक का बाल रहे और दिलचस्प तौर पर उन्होंने अपनी नाक के बालों का भी भरपूर खयाल रखा। कमलनाथ-सरकार को गिराने में भी उनकी नेपथ्य में महत्वपूर्ण भूमिका रही। अपने बयानों से वह सुर्खियों में रहे और आचरण से विवादास्पद। सूबे का सीएम बनने की उनकी महत्वाकांक्षा भी किसी से छिपी नहीं रह सकी।

यही वे सन्दर्भ हैं, जो डॉ. नरोत्तम मिश्र को सत्तारूढ़ बीजेपी में अद्वितीय या विशिष्ट बनाते हैं। यही विशिष्ट नरोत्तम इस बार दतिया के उपचुनाव में टिकट से वंचित रहे। दादा का बेटिकट होना दादा के समर्थकों को कितना नागवार गुजरा, यह बीजेपी के नये नवेले उम्मीदवार के नाम का ऐलान होते ही जगजाहिर हो गया। दादा नहीं तो कोई नहीं की रौ में दादा के उग्र समर्थकों ने खूब बवाल काटा। और दादा ...? बेबसी में दादा की आंखों में आंसू तिर आये। अब दादा कुछ बोलें या मौन रहें, मगर ये अबोले आँसू मुखर होकर गुल खिला रखे हैं। उनकी यह बबसी और मायूसी उनके समर्थकों को इस कदर साल रही है कि उन्होंने बीजेपी को सबक सिखाने का मन बना लिया है। दतिया में सामान्य वर्ग में ब्राह्मण सबसे बड़ा वोट बैंक हैं। यह बैंक पहले विभाजित था, किंतु नये परिप्रेक्ष्य में तकरीबन पूरा समुदाय बीजेपी के हाथों से छिटक गया है।

दादा नरोत्तम इस चुनाव में प्रत्याशी नहीं हैं। न तो वह दलीय प्रत्याशी हैं और न ही निर्दल, लेकिन चुनावी-दंगल में उनकी मौजूदगी महसूस की जा रही है। पार्टी ने उनकी गति सांप-छछूंदर सी कर दी है। सुविचारित रणनीति के तहत उन्हें चुनाव प्रचार की कमान सौंपा दी गयी है। कमेटी में इस्तीफा दे चुके उनके समर्थक पदाधिकारी भी हैं। पार्टी के लिये दादा को तन-मन-धन झोंकना होगा। हालाँकि, संभावना नगण्य है, किंतु फर्ज कीजिये कि बीजेपी के आशुतोष जीत जाते हैं, तो सेहरा किसके सिर बँधेगा? पार्टी नेतृत्व की जय-जयकार होगी और स्थानीय राजनीति में दादा हाशिये में सरक जायेंगे। अगले चुनाव में उनका दावा भी कमजोर होगा। यदि उन्हें कोई निगम-मंडल सौंपा भी गया तो उससे उनके रूतबे की भरपाई न होगी। और अगर्चे बीजेपी दतिया का दंगल हारती है, तो ठीकरा दादा के सिर फूटेगा। ऐसे में दादा तिरस्कृत और दंडित होंगे। अवधेश नायक की सक्रियता से कांग्रेस को बल मिला है और विभिन्न नेताओं के बयानों से दादा की निष्ठा संदिग्ध हो रही है। ऐसा नहीं है कि दादा इसे समझ नहीं रहे हैं, मगर वे निरूपाय हैं। उनके ग्रहयोग बुरे चल रहे हैं। दिल्ली के उनके आका भी उनकी टिकट बचा नहीं सके। एक नामालूम सा स्वयं सेवक बाजी मार ले गया। अब दतिया है, दादा हैं और चुनाव हैं। गत चुनाव में दादा करीब सात हजार मतों से हारे थे और करीब इतने ही वोटर एसआईआर में लिस्ट से हटाये गये थे। जब वक्त बुरा हो तो धार्मिक टोटके काम नहीं आते। यह अकारण नहीं है कि ज्योतिरादित्य सिंधिया ने दतिया में जिताने का जिम्मा लेने से इंकार कर दिया। अब दंगल में उतरे तेईस मल्लों में से जीते कोई एक, मगर दंगल नहीं लड़कर भी हारेंगे दादा नरोत्तम।

किसी के पास है सबूत भारतीय होने का

देखो जी, यह तो पूछा ही जाता है कि भाई कौन हो, कहां के हो। पर फिर सबूत कोई नहीं मांगता। कवि शैलेंद्र ने तो सबूत मांगे जाने से पहले ही सबूत दे दिया था कि–होठों पर सच्चाई रहती है, जहां दिल में सफाई रहती है, हम उस देश के वासी हैं, जिस देश में गंगा बहती है। फिर अपने भारत कुमार अर्थात? मनोज कुमार ने भी पर्दे पर कुछ-कुछ यही दोहराते हुए कहा–भारत का रहने वाला हूं, भारत की बात सुनाता हूं। पता नहीं, कितने ही कवियों और शायरों ने कुछ-कुछ इसी टाइप से अपना परिचय दिया कि गंगा मेरी मां का नाम है, बाप का नाम हिमालय। लेकिन, अब आपको सबूत देना होगा कि आप भारतवासी हैं तो कैसे हैं, सबूत क्या है?

जी, यह मेरा आधार कार्ड है। मैंने बहुत भाग-दौड़ करके बनवाया है। लेकिन आधार कार्ड तो कोई सबूत नहीं है। आजकल बस में, रेल में और हवाई जहाज में यात्रा करने, कहीं धर्मशाला या होटल में ठहरने और बैंक की केवाईसी के अलावा यह कहां काम आता है। तो जी, फिर आपने यह हजारों-करोड़ रुपये खर्च करके इतना तामझाम क्यों खड़ा कर रखा है आधार का। वो छोड़ो। सबूत दो। जी, यह मेरे पास राशन कार्ड है। किस जमाने में रह रहे हो यार। इसे तो अब पहचान का दस्तावेज भी नहीं माना जाता। आजकल यह सिर्फ गरीबों के पास रह गया है और फ्री का राशन लेने के काम आता है। कहीं तुम लाभार्थी तो नहीं हो?

खैर सबूत दो। जी यह मेरा ड्राइविंग लाइसेंस है। ड्राइविंग लाइसेंस! भैया यह सिर्फ गाड़ी चलाने के काम आता है। यह सबूत थोड़े ही है। जी, यह मेरा बिजली का बिल है। बिजली का बिल है तो जाकर भरो और मुझे सबूत दिखाओ। जी, सबूत ही दिखा रहा हूं। नहीं, यह सबूत नहीं है, यह सिर्फ बिल भरने के काम आता है। तुम्हारे यहां स्मार्ट मीटर तो है न। कहीं बिजली की चोरी तो नहीं कर रहे! अरे नहीं जनाब! खैर, सबूत क्या है। जी यह मेरे जमीन के, मकान के कागज हैं। क्या खुराना के ऑफिस से आए हो। जी, कौन खुराना? अरे वही, खोसला का घोसलावाला, जो ज़मीन-जायदाद के फर्जी कागज बनाता था। जी, यह फर्जी नहीं है। इसका क्या सबूत है।

देखो सबूत दिखाओ यार। जी यह मेरा पार्सपोर्ट है। पासपोर्ट? अरे भैया यह सिर्फ यात्रा का दस्तावेज है। अदालत का फैसला सुना नहीं क्या तुमने? इसे हटाओ यहां से और सबूत दो। जी यह मेरा मतदाता पहचान-पत्र है। अरे सारा पंगा तो इसी का है। यह मान्य नहीं, नया बनवाओ। लाओ पिछले एसआईआर का रिकॉर्ड दिखाओ, क्या उसमें तुम्हारे माता-पिता का नाम था? चलो अपने माता-पिता का जन्म प्रमाणपत्र लाओ, अपना जन्म प्रमाणपत्र लाओ। सबूत ऐसे ही थोड़े मिल जाएगा। नहीं?

– सहीराम

मेरा हक, मेरा सपना, मेरा लोकतंत्र : अब और इंतजार नहीं

कृति आरके जैन
शिक्षाविद

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी विडंबना यह नहीं कि महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण देर से मिला, बल्कि यह है कि कानून बनने के बाद भी उसका लाभ आज तक नहीं मिला। संविधान (106वाँ संशोधन) अधिनियम, 2023 पारित और अप्रैल 2026 में अधिसूचित हो चुका है, फिर भी उसका क्रियान्वयन जनगणना और परिसीमन तक टला है। 20 जुलाई 2026 से जंतर-मंतर पर प्रस्तावित अनिश्चितकालीन धरना केवल आंदोलन नहीं, बल्कि उस व्यवस्था से सीधा सवाल है जिसने अधिकार तो दिया, पर उसे लागू नहीं किया। आंदोलनकारी महिलाओं का स्पष्ट संदेश है–'हमें भविष्य की संसद का आश्वासन नहीं, वर्तमान की संसद में अपना संवैधानिक स्थान चाहिए।' यह केवल महिलाओं की पुकार नहीं, बल्कि लोकतंत्र के अधूरे वादे की गूंज है।

संविधान (106वां संशोधन) अधिनियम, 2023 ने लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण का मार्ग खोला और इसे भारतीय राजनीति का ऐतिहासिक मोड़ माना गया। अप्रैल 2026 में अधिसूचना जारी होने के बावजूद इसका क्रियान्वयन अगली जनगणना और उसके बाद होने वाले परिसीमन से जोड़ दिया गया। यानी अधिकार संविधान में दर्ज है, लेकिन उसका लाभ अब भी टला हुआ है। यही कारण है कि महिला संगठनों का आक्रोश बढ़ रहा है। वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता शबनम हाशमी सहित अनेक महिला नेताओं का सवाल है–क्या आधी आबादी को आज भी लोकतंत्र में 'दूसरी श्रेणी का नागरिक' मानकर इंतजार कराया जाएगा? यदि समान अधिकार संवैधानिक संकल्प है, तो उसका क्रियान्वयन भी बिना विलंब होना चाहिए। इस देरी के पीछे केवल संवैधानिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि राजनीतिक गणित भी है। 2021 की जनगणना अब तक नहीं हुई, जबकि उसके बाद का परिसीमन देश का राजनीतिक संतुलन बदल सकता है। अनुमान है कि लोकसभा की सीटें 543 से बढ़कर लगभग 850 हो सकती हैं। इससे उत्तर भारतीय राज्यों का प्रतिनिधित्व बढ़ेगा, जबकि जनसंख्या नियंत्रण में सफल दक्षिणी राज्यों की हिस्सेदारी घटने की आशंका है। इसी कारण अप्रैल 2026 में लाए गए 131वें संविधान संशोधन और परिसीमन विधेयक पर विवाद गहरा गया। विपक्ष इसे राजनीतिक रणनीति मानता है, जबकि महिला संगठनों का आरोप है कि महिला आरक्षण को परिसीमन से जोड़कर उसका क्रियान्वयन टाल दिया गया। प्रक्रियाएं आवश्यक हैं, लेकिन जब वे अधिकारों में बाधा बनें, तो उन पर पुनर्विचार भी आवश्यक हो जाता है। इस देरी की सबसे बड़ी कीमत देश की महिलाएं चुका रही हैं। आज लोकसभा में उनका प्रतिनिधित्व 14 प्रतिशत से कम और राज्य विधानसभाओं में औसतन 10 प्रतिशत है। आरक्षण लागू होते ही सैकड़ों महिलाएं राष्ट्रीय नीति-निर्माण में निर्णायक भूमिका निभा सकती हैं। पंचायतों और नगरीय निकायों में 50 प्रतिशत तक आरक्षण सिद्ध कर चुका है कि महिलाओं की भागीदारी से शासन अधिक संवेदनशील, जवाबदेह और जनहितकारी बनता है। जल, शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता और महिला सुरक्षा जैसे मुद्दों को नई प्राथमिकता मिली है। जब गांव से नगर तक महिलाएं नेतृत्व क्षमता साबित कर चुकी हैं, तब संसद के द्वार उनके लिए प्रतीक्षा का प्रतीक बने रहना लोकतंत्र की बड़ी विडंबना है। इस पृष्ठभूमि में महिला आरक्षण के लिए राष्ट्रीय गठबंधन सहित अनेक महिला संगठनों की मांग केवल राजनीतिक आग्रह नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक न्याय की अपेक्षा है। उनका कहना है कि सरकार यदि महिला सशक्तीकरण के प्रति प्रतिबद्ध है, तो वर्तमान लोकसभा और विधानसभाओं में आरक्षण लागू कर जनगणना व परिसीमन की शर्त हटाए। साथ ही अन्य पिछड़ा वर्ग, दलित, आदिवासी व अन्य वंचित वर्गों की महिलाओं के लिए उप-आरक्षण सुनिश्चित हो। वे चुनावी व्यय में सरकारी सहायता और महिलाओं के नाम पर पुरुष रिश्तेदारों द्वारा संचालित 'प्रतिनिधि राजनीति' पर रोक की मांग कर रहे हैं। इसी मांग को लेकर महिला संगठन मानसून सत्र में संवैधानिक संशोधन, जंतर-मंतर पर धरना और देशभर में जनजागरण अभियान की घोषणा कर चुके हैं। वास्तव में यह संघर्ष कुछ सीटों का नहीं, लोकतंत्र की आत्मा का है।

लोकतंत्र की मजबूती केवल मतदान नहीं, निर्णय प्रक्रिया में समान भागीदारी से तय होती है। शिक्षा, विज्ञान, न्यायपालिका, सेना, उद्योग, कृषि, प्रशासन और अंतरिक्ष में क्षमता सिद्ध कर चुकी महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को प्रशासनिक प्रक्रियाओं के नाम पर टालना लोकतांत्रिक न्याय के विपरीत है। अनेक लोकतंत्रों ने सिद्ध किया है कि नीति-निर्माण में महिलाओं की भागीदारी से शासन अधिक संवेदनशील, पारदर्शी और जवाबदेह बनता है। इसलिए महिला आरक्षण केवल 'महिला मुद्दा' नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, समावेशी शासन, आर्थिक विकास और लोकतांत्रिक संतुलन का प्रश्न है। आधी आबादी की आवाज निर्णय प्रक्रिया में बराबरी से न सुनी जाए, तो विकास अधूरा रहेगा।

सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती कानून बनाना नहीं, उस पर विश्वास बनाए रखना है। यदि संवैधानिक अधिकार वर्षों तक लागू न हों, तो यह प्रश्न स्वाभाविक है कि वे अधिकार हैं या केवल राजनीतिक घोषणा। जनगणना और परिसीमन आवश्यक संवैधानिक प्रक्रियाएं हैं, लेकिन उन्हें महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी की शर्त बना देना संविधान की समान अवसर की भावना के अनुरूप नहीं है। राजनीतिक इच्छाशक्ति हो, तो ऐसा समाधान संभव है जिससे जनगणना और परिसीमन समय पर हों और महिलाओं का संवैधानिक अधिकार प्रतीक्षा का शिकार न बने। लोकतंत्र की विश्वसनीयता अधिकार टालने में नहीं, उन्हें समय पर लागू करने के साहस में निहित है। अब समय केवल निर्णय का नहीं, लोकतांत्रिक संकल्प निभाने का है। 20 जुलाई से जंतर-मंतर पर शुरू आंदोलन किसी सरकार के विरोध का नहीं, बल्कि समान अधिकारों की लोकतांत्रिक पुकार है। यदि भारत 'विकसित भारत' का लक्ष्य हासिल करना चाहता है, तो आर्थिक प्रगति के साथ राजनीतिक समानता भी सुनिश्चित करनी होगी। महिलाओं को प्रतीक्षा नहीं, नेतृत्व का अधिकार चाहिए। लोकतंत्र की सार्थकता कानून बनाने में नहीं, उसे समय पर लागू करने में है। आधी आबादी अब मौन दर्शक नहीं, समान अधिकार, सम्मान और प्रतिनिधित्व की दावेदार है। इतिहास गवाह है–अधिकार जितनी देर से मिलते हैं, लोकतंत्र उतना कमजोर होता है।

अमरनाथ यात्रा रोकी गई, केदारनाथ-कैलाश यात्री भी अटके

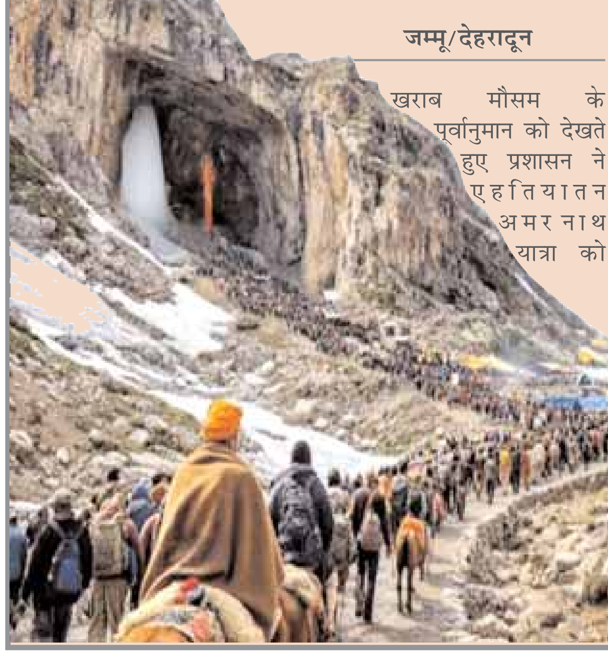

जम्मू/देहरादून

खराब मौसम के पूर्वानुमान को देखते हुए प्रशासन ने एहतियातन अमरनाथ यात्रा को फिलहाल रोक दिया है। पहलगाम और बालटाल, दोनों रास्तों से किसी भी श्रद्धालु को आगे जाने की अनुमति नहीं होगी। जम्मू के भगवती नगर बेस कैंप में श्रद्धालुओं को रोक दिया गया है। खराब मौसम ने इस बार अमरनाथ यात्रा की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया है। प्रशासन ने 19 जुलाई 2026 से यात्रा को अस्थायी रूप से स्थगित करने का फैसला लिया है। यह रोक यात्रा के दोनों प्रमुख मार्गों पहलगाम और बालटाल पर लागू रहेगी। प्रशासन के मुताबिक, मौसम विभाग ने अगले कुछ समय के लिए खराब मौसम का पूर्वानुमान जारी किया है। पहाड़ी इलाकों में भारी बारिश, फिसलन और भूस्खलन जैसी स्थितियों की आशंका को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। अधिकारियों का कहना है कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा प्राथमिकता है, इसलिए जोखिम उठाने की बजाय यात्रा को फिलहाल रोकना जरूरी समझा गया। इस फैसले के बाद जम्मू स्थित भगवती नगर यात्री निवास बेस कैंप में मौजूद श्रद्धालुओं को आगे बढ़ने की अनुमति नहीं दी गई। उन्हें बेस कैंप में ही रुकने और प्रशासन के अगले निर्देश का इंतजार करने को कहा गया है। हर साल लाखों श्रद्धालु बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए अमरनाथ पहुंचते हैं। लेकिन ऊंचाई वाले इस इलाके में मौसम कुछ ही घंटों में बदल जाता है। ऐसे में प्रशासन समय-समय पर मौसम और रास्तों की स्थिति की समीक्षा करता है। अगर हालात अनुकूल नहीं होते, तो यात्रा को अस्थायी रूप से रोक दिया जाता है। अधिकारियों ने कहा है कि जैसे ही मौसम साफ होगा, उसी हिसाब से फैसला लिया जाएगा। तब तक श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे आधिकारिक सूचना पर ही भरोसा करें। यानी फिलहाल बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए निकले श्रद्धालुओं को थोड़ा इंतजार करना होगा। मौसम की मार थमेगी, रास्ते सुरक्षित होंगे, तभी यात्रा दोबारा आगे बढ़ेगी। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में लगातार हो रही भारी बारिश ने हालात बिगाड़ दिए हैं। तेज बारिश के चलते जिले के कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। नदियां और बरसाती नाले उफान पर हैं, जबकि कई निचले इलाकों में पानी भरने से जनजीवन प्रभावित हुआ है। जिला प्रशासन ने लोगों से बिना जरूरत यात्रा न करने, नदियों और नालों से दूर रहने तथा बाढ़ संभावित क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। प्रशासन का कहना है कि जलस्तर लगातार बढ़ रहा है और हालात पर नजर रखी जा रही है। कश्मीर के डिविजनल कमिश्नर अंशुल गर्ग ने कहा कि अगले कुछ दिनों में खराब मौसम के पूर्वानुमान और तीर्थयात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अमरनाथ यात्रा 19 जुलाई 2026 से रोकी गई है। पहलगाम और बालटाल दोनों रास्ते बंद किए गए हैं। यात्रा फिर से शुरू करने के बारे में जानकारी मौसम की स्थितियों के बाद दी जाएगी। अब तक अमरनाथ यात्रा के दौरान 3.7 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने दर्शन किए हैं। लगातार हो रही बारिश का असर उत्तराखंड की तीर्थ यात्राओं पर भी पड़ा है। रुद्रप्रयाग जिले में गौरीकुंड-केदारनाथ पैदल मार्ग पर शुक्रवार को भी पहाड़ी से बोल्डर और मलबा गिरने के कारण रास्ता कुछ समय के लिए बंद हो गया था। हालांकि राहत एवं बचाव दलों ने मलबा हटाकर पैदल मार्ग फिर से खोल दिया, लेकिन सुरक्षा कारणों से घोड़ा-खच्चर और डोली सेवा फिलहाल स्थगित रखी गई है। प्रशासन लगातार मार्ग की निगरानी कर रहा है। वहीं, पिथौरागढ़ जिले में कैलाश-मानसरोवर यात्रा भी प्रभावित हुई है। गरबाधार क्षेत्र में भूस्खलन के कारण गुंजी मार्ग बंद हो गया। इसके चलते 50 श्रद्धालुओं वाले चौथे जत्थे को धारचूला बेस कैंप पर ही रोक दिया गया। प्रशासन का कहना है कि रास्ता सेफ होने के बाद ही यात्रियों को आगे भेजा जाएगा। राज्य आपदा प्रबंधन विभाग ने अधिकारियों को संवेदनशील इलाकों में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं।

जॉर्डन में 2 सैनिकों की मौत से भड़का अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच जारी सैन्य संघर्ष लगातार और गंभीर होता जा रहा है। अमेरिकी सेना के सेंट्रल कमांड ने घोषणा की है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्देश पर अमेरिकी सेना ने ईरान के खिलाफ एक और बड़े हवाई अभियान की शुरुआत कर दी है। अमेरिका का आरोप है कि शुक्रवार रात जॉर्डन में अमेरिकी सैनिकों पर हुए बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन हमलों के पीछे आईआरजीसी का हाथ था। अमेरिकी सेना ने बताया कि 17 जुलाई को जॉर्डन में ईरानी हमलों के दौरान दो अमेरिकी सैनिक मारे गए, जबकि एक सैनिक लापता है। सेंटकाम ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, इन हमलों का उद्देश्य होर्मुज स्ट्रेट में वाणिज्यिक जहाजों को खतरा पहुंचाने की ईरान की क्षमता को और कमजोर करना है। इसके साथ ही, कल रात जॉर्डन में अमेरिकी सैनिकों पर हमला करने वाले इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के बलों को तुरंत और कड़ा सबक सिखाना है।

फीफा वर्ल्ड कप फाइनल देखेंगे स्पेन के प्रधानमंत्री

वाशिंगटन। फीफा मेन्स फुटबॉल वर्ल्ड कप को लेकर दुनियाभर में जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है। स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज भी फीफा वर्ल्ड कप का फाइनल मैच देखने स्टेडियम जाने वाले हैं। वो रविवार को अमेरिका के लिए रवाना हो गए। इस महामुकाबले में स्पेन का सामना अर्जेंटीना से होने जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, स्पेनिश प्रशासन के एक प्रतिनिधि ने पुष्टि की है कि सांचेज इस फाइनल मैच के दौरान स्टेडियम में मौजूद रहेंगे। इससे पहले स्पेन के शाही परिवार ने भी पुष्टि की थी कि वो न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम के वीआईपी बॉक्स से फीफा का फाइनल मैच देखेंगे। फीफा मेन्स फुटबॉल वर्ल्ड कप के फाइनल मैच में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी स्टेडियम में मौजूद रहेंगे। यूरोपीय संघ में स्पेनिश प्रधानमंत्री सांचेज, ट्रंप के सबसे बड़े आलोचकों में से एक हैं। ऐसे में स्टेडियम में दोनों नेताओं का आमना-सामना काफी दिलचस्प हो सकता है। पिछले कुछ महीनों के दौरान स्पेन और अमेरिका के बीच राजनीतिक दूरियां काफी बढ़ गई हैं। स्पेनिश पीएम पेड्रो सांचेज लगातार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की विदेश नीतियों की आलोचना करते रहे हैं।

'खून का बदला खून'

तेहरान में लगे खौफनाक पोस्टर, ताबूत में दिखाया ट्रंप का परिवार

तेहरान

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच तेहरान में एक ऐसा सरकारी समर्थित होर्डिंग लगाया गया है, जिसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई बहस छेड़ दी है। राजधानी तेहरान के फिलिस्तीन स्क्वायर में लगाए गए इस विशाल होर्डिंग में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, उनकी पत्नी मेलानिया ट्रंप और उनके बच्चों को अमेरिकी झंडे से ढके ताबूतों के ऊपर दिखाया गया है। इसके साथ बड़े अक्षरों में लिखा है- खून का बदला खून। रिपोर्ट के मुताबिक यह होर्डिंग अमेरिका और इजरायल के उन हमलों के जवाब के रूप में देखा जा रहा है, जिनमें ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई और उनके परिवार के कई सदस्य मारे गए थे। होर्डिंग में व्हाइट हाउस की पृष्ठभूमि का इस्तेमाल करते हुए ट्रंप परिवार को सीधे निशाने पर दिखाया गया है। अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति और उनके पूरे परिवार को सीधे जान से मारने की धमकी देने वाली यह ईरान की ओर से अब तक की सबसे सीधी और आक्रामक चेतावनी है। यह अकेला पोस्टर नहीं है। हाल के दिनों में तेहरान के अलग-अलग हिस्सों में कई ऐसे पोस्टर और भित्तिचित्र बनाए गए हैं, जिनमें अमेरिका के खिलाफ तीखे संदेश दिए गए हैं। एक अन्य पोस्टर में ट्रंप को खुले काले ताबूत में लेटा हुआ दिखाया गया है, जिसके ऊपर अंग्रेजी और फारसी भाषा में हम ट्रंप को मार डालेंगे लिखा गया है। ताबूत पर नीचे सफेद रंग से लिखा है मिनाब के बच्चों की याद में, जो उस ईरानी शहर का संदर्भ है जहां अमेरिकी हमले में एक प्राइमरी स्कूल की चपेट में आने से कई बच्चों की मौत हो गई थी। वहीं, कुछ अन्य पोस्टरों में ट्रंप के चेहरे को बंदूक की क्रॉसहेयर (निशाने) में दिखाया गया है। इसके साथ ही, हाल ही में 71 वर्ष की आयु में दम तोड़ने वाले वरिष्ठ अमेरिकी रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम के नाम के नीचे लिखा गया है- अगला कौन? फिलिस्तीन स्क्वायर स्थित जिस इमारत पर यह पोस्टर लगाया गया है, उसका इस्तेमाल लंबे समय से अमेरिका और इजरायल के खिलाफ सरकारी संदेशों के प्रदर्शन के लिए किया जाता रहा है। यहां अक्सर ईरान समर्थक समूह फिलिस्तीनी और हिज्बुल्लाह के झंडों के साथ प्रदर्शन भी करते हैं। डोनाल्ड ट्रंप पहले ही कह चुके हैं कि यदि ईरान उनकी हत्या की किसी भी कोशिश में शामिल पाया गया, तो अमेरिका की प्रतिक्रिया बेहद विनाशकारी होगी। दूसरी ओर, खामेनेई की मौत के बाद ईरानी नेताओं और सरकारी समर्थक मीडिया की ओर से लगातार बदले की बात कही जा रही है। उनके उत्तराधिकारी आयतुल्ला मोजतबा खामेनेई ने भी कहा है कि जिम्मेदार लोग अपने बिस्तर पर भी शांतिपूर्वक नहीं मरेंगे। हालांकि, इस पोस्टर को लेकर ईरानी सरकार की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। वहीं, अमेरिका की तरफ से भी इस पर तत्काल प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

डस्टबिन में गया इस्लामाबाद एमओयू

ईरान का ऐलान- हम भी नहीं मानते कोई कमिटमेंट

नई दिल्ली

ईरान और अमेरिका के बीच हुआ शांति समझौता शनिवार को आखिरकार पूरी तरह से खत्म हो गया है। पाकिस्तान की सरपंची में हुई इस्लामाबाद रूश के नाम से चर्चित इस समझौते का चैप्टर अब पूरी तरह से बंद हो गया है। पाकिस्तान ने इस समझौते को लेकर दुनिया भर में वाहवाही लूटने की कोशिश की थी और खुद को शांति का बड़ा पैरोकार बता रहा था। लेकिन अब ईरान ने साफ-साफ कह दिया है वो इस समझौते के किसी भी नियम का पालन नहीं कर रहा है। इस तरह ईरान ने पहली बार कहा है कि इस्लामाबाद समझौता खत्म हो गया है और वे इस समझौते के किसी भी क्लॉज का पालन नहीं कर रहे हैं। ईरान के उप विदेश मंत्री काज़ेम ग़रीबाबादी ने कहा है कि असल में अमेरिका ने सभी वादों को तोड़ा है और रूश को पूरी तरह से बेकार साबित कर दिया है। इस्लामाबाद एमओयू पर 18 जून को समझौता हुआ था। शनिवार 18 जुलाई को 30 दिन बाद ये समझौता डस्टबिन में चला गया। ईरान ने अमेरिका पर इस समझौते के सभी पहलुओं को तोड़ने का आरोप लगाते हुए कहा कि ईरान भी अब समझौते का पालन नहीं कर रहा है। समझौते के तहत दोनों पक्षों ने कुछ विश्वास-निर्माण उपायों, कूटनीतिक संपर्क बढ़ाने और भविष्य की वार्ताओं के लिए रूपरेखा पर सहमति जताई। पाकिस्तान ने इसे अपनी कूटनीतिक सफलता के रूप में पेश किया। यह समझौता अमेरिका-ईरान युद्धविराम, होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की सुरक्षित आवाजाही और आगे 60 दिनों के भीतर व्यापक समझौते की रूपरेखा पर आधारित था। लेकिन जुलाई की शुरुआत से ही इसमें दरारें दिखने लगीं। सबसे पहले होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही और उसके नियंत्रण को लेकर दोनों देशों की अलग-अलग व्याख्याएं सामने आई। होर्मुज स्ट्रेट में जो जहाज ओमानी जल क्षेत्र से होकर गुजर रहे थे ईरान ने उन पर हमला करना शुरू कर दिया, ईरान ने कहा कि होर्मुज से जहाज उसके द्वारा तय रास्ते से ही गुजर सकते हैं। लेकिन कई जहाज होर्मुज से ओमान की ओर से गुजर रहे थे। ईरानी हमले पर अमेरिका ने तीखा प्रतिक्रिया दी और ईरानी नौसेना और उसके जहाजों पर हमला करना शुरू कर दिया।

नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने लौटाई सुरक्षा

जयपुर। मानसून सत्र से पहले राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के प्रमुख और नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने अपनी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर राजस्थान पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। बेनीवाल ने सुरक्षा में तैनात एक पुलिसकर्मी को वापस रिजर्व पुलिस लाइन भेज दिया और दावा किया कि उनकी सुरक्षा के साथ लगातार खिलवाड़ किया जा रहा है। उन्होंने इस पूरे मामले को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखकर दखल देने की मांग की है। बेनीवाल ने आरोप लगाया कि नागौर में जिम्मेदार पुलिस अधिकारी जानबूझकर गंभीर बीमारियों से जूझ रहे पुलिसकर्मियों को उनकी सुरक्षा ड्यूटी पर लगा रहे हैं। हनुमान बेनीवाल का कहना है कि यह केवल सुरक्षा में लापरवाही नहीं, बल्कि किसी संभावित घटना की स्थिति में उन्हें बदनाम करने की सुनियोजित साजिश है। अपने पत्र में सांसद ने तीन पुलिसकर्मियों का भी जिक्र किया है। उन्होंने लिखा कि कॉन्स्टेबल सुनील बिश्नोई की तबीयत सुरक्षा ड्यूटी के दौरान बिगड़ गई, जिन्हें उन्होंने खुद जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल पहुंचाया। वहीं कांस्टेबल सर्ववीर जाखड़ को भी स्वास्थ्य खराब होने पर अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा और बाद में जोधपुर रेफर किया गया। इसके अलावा एक अन्य कॉन्स्टेबल सीताराम भी अस्वस्थ बताए गए हैं। बेनीवाल ने यह भी दावा किया कि पहले राजस्थान पुलिस की इंटेलिजेंस रिपोर्ट के आधार पर उन्हें पुलिस एस्कॉर्ट सहित सुरक्षा दी गई थी, लेकिन बाद में बिना कोई कारण बताए सुरक्षा हटा दी गई। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर उन्हें पहले खतरा था तो आज तक यह नहीं बताया गया कि खतरा किससे था, और जब सुरक्षा हटाई गई तो यह भी नहीं बताया गया कि आखिर क्यों हटाई गई। क्या अब उनकी जान को कोई खतरा नहीं है?

आजम खान की जौहर यूनिवर्सिटी पर चलेगा बुलडोजर

सहारनपुर। एआईएमआईएम के अध्यक्ष और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने शनिवार को सहारनपुर दौरे के दौरान जौहर यूनिवर्सिटी के मुद्दे पर उत्तर प्रदेश सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि यह केवल एक विश्वविद्यालय का मामला नहीं, बल्कि मुस्लिम समाज की शिक्षा और भविष्य से जुड़ा सवाल है। उन्होंने आरोप लगाया कि अगर संस्थान को नुकसान पहुंचाया जाता है तो इसका सीधा असर हजारों छात्रों की पढ़ाई पर पड़ेगा। ओवैसी ने कहा कि उनकी पार्टी लगातार लोगों के अधिकारों और शिक्षा से जुड़े मुद्दों को उठाती रही है। उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश में मुस्लिम आबादी करीब 19 से 20 प्रतिशत है, लेकिन उच्च शिक्षा में उनकी भागीदारी बेहद कम है। ओवैसी के मुताबिक यूपी में लगभग 3.5 से 3.7 प्रतिशत मुसलमान ही स्नातक हैं, जबकि मुस्लिम समुदाय की साक्षरता दर भी करीब 53 से 54 प्रतिशत के आसपास है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम महिलाओं की शिक्षा की स्थिति इससे भी अधिक चिंताजनक है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि बीजेपी नहीं चाहती कि मुसलमानों के बच्चे तालीम हासिल करें, इसलिए वो जौहर यूनिवर्सिटी को तोड़ना चाहती है। ओवैसी ने कहा कि जौहर यूनिवर्सिटी में करीब 3 हजार छात्र अध्ययन कर रहे हैं। अगर किसी प्रकार की कानूनी या प्रशासनिक समस्या है तो उसका समाधान नियमों के तहत निकाला जा सकता है, लेकिन छात्रों की पढ़ाई बाधित नहीं होनी चाहिए। ओवैसी ने कहा कि शिक्षा किसी भी समाज की तरक्की की सबसे मजबूत नींव होती है और सरकारों का दायित्व शैक्षणिक संस्थानों को मजबूत करना है, न कि उन्हें विवादों में उलझाकर छात्रों का भविष्य प्रभावित करना। उन्होंने कहा कि एआईएमआईएम का मकसद समाज में स्वतंत्र राजनीतिक नेतृत्व तैयार करना है। संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर का जिक्र करते हुए ओवैसी ने कहा कि उनसे भी कभी जनप्रतिनिधियों की भूमिका को लेकर सवाल पूछा गया था। ओवैसी के मुताबिक, बाबा साहब ने उस समय टिप्पणी की थी कि कुछ लोग केवल औपचारिकता निभाने के लिए ही बोलते हैं। उन्होंने कहा कि यह बात आज भी राजनीतिक व्यवस्था पर लागू होती है।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

सीने से धनुष लगाए 'रामायण-पार्ट 1' के ट्रेलर लॉन्च में पहुंचे रणबीर कपूर

दिल्ली के भारत मंडपम में 'रामायण-पार्ट 1' का ग्रैंड ट्रेलर लॉन्च हुआ। इस इवेंट का नाम 'प्रथम संकल्प' था। इवेंट में फिल्म की पूरी कास्ट पहुंची। हर तरफ इस इवेंट की चर्चा है। इवेंट में रणबीर कपूर की एंट्री ने दिल जीत लिया। इवेंट में बाबा रामदेव से लेकर कुमार विश्वास तक नजर आए। बता दें कि फिल्म का ट्रेलर अभी रिलीज नहीं किया गया है। 24 जुलाई को ट्रेलर रिलीज किया जाएगा। रणबीर कपूर ब्लैक कलर के बंद गला सूट में दिखे। उन्होंने धनुष की डिजाइन वाला ब्रोच भी लगाया हुआ था। रणबीर इस इवेंट में काला चश्मा लगाकर पहुंचे थे। उन्होंने पूरे समय काला चश्मा लगाया हुआ था। रणबीर ने इसके पीछे की वजह भी बताई। रणबीर ने इवेंट में कहा, नमस्कार, सबसे पहले तो मैं ये एक चीज कहना चाहूंगा कि ये काला चश्मा पहनने के लिए मैं सबसे क्षमा मांगता हूं। मेरी आंखों में इंफेक्शन हुआ है। आज इस शुभ अवसर पर मेरे दिल में सिर्फ प्यार ही प्यार है। तो प्लीज बुरा मत मानिएगा। यश फिल्म में रावण के रोल में हैं। इवेंट में यश ने सरप्राइज एंट्री ली। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि ये इंडिया का सपना है। हम सब एक साथ आए हैं। इस फिल्म से जो भी जुड़ा है वो एक ही विजन के साथ थे कि हमारी इस स्टोरी को ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर लेकर जाएं। हम सब अपने-अपने सारे इंटरेस्ट साइड रखकर सिर्फ एक ही इंटरेस्ट है कि प्रभु श्री राम की स्टोरी को ग्लोबल ऑडियंस तक ले जाएं और अपने इस देश में सेलिब्रेट करें। इवेंट में रवि दुबे ने कहा, श्रीराम ने आदरणीय नमित जी को चुना। नमित जी ने नितेश जी को चुना। मेरे भाई रणबीर भाई जो श्रीराम का पात्र कर रहे हैं उन्हें चुना। माते साई को चुना मां सीता के रोल के लिए। न जाने ये कैसे हो गया कि इतने बड़े नामों में मैं यहां खड़ा हूं। मेरे मां-पापा आ हुए हैं यहां पर। शायद उनके अच्छे कर्म हैं, मेरे पूर्वजों के अच्छे कर्म हैं जो कि मेरा महा सौभाग्य बन गए। मैं इस राम कथा में लक्ष्मण का पात्रा निभा रहा हूं। बहुत धन्यवाद। मैं हाथ जोड़कर जिंदगीभर आप लोगों का ऋणी रहूंगा। रवि ने कहा कि वो रणबीर और साई को राम-सीता की तरह मानते हैं। बता दें कि रामायण दो पार्ट में रिलीज होगी। पहला पार्ट इस दिवाली को रिलीज होगा। दूसरा पार्ट अगले साल दिवाली पर रिलीज होगा। फिल्म में साई पल्लवी मां सीता के रोल में हैं। रणबीर कपूर भगवान राम के रोल में हैं। सनी देओल हनुमान के रोल में हैं। वहीं रवि दुबे लक्ष्मण का किरदार निभा रहे हैं। फिल्म में रकुल प्रीत सिंह, अरुण गोविल भी नजर आएंगे।

मुझे सिर्फ क्रेडिट चाहिए था पैसे नहीं : परेश रावल

साल 2023 में आई सुपरहिट फिल्म ओएमजी-2 एक बार फिर सुर्खियों में आ गई है। फिल्म की कहानी के क्रेडिट को लेकर शुरू हुआ विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। हाल ही में एक पॉडकास्ट में परेश रावल ने दावा किया था कि ओएमजी-2 की कहानी का आइडिया उनका था, लेकिन उन्हें इसका क्रेडिट नहीं दिया गया। इस बयान के बाद फिल्म के को-प्रोड्यूसर अश्विन वर्दे और निर्देशक अमित राय ने परेश रावल के दावों को खारिज कर दिया था। इतना ही नहीं, अश्विन वर्दे ने परेश रावल पर आरोप लगाया कि परेश रावल ने अक्षय कुमार को दरकिनार कर इस फिल्म को अन्य स्टार्स के साथ बनाने की कोशिश की थी। अब इन तमाम आरोपों पर परेश रावल ने खुलकर बात की है। उन्होंने बताया कि उनके और अक्षय कुमार के बीच सब कुछ ठीक है। हिंदुस्तान टाइम्स से खास बातचीत में परेश रावल ने कहा, अरे भैया, अक्षय और मैं भागम भाग 2 में साथ काम कर रहे हैं, जो अश्विन वर्दे की ही फिल्म है। हमने अभी भूत बंगला भी साथ की है। मेरी अक्षय से सच में कोई समस्या नहीं है। आखिर क्यों होगी? परेश ने बताया कि अक्षय कुमार ने उन्हें ओएमजी-2 करने के लिए भी मनाया था, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। परेश ने कहा, मैंने अक्षय से कहा था कि ये सही विषय नहीं है। फिल्म में सेक्स के बारे में बात करने के बीच में भगवान को लाना दर्शकों को हजम नहीं होगा। हालांकि, उन्होंने फिल्म बनाई और वो सफल रही, जिससे मैं खुश हूं। लेकिन मेरी बात आज भी वही है कि उस स्क्रिप्ट में भगवान की जरूरत नहीं थी। फिल्म के निर्देशक अमित राय और निर्माता अश्विन वर्दे के बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए परेश रावल ने कहा कि उनका अमित राय के साथ पुराना रिश्ता है और वो एक मेहनती राइटर हैं। परेश ने कहा, मैंने अमित से एक दिन कहा था कि सेक्स एजुकेशन पर फिल्म बनाई जा सकती है। मैंने एक छोटे लड़के का आइडिया दिया, जो मास्टरबेट करता है। वहीं से बातचीत शुरू हुई। मैंने सुझाव दिया था कि इस विषय पर सही जानकारी के लिए सेक्सोलॉजिस्ट डॉ. प्रकाश कोठारी से भी मिलना चाहिए, क्योंकि इसमें फैक्ट होना जरूरी है। परेश ने आगे कहा, मैं ये नहीं कह रहा कि फिल्म मैंने लिखी है। स्क्रीनराइटर्स एसोसिएशन में लेखक के तौर पर अमित राय का ही नाम दर्ज है, लेकिन जब लोग मिलकर आइडिया शेयर करते हैं, तो उस कॉन्सेप्ट का आइडिया मेरा था। मुझे सिर्फ उसी का क्रेडिट चाहिए था, पैसे नहीं। मैंने कभी ये नहीं कहा कि अमित ने फिल्म नहीं लिखी। परेश रावल ने उन अफवाहों पर भी विराम लगाया जिनमें कहा गया था कि उन्होंने ज्यादा फीस की मांग की थी। उन्होंने कहा, अगर मुझे पैसे से प्यार होता, तो मैं फिल्म कर लेता ना? फिल्म मैंने नहीं, अमित ने लिखी है। मान लीजिए मैंने अमित को 50 आइडिया दिए और उन्होंने 49 रिजेक्ट कर दिए, लेकिन जो एक उन्हें पसंद आया, उसके लिए आप उदार तो हो ही सकते हैं ना? अंत में परेश रावल ने साफ किया कि वो अश्विन की बातों का बुरा नहीं मानते हैं और अमित के लिए उनके दिल में बहुत प्यार है। दरअसल, विवेक ललवानी को दिए इंटरव्यू में परेश रावल ने दावा किया है कि ओएमजी 2 असल में उस आइडिया पर आधारित थी, जिसे उन्होंने डायरेक्टर अमित राय के साथ मिलकर तैयार किया था, लेकिन अक्षय कुमार के जुड़ने के बाद इसमें काफी बदलाव किए गए और उन्हें आइडिया का क्रेडिट नहीं मिला।

स्कूलों में आयोजित किए जाएं जागरूकता संबंधी कार्यक्रमः मप्र राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य श्रीमती गुप्ता

जिले में बाल अधिकारों से जुड़े स्टेक होल्डर्स की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक सम्पन्न

नरसिंहपुर। मध्यप्रदेश राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य श्रीमती अर्चना गुप्ता की अध्यक्षता में जिले में बाल अधिकारों से जुड़े स्टेक होल्डर्स की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में बच्चों के अधिकारों की स्थिति, शाला त्यागी बच्चों, छात्रावासों, मेधावी छात्र योजना, निःशुल्क साइकिल, पाठ्य पुस्तक एवं गणवेश वितरण सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा की गई। श्रीमती गुप्ता ने निर्देश दिए कि स्कूलों में बच्चों को बाल अधिकारों, गुड टच-बैड टच और उनसे जुड़े कानूनी प्रावधानों के बारे में जागरूक करने के लिए नियमित अंतराल पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। उन्होंने जर्जर स्कूल भवनों, बालक-बालिकाओं के लिए शौचालयों की उपलब्धता और उनकी स्थिति पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

बैठक में बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष श्री शिवकुमार रैकवार, सदस्य श्री राजेंद्र राजपूत, श्री महेश नेमा, श्रीमती दिव्या नेमा, श्रीमती प्रिया चौहान, किशोर न्याय बोर्ड की सदस्य श्रीमती प्रवीणा गोस्वामी एवं रश्मि मेहरा, जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्री राधेश्याम वर्मा, जिला श्रम पदाधिकारी सुश्री दामिनी सिंह, अनुसूचित जाति एवं जनजातीय कार्य विभाग की सुश्री निशा जैन, सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग सुश्री प्रांजली मर्सकोले तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान आंगनवाड़ी केंद्रों की स्थिति, शासकीय एवं किराए के भवनों में संचालित केंद्रों, शौचालय सुविधा, टीएचआर वितरण, स्वास्थ्य परीक्षण, मंगल दिवस गतिविधियों और कुपोषण की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई।

इसके साथ ही किशोर न्याय बोर्ड में पैरालीगल वालेंटियर्स की संलग्नता, पॉक्सो पीड़ितों के लिए सपोर्ट पर्सन, संप्रेक्षण गृह में शिक्षा एवं कौशल विकास प्रशिक्षण तथा बालकों के पुनर्वास संबंधी व्यवस्थाओं की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए गए। श्रम विभाग द्वारा बाल श्रमिकों एवं संकटग्रस्त बच्चों के रेस्क्यू तथा अनुसूचित जाति एवं जनजातीय कार्य विभाग के छात्रावासों में उपलब्ध सुविधाओं की भी जानकारी ली गई।

निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

बैठक के पश्चात श्रीमती अर्चना गुप्ता ने विभिन्न शासकीय एवं अशासकीय संस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने अनुसूचित जाति एवं जनजातीय कार्य विभाग के अंतर्गत संचालित वीरांगना रानी दुर्गावती शासकीय सीनियर जनजातीय कन्या छात्रावास, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित राजदाधा बाल गृह तथा शासकीय संप्रेक्षण गृह का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बच्चों के पुनर्वास एवं संरक्षण से संबंधित अभिलेखों का अवलोकन किया। बच्चों की व्यक्तिगत केस फाइल, सामाजिक अन्वेषण रिपोर्ट, मेडिकल रिपोर्ट और पुनर्वास योजनाओं की जांच कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

करीब 500 स्टैगर्ड कंटूर ट्रेंच एससीटी का निर्माण किया गया

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। जिले की ग्राम पंचायत रानी पिपरिया में सिंगरी नदी स्थित माता मंदिर के समीप लगभग 5 एकड़ शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाकर उसे जल एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए विकसित किया जा रहा है। इस परिसर में वर्षा जल संरक्षण एवं भू-जल संवर्धन के उद्देश्य से लगभग 500 स्टैगर्ड कंटूर ट्रेंच-एससीटी का निर्माण कराया गया है। एससीटी निर्माण के पश्चात परिसर में प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल द्वारा पौधरोपण किया गया। पौधों की सुरक्षा एवं परिसर के संरक्षण के लिए संपूर्ण क्षेत्र में तार फेंसिंग का कार्य भी कराया जा रहा है। इस पहल से वर्षा जल का अधिकतम संचयन, भू-जल स्तर में वृद्धि, मिट्टी के कटाव की रोकथाम तथा क्षेत्र में हरित आवरण बढ़ाने में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी। साथ ही अतिक्रमण मुक्त शासकीय भूमि का जनहित एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए बेहतर उपयोग सुनिश्चित किया जा रहा है।

सतीश तेईसवीं बार आकाशवाणी पर

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। सरस नाम से चर्चित मोहद के गीतकार सतीश कुमार तिवारी की बुन्देली रचनायें 23 जुलाई 2026 को आकाशवाणी जबलपुर के कृषिजगत् कार्यक्रम अन्तर्गत सायं 7.20 बजे प्रसारित होंगी इससे पूर्व सरस की रचनायें आकाशवाणी जबलपुर के कलामेशायर कार्यक्रम में ग्यारह बार,काव्यरस में तीन बार,कृषिजगत् में सात बार एवं आकाशवाणी छिन्दवाड़ा के शब्दचित्र कार्यक्रम में एक बार प्रसारित हो चुकी हैं इस प्रसारण पर उनके इष्ट मित्रों व स्वजनों ने हार्दिक शुभकामनाएँ दीं हैं।

ई-केवायसी व योजनाओं के पंजीयन के लिए 20 जुलाई को लगने वाले शिविर

शहरी वार्डों एवं ग्राम पंचायतों में लगाए जाएंगे शिविर

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

जिले में विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक पहुंचाने तथा पात्र हितग्राहियों की ई-केवायसी, समग्र ई-केवायसी एवं विभिन्न योजनाओं के लंबित पंजीयन कार्यों को पूर्ण करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशानुसार 20 जुलाई को जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। शहरी क्षेत्र में 20 जुलाई को नगर पालिका गाडरवारा के जगदीश वार्ड व विवेकानंद वार्ड और नगर पालिका नरसिंहपुर के बजरंग वार्ड व पटेल वार्ड में शिविर आयोजित किए जाएंगे। इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्र में 20 जुलाई को जिले की जनपद पंचायत करेली की ग्राम पंचायत कुम्हड़ी, कुम्हरोड़ा, माचामउ, मानेगांव व मिढ़ली, जनपद पंचायत नरसिंहपुर की ग्राम पंचायत जरजोला, झामर, झिरीखुर्द, कल्याणपुर व करहैया-बम्हई, जनपद पंचायत चीचली की ग्राम पंचायत खमरिया, खंचारी, कुड़ारी, मगरमुहां व माल्हनवाड़ा, जनपद पंचायत गोटेगांव की ग्राम पंचायत कंजई, खापखेड़ा, करेली कलां, करकबेल व पटकुही, जनपद पंचायत सांईखेड़ा की ग्राम पंचायत नरवारा, निवारी, निवावर, पलोहाबड़ा व पीरपानी और जनपद पंचायत चांवरपाठा की ग्राम पंचायत हीरापुर, इमलिया-क., इमझिरी व इमलिया नौरंगपुर में शिविर लगाए जाएंगे। शिविरों के दौरान नागरिकों की ई-केवायसी एवं समग्र ई-केवायसी, डुप्लीकेट, मृतक एवं स्थायी रूप से पलायन कर चुके व्यक्तियों के नाम विलोपित करने की कार्रवाई तथा एक आधार से लिंक एकाधिक समग्र आईडी का निराकरण किया जाएगा।

ग्रामीण क्षेत्रों में यह कार्य पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के जीआरएस तथा शहरी क्षेत्रों में नगरीय प्रशासन के माध्यम से किया जाएगा। इसके अलावा पटवारियों द्वारा किसानों का यूनिक फार्मर आईडी पंजीयन, पोस्टमैन के माध्यम से आधार कार्ड अपडेट, आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा आयुष्मान कार्ड निर्माण तथा आजीविका मिशन के माध्यम से प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के आवेदन भी भरवाए जाएंगे।

जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु आनलाइन आवेदन प्रारंभ

उमरिया (स्वतंत्रमत)। प्राचार्य जवाहर नवोदय विद्यालय ने बताया कि सत्र 2027-28 में जवाहर नवोदय विद्यालय की कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु आयोजित होने वाली नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा 28 नवंबर को आयोजित होगी। परीक्षा हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ हो चुके है, इसमें उमरिया जिले के मूल निवासी एवं जिले में कक्षा 5वीं में अध्ययनरत छात्र वेबसाइट पर अधिक जानकारी प्राप्त कर अंतिम तिथि 31 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

युवा संगम कार्यक्रम का आयोजन 20 जुलाई को नरसिंहपुर में

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। जिला रोजगार अधिकारी नरसिंहपुर ने बताया कि रोजगार, स्वरोजगार व अप्रेंटिसशिप मेला के अवसर पर बेरोजगार शिक्षित युवक- युवतियों को रोजगार प्रदान करने के उद्देश्य से युवा संगम कार्यक्रम का आयोजन जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में सोमवार 20 जुलाई को प्रातः 10.30 से शासकीय श्याम सुंदर नारायण मुशरान महिला महाविद्यालय नरसिंहपुर में किया जायेगा। कार्यक्रम में शासन की विभिन्न स्वरोजगार मूलक योजनाओं के ऋण वितरण पत्र जारी किये जायेंगे तथा स्वरोजगार मूलक योजनाओं के बारे में जानकारी दी जायेगी। इसके साथ- साथ विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा अभ्यर्थियों का चयन कर निजी प्रतिष्ठित कम्पनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। इच्छुक आवेदक अपने समस्त दस्तावेजों के साथ कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित होकर इस अवसर का लाभ लें। इसके अलावा जिले के विभिन्न निजी क्षेत्र के नियोक्ता जिन्हें अपनी कम्पनी शोरूम/ होटल एवं अन्य प्रतिष्ठित निजी संस्थानों के लिए कर्मचारियों की आवश्यकता है, तो वह भी मेला स्थल पर अपना स्टाल लगाकर आवश्यकतानुसार चयन कर जिला स्तर पर बेरोजगार युवक/ युवतियों का चयन कर उनको रोजगार उपलब्ध करा सकते हैं।

सड़क हादसे में महिला की मौत

उमरिया (स्वतंत्रमत)। थाना पाली अंतर्गत ग्राम मुदरिया में शनिवार की शाम 5.30 बजे एक दुखद दुर्घटना हो गई । बताया जाता है कि छादा निवासी एक महिला अपने लड़के के साथ शहडोल जा रही थी, गाड़ी के सामने कुत्ता आ जाने से गाड़ी अनबैलेंस हो गई और महिला रोड पर गिर गई। घटना में महिला का सिर सर फट गया । काफी ज्यादा खून निकलने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। एंबुलेंस के माध्यम से महिला को अस्पताल भिजवाया गया।

जिला न्यायालय नरसिंहपुर में विशेष लोक अदालत का आयोजन

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के आदेशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नरसिंहपुर श्री अखिलेश शुक्ला के निर्देशन में एन.आई.ए. की धारा 138 के प्रकरणों के निराकरण हेतु विशेष लोक अदालत का आयोजन जिला न्यायालय नरसिंहपुर में पीठासीन अधिकारी/जे.एम.एफ.सी. श्रीमती सीमा धाकड़, सिविल कोर्ट गाडरवारा में पीठासीन अधिकारी/जे.एम.एफ.सी. श्री अजय सिंह यादव, सिविल कोर्ट गोटेगांव में सुश्री साक्षी शुक्ला एवं सिविल कोर्ट तेंदूखेड़ा में पीठासीन अधिकारी/जे.एम.एफ.सी. श्री शिव कांत कुशवाहा की उपस्थिति में किया गया। उक्त विशेष लोक अदालत में गठित कुल 04 खंडपीठों में जिले से रैफर्ड कुल 48 प्रकरणों में से 33 प्रकरणों का पक्षकारों के राजीनामा के आधार पर निराकरण किया कर 7905359 राशि का अवार्ड पारित किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से सचिव दिनेश मीणा, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री राजेश कुमार सक्सेना की उपस्थिति रही।

मानव-हाथी संघर्ष रोकने वनकर्मियों ने प. बंगाल में सीखी हाथी प्रबंधन की आधुनिक तकनीक

उमरिया (स्वतंत्रमत) - बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में मानव-हाथी संघर्ष कम करने के लिए मध्य प्रदेश वन विभाग के 30 कर्मियों ने पश्चिम बंगाल में छह दिवसीय विशेष प्रशिक्षण लिया। प्रशिक्षण में हाथी प्रबंधन, व्यवहार अध्ययन, मॉनिटरिंग और संघर्ष रोकथाम की आधुनिक तकनीकें सिखाई गईं। वन विभाग को उम्मीद है कि इससे हाथियों के बेहतर प्रबंधन और ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में जंगली हाथियों की बढ़ती मौजूदगी और उनसे जुड़े मानव-हाथी संघर्ष की चुनौतियों के बीच वन विभाग ने प्रबंधन को और प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इसी क्रम में मध्य प्रदेश वन विभाग के 30 वन कर्मियों ने पश्चिम बंगाल में आयोजित छह दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेकर जंगली हाथी प्रबंधन एवं मानव-हाथी द्वंद्व रोकथाम की आधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व का प्रतिनिधित्व वनरक्षक लवकेश प्रसाद कुशवाहा, धीरेंद्र शुक्ल, कैलाश चौधरी, लवकेश गुप्ता एवं रवि कुमार वर्मा ने किया।

सभी प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण के दौरान हाथियों के व्यवहार, उनके प्रबंधन और संघर्ष की परिस्थितियों से निपटने के विभिन्न पहलुओं का गहन अध्ययन किया। उत्तरी पश्चिम बंगाल देश के उन क्षेत्रों में शामिल है, जहां मानव-हाथी संघर्ष लंबे समय से एक गंभीर चुनौती बना हुआ है। ऐसे में वहां विकसित की गई प्रबंधन प्रणालियां और तकनीकें देशभर के वन विभागों के लिए उपयोगी मानी जाती हैं। प्रशिक्षण के दौरान वन कर्मियों को हाथियों को आबादी वाले क्षेत्रों से सुरक्षित रूप से जंगल की ओर वापस भेजने के ऑपरेशन, ट्रांसेक्ट सर्वे, गोबर विश्लेषण के माध्यम से मॉनिटरिंग, हाथियों के व्यवहार की पहचान, कैम्प हाथियों के प्रबंधन और उनकी शारीरिक संरचना के आधार पर प्रोफाइलिंग जैसी महत्वपूर्ण विधियों का प्रायोगिक अनुभव दिया गया। प्रशिक्षण की एक विशेष उपलब्धि यह रही कि प्रतिभागियों को गोरुमारा, कर्सिओंग, बैकुंठपुर और जलपाईगुड़ी वन मंडलों के आईएफएस अधिकारियों, वन अमले, वाइल्डलाइफ स्क्वाड, क्विक रिस्पॉन्स टीम और स्थानीय समुदाय के प्रतिनिधियों के साथ सीधे संवाद का अवसर मिला। इस दौरान मानव-हाथी संघर्ष की स्थिति में कानून व्यवस्था बनाए रखने, स्थानीय समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करने तथा आपात परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया देने की रणनीतियों पर विस्तृत चर्चा की गई। गौरतलब है कि बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में पिछले लगभग आठ वर्षों से जंगली हाथियों का नियमित विचरण बना हुआ है। अब यह क्षेत्र हाथियों के लिए एक स्थायी आवास के रूप में विकसित हो चुका है, जो यहां के स्वस्थ पारिस्थितिकीय तंत्र का संकेत माना जाता है। हालांकि हाथियों की बढ़ती गतिविधियों के कारण रिजर्व से लगे गांवों में फसल नुकसान और मानव-हाथी संघर्ष की घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है।

वन विभाग का मानना है कि इस अंतरराज्यीय प्रशिक्षण से प्राप्त अनुभव और तकनीकी ज्ञान भविष्य में बांधवगढ़ क्षेत्र में हाथियों के बेहतर प्रबंधन, ग्रामीणों की सुरक्षा तथा मानव-हाथी संघर्ष को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे वन्यजीव संरक्षण और स्थानीय समुदायों के बीच संतुलन स्थापित करने की दिशा में भी सकारात्मक परिणाम मिलने की उम्मीद है।

राज्य परियोजना प्रबंधक ने किया निरीक्षण

मण्डला/नारायणगंज(स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन एमपीएसआरएलएम के राज्य परियोजना प्रबंधक मनीष पवार ने नारायणगंज विकासखंड का भ्रमण कर स्वयं सहायता समूहों एवं आजीविका गतिविधियों का भौतिक सत्यापन किया। इस दौरान उन्होंने समूहों के कार्यों की समीक्षा कर महिलाओं को आजीविका गतिविधियों के विस्तार और बेहतर संचालन के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया। भ्रमण के दौरान श्री पवार ने ग्राम टिकरिया स्थित मां रेवा एग्रो प्रोसेसिंग इकाई का निरीक्षण किया। उन्होंने इकाई के संचालन उत्पादन व्यवस्था एवं आजीविका संवर्धन से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी ली तथा समूह द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए गतिविधियों को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के सुझाव दिए। वहीं ग्राम चिरईडोंगरी में आयोजित मां रिद्धि-सिद्धि स्वयं सहायता समूह की बैठक में शामिल होकर समूह का भौतिक एवं ऑनलाइन सत्यापन किया। इस दौरान उन्होंने समूह की प्रत्येक सदस्य से संवाद कर उनकी वर्तमान स्थिति समूह की सक्रियता तथा सदस्यों के जुड़ाव की जानकारी प्राप्त की। साथ ही समूह के अभिलेखों का मिलान कर बैठक बचत आजीविका गतिविधियों एवं समूह संचालन की विस्तृत समीक्षा की राज्य परियोजना प्रबंधक ने समूह की महिलाओं से नियमित बैठकें आयोजित करने अभिलेखों का अद्यतन संधारण करने तथा आयवर्धक गतिविधियों का विस्तार करने का आव्हान किया उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूह ग्रामीण महिलाओं के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम हैं और इनके सफल संचालन से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिल रही है।

महाराणा प्रताप शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में दिलाई नशामुक्ति की शपथ

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

भारत सरकार द्वारा संचालित नशे से दूरी है ज़रूरी जनजागरूकता अभियान के अंतर्गत महाराणा प्रताप शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाडरवारा में नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों एवं महाविद्यालय के समस्त फैकल्टी सदस्यों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई गई तथा नशामुक्ति पर आधारित एक प्रेरणादायक लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया।

कार्यक्रम का संचालन गणित विभाग एवं छात्र मानसिक स्वास्थ्य विभाग के प्रभारी डॉ. पंकज शर्मा द्वारा किया गया। उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज के लिए अत्यंत घातक है। उन्होंने सभी को यह संकल्प दिलाया कि वे जीवन में किसी भी प्रकार का नशा नहीं करेंगे तथा दूसरों को भी नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जवाहरलाल शुक्ला ने की। उन्होंने विद्यार्थियों एवं समस्त फैकल्टी सदस्यों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए स्वस्थ, जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया तथा भारत सरकार के इस अभियान को जन-जन तक पहुँचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में भौतिकी विभाग के डॉ. सुनील शर्मा, जूलॉजी विभाग की डॉ. अर्चना शर्मा सहित महाविद्यालय के अनेक प्राध्यापक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। सभी ने सामूहिक रूप से नशामुक्त भारत के निर्माण में सक्रिय सहभागिता निभाने का संकल्प लिया।

प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश राजेश कुमार तिवारी द्वारा आरोपी को 5 वर्ष के कठोर कारावास की सजा

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। विगत दिवस प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश राजेश कुमार तिवारी ने हत्या के प्रयास के आरोपी को 5 पांच वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई वही अन्य तीन आरोपियों को जुर्माने से दंडित किया । मामला इस प्रकार है कि थाना तेंदूखेड़ाअंतर्गत तेंदूखेड़ा में दिनांक 8/06/25 की सुबह को फरियादी भूरे उर्फ जितेन्द्र अग्रवाल देवेन्द्र सेन को सूरजकुंड नर्मदा नदी जाने के लिये बुलाने हेतु उसके घर गया था तभी बुद्धु भाईजान व उसके तीनों लड़के गोलू ,आसिफ आकिब गाड़ी से लाठी ड़ंडा लेकर आये तथा देवेन्द्र सेन के घर में घुसकर पुराने विवाद को लेकर देवेन्द्र सेन के साथ मारपीट करने लगे, जिसकी रिपोर्ट पर थाना तेंदूखेड़ा द्वारा अभियुक्त बुद्धु भाईजान ,आसिफ, गोलू एवं आकिब भाईजान के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना में चिकित्सक के अभिमत के आधार पर प्रकरण में धारा 109(1)बी.एन.एस. के अपराध की वृद्धि की गयी तदोपरान्त अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। प्रकरण में आयी साक्ष्य एवं अपर लोक अभियोजक के तर्को से सहमत होते हुये न्यायालय ने आरोपी आकिब कुरेशी को धारा 109(1) बी.एन.एस. में दोषी मानते हुये पांच वर्ष के कठोर कारावास एवं 3000/-रु के अर्थ दंड से दंडित किया वही प्रकरण के अन्य तीन आरोपियों नूर मोहम्मद उर्फ बुद्धु कुरैशी ,जावेद उर्फ गोलू कुरैशी एवं आसिफ कुरैशी को धारा 115(2)/3(5) में 2000/- रु -2000/- रु के अर्थदंड से दंडित किया शासन की ओर से अपर लोक अभियोजक महेन्द्र कुमार त्रिपाठी ने पैरवी की।

पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त अव्यवस्था के विरोध में एक दिवसीय सांकेतिक धरना

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार हो रहे पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त अव्यवस्था के विरोध में रविवार को गाडरवारा के युवा सड़क पर उतरे। पलोटन गंज स्थित शक्तिधाम मंदिर के पास क्षेत्र के जागरूक युवाओं ने एक दिवसीय सांकेतिक धरना एवं उपवास कर सरकार का ध्यान आकर्षित कराया ।

धरना स्थल पर बड़ी संख्या में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवा और सामाजिक कार्यकर्ता एकत्रित हुए। सभी के हाथों में तख्तियां थीं जिन पर पेपर लीक बंद करो, धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो ,शिक्षा व्यवस्था में सुधार करो जैसे नारे लिखे थे। धरने के दौरान युवाओं ने गगनभेदी नारों के साथ विरोध दर्ज कराया। शिक्षा बचाओ भविष्य बचाओ पेपर लीक बंद हो के नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। एक दिवसीय सांकेतिक उपवास के बाद उपस्थित युवाओं ने नीट परीक्षा 2026 में पेपर लीक की भेंट चढ़े होनहार छात्रों को मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। वक्ताओं ने कहा कि कड़ी मेहनत के बाद भी जब पेपर लीक हो जाता है तो छात्रों का भविष्य अंधकारमय हो जाता है।

कई छात्र तनाव में आकर आत्मघाती कदम तक उठा लेते हैं। इसकी जिम्मेदारी शासन और परीक्षा एजेंसियों की है। क्षेत्र के जागरूक एवं जिम्मेदार युवाओं द्वारा आयोजित सांकेतिक धरना में यह मांग प्रमुखता से रखी गई । जिसमे प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक पर प्रभावी रोक लगाने के लिए सख्त कानून बनाकर दोषियों को कड़ी सजा दी जाए। शिक्षा व्यवस्था में सुधार कर पारदर्शी और निष्पक्ष परीक्षा प्रक्रिया सुनिश्चित की जाए।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से इस्तीफे की मांग नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए, विद्यार्थियों के सुरक्षित भविष्य के लिए केंद्र और राज्य सरकार ठोस नीति बनाए।

धरने का नेतृत्व कर रहे क्षेत्र के युवाओं ने कहा आज का यह सांकेतिक धरना और उपवास सिर्फ एक शुरुआत है। अगर शासन प्रशासन ने हमारी मांगों पर ध्यान नहीं दिया तो आने वाले समय में हम उग्र आंदोलन करेंगे। हम सड़क से लेकर विधानसभा तक अपनी आवाज बुलंद करेंगे।

युवाओं ने कहा कि शिक्षा किसी की बपौती नहीं है। यह हर छात्र का मौलिक अधिकार है। पेपर माफिया पर लगाम लगाना सरकार की जिम्मेदारी है। धरने में बड़ी संख्या में युवा छात्र, सामाजिक संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

विधायक संजय पाठक की कंपनियों के साथ 1000 करोड़ की धोखाधड़ी का आरोपी गिरफ्तार

मास्टर माइंड महेंद्र गोयनका को कोलकाता पुलिस ने दिल्ली में दबोचा

10 दिन तक पुलिस रिमांड पर

कटनी (स्वतंत्र मत)।

विजयराघवगढ़ विधानसभा क्षेत्र के पूर्व मंत्री एवं विधायक संजय सत्येन्द्र पाठक की व्यवसायिक कंपनियों के साथ करोडों की धोखाधड़ी के मामले में कोलकाता पुलिस ने एक युवक को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है। बताया जाता है कि मध्यप्रदेश के बहुचर्चित यूरो प्रतीक कम्पनी में धोखाधड़ी के मामले में पुलिस ने बड़ा एक्शन लेकर एक युवक को गिरफ्तार किया है, 1000 करोड़ रुपए की कथित वित्तीय धोखाधड़ी के मुख्य आरोपी महेंद्र गोयनका को कोलकाता पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। रायपुर निवासी गोयनका पर आरोप है कि उसने विधायक संजय पाठक के परिवार की कंपनियों में फर्जी हस्ताक्षर, कूटरचित दस्तावेज और जालसाजी के जरिए कंपनी के नियंत्रण और करोड़ों की संपत्तियों पर कब्जा करने की साजिश रची थी गिरफ्तारी के बाद अब जांच एजेंसियां पूरे वित्तीय नेटवर्क की पड़ताल में जुट गई हैं पुलिस की जांच के उपरांत करोडो की धोखाधड़ी के मामले की तस्वीर उजागर हो जायेगी।

साईबर टीम की लोकेशन पर दबोचा गया महेन्द्र

जानकारी के मुताबिक शनिवार रात कोलकाता पुलिस ने मुखबिर तंत्र और साइबर टीम की मदद से दिल्ली में दबिश देकर कथित आरोपी महेंद्र गोयनका को गिरफ्तार किया है। ट्रांजिट प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे कोलकाता

ले जाया गया जहां उसके खिलाफ धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश, जालसाजी और फर्जी दस्तावेजों के इस्तेमाल सहित गंभीर धाराओं में मामला दर्ज है। जांच एजेंसियों का दावा है कि पूरा मामला करीब 1000 करोड़ रुपये की वित्तीय अनियमितताओं से जुड़ा है।

संजय पाठक की कंपनियों में कार्य करता था महेन्द्र!

जानकारी के मुताबिक फरियादी हरनीत लांबा ने आरोप लगाया था कि महेंद्र गोयनका कभी विधायक संजय पाठक के परिवार की कंपनी यूरो प्रतीक इस्पात इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में वरिष्ठ प्रबंधकीय जिम्मेदारी संभालता था। इसी दौरान उसने कथित तौर पर फर्जी दस्तावेज और हस्ताक्षरों के जरिए कंपनी की संरचना में बदलाव कर रायपुर के तीन लोगों को जोड़ा और बाद में कंपनी की एफडी, संपत्तियों तथा वित्तीय लेन-देन में बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां की और कूटरचित दस्तावेजों और फर्जी हस्ताक्षर के आधार पर हरनीत लांबा और सलूजा को कंपनी से बाहर कर दिया। फरियादी ने महेंद्र गोयनका को पूरे मामले का मुख्य षड्यंत्रकारी बताया है। फिलहाल आरोपी के गिरफ्तारी के बाद संभावना जताई जा रही है कि कटनी पुलिस भी सक्रिय होकर उसे कटनी लेकर आएंगी।

आरोपी के खिलाफ कटनी- माधवनगर में भी है अपराध दर्ज

पूरा मामला सामने आने के बाद हरनीत लांबा और सलूजा की शिकायत पर कटनी के कोतवाली और माधवनगर थानों में भी विभिन्न धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई वहीं, मुंबई स्थित एनसीएलटी ने भी अपने एक आदेश में महेंद्र गोयनका और उनकी पत्नी से जुड़े कुछ वित्तीय लेन-देन पर टिप्पणियां दर्ज की थीं। उनकी दूसरी कंपनी निसर्ग इस्पात भी जांच एजेंसियों के रडार पर बताई जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, महेंद्र गोयनका और उसके सहयोगियों के खिलाफ कटनी में भी धोखाधड़ी और जालसाजी के मामले दर्ज हैं। वहीं, कुछ सहयोगियों की अग्रिम जमानत याचिकाएं सर्वोच्च न्यायालय से खारिज हो चुकी हैं। अब महेंद्र गोयनका की गिरफ्तारी के बाद जांच एजेंसियां पूरे नेटवर्क और इस घोटाले से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही हैं।

डिजिटल जीवन प्रमाणन अभियान तेज, पेंशन हितग्राहियों से सहयोग की अपील

डीएलसी नहीं कराने पर रुक सकती है पेंशन, वार्डवार मोबाइल एप से हो रहा सत्यापन

कटनी (स्वतंत्र मत)।

राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम (एनएसएपी) के अंतर्गत संचालित पेंशन योजनाओं के हितग्राहियों का डिजिटल जीवन प्रमाणन (डीएलसी) अभियान नगर निगम द्वारा वार्डवार चलाया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य पात्र हितग्राहियों को पेंशन का लाभ बिना किसी व्यवधान के उपलध कराना है। निगमायुक्त तपस्या परिहार ने अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को शेष हितग्राहियों का डिजिटल जीवन प्रमाणन निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी पात्र हितग्राही की पेंशन केवल प्रमाणन के अभाव में प्रभावित नहीं होनी चाहिए। उपायुक्त शैलेश गुप्ता ने बताया कि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन, राष्ट्रीय विधवा पेंशन और राष्ट्रीय दिव्यांग पेंशन योजना के हितग्राहियों के लिए डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र तैयार कराना अनिवार्य है। जिन हितग्राहियों का डीएलसी नहीं होगा, उनकी पेंशन प्रभावित हो सकती है। अभियान के तहत क्षेत्रीय प्रभारी, वार्ड दरोगा एवं निगम कर्मी मोबाइल एप के माध्यम से वार्डों में घरघर पहुंचकर हितग्राहियों का डिजिटल जीवन प्रमाणन कर रहे हैं। शेष हितग्राहियों से भी व्यक्तिगत संपर्क कर आवश्यक दस्तावेजों के साथ प्रक्रिया पूरी कराई जा रही है। नगर निगम ने सभी पात्र हितग्राहियों से आधार कार्ड, बैंक पासबुक सहित आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराकर डिजिटल जीवन प्रमाणन कराने और निगम कर्मचारियों को सहयोग देने की अपील की है।

बच्चों के लिए गार्डन रीडनैस एक्टिविटी का सफल आयोजन

कटनी (स्वतंत्र मत)। सनशाइन एकेडमी, राहुलबाग में बच्चों के लिए गार्डन रीडनैस एक्टिविटी का सफल आयोजन किया गया। इस गतिविधि का उद्देश्य बच्चों को प्रकृति और पर्यावरण के प्रति जागरूक बनाना था। शिक्षिकाओं ने बच्चों को बगीचे में पाए जाने वाले विभिन्न पौधों, फूलों, पत्तियों और बीजों के बारे में रोचक जानकारी दी। बच्चों ने फूलों से सुंदर ब्रेसलेट बनाए तथा पत्तियों की सहायता से आकर्षक फूलों की कलाकृतियाँ तैयार कीं। साथ ही उन्हें यह भी समझाया गया कि बीज बोने से किस प्रकार एक छोटा पौधा विकसित होकर बड़ा पेड़ बनता है। इस गतिविधि के माध्यम से बच्चों ने प्रकृति के महत्व को जाना और उत्साहपूर्वक सभी गतिविधियों में भाग लिया। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि ऐसी रचनात्मक गतिविधियाँ बच्चों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ उनमें पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता भी विकसित करती हैं।

आतिशबाजी के बीच मनाया भाजपा जिलाध्यक्ष का जन्मदिन

कटनी (स्वतंत्रमत)। भारतीय जनता पार्टी के ऊर्जावान जिला अध्यक्ष दीपक सोनी टंडन का जन्मदिवस स्थानीय प्रियदर्शिनी बस स्टेंड स्थित शहर के प्रथम महापौर विजेंद्र मिश्र राजा भैया के कार्यालय में मनाया गया। इस संख्या बड़ी संख्या में मौजूद भाजपा व सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ आतिशबाजी के बीच भाजपा कार्यकर्ता शुभ प्रकाश मिश्र और कुशल प्रकाश मिश्र ने भाजपा जिलाध्यक्ष का पुष्पाहार से स्वागत किया, टंडन द्वारा केक काटा गया।

भगवान श्री झूलेलाल चालिहा महोत्सव पर कटायेघाट में उमड़ा जनसैलाब

कटनी (स्वतंत्रमत)। झूलेलाल चालिहा महोत्सव समिति द्वारा गुरुनानक वार्ड स्तिथ झूलेलाल मंदिर में मनाया जा रहा झूलेलाल चालिहा महोत्सव की श्रृंखला में 19 जुलाई प्रथम रविवार को प्रात: 9 बजे से कटाये घाट के तट पर जल देवता की पूजा अर्चना, भजन कीर्तन अखों पल्लव, आरती व दीपदान का आयोजन किया गया। समाजसेवी संजय खूबचंदानी ने बताया कि 40 दिन की भक्ति, तपस्या और आस्था का अधबुध पर्व पर जल देवता से देश की खुशहाली व समृद्धि की कामना की

गई। इस अवसर पार उपस्तिथि भारी श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच धर्ममय अद्भुत नजारा दिखा तथा भगवान श्री झूलेलाल जी के जय कारों से पूरा कटाई घाट भक्तिमय हो गया। अंत में परसाद वितरण के बाद कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर मोहनलाल बत्रा, महेश बहलानी, अमर चेतवानी, हरीश बहलानी, अशोक कुमार बेसानी, नेवंद खूबचंदानी, नारायणदास वलेचा, मनोहर लाल बजाज, सुरेश गांधी, बसंत थारवानी, राजकुमार चेलानी, अमृत सेवलानी, मनोहर उधवानी, नानकराम खूबचंदानी, गायक नरेश चंदानी, बालचंद चेतवानी, अशोक आहुजा, हेमंत सखानी, वीरेंद्र लालवानी, अजय केसवानी, रवि मोटवानी, जीके लालवानी, अमृत तनवानी, संजय खूबचंदानी, अमर पंजवानी, समस्त सिंधी भावरन व अनेक श्रद्धालु एवं गणमनाय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्तिथ रहे।

साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था वातायन के तत्वावधान में गोष्ठी संपन्न

कटनी (स्वतंत्रमत)। रंजना गौतम के निज निवास चंदिया में ख्यातिलब्ध हास्य कवि मनोहर मनोज की अध्यक्षता एवं शेख धीरज के मुख्य आतिथ्य तथा नवोदय विद्यालय चंदिया के प्राचार्य शैलेश कुमार ज्योतिषी के विशिष्ट आतिथ्य एवं अजय प्रताप सिंह बघेल के संचालन तथा अनिल मिश्र के संयोजन में पावस गोष्ठी का आयोजन संपन्न हुआ। इस आयोजन में माँ वीणा पाणी की चरण वंदना के पश्चात् ख्यातिलब्ध हास्य कवि मनोहर मनोज का सम्मान शेख धीरज एवं शंभू सोनी के कर कमलों द्वारा शाल श्री फल एवं फूल माला से किया गया। गोष्ठी का आरंभ करते हुए शैलेश

ज्योतिषी ने कहा- तुम्हें मिल सके मंच मैं पीछे रह जाती। ध्रुव यादव ने कहा- चाल चलन अच्छे रखो अच्छे रखो विचार, गुणीजनों के ज्ञान से आलोकित संसार। भूपेन्द्र त्रिपाठी ने कहा- कौड़ी दूर की हो गई। अखिलेश दुबे ने कहा- जितने हाथ उतनी कमाई। विनोद शुक्ला ने कहा- अब पछता, क्या होत है जब चिड़िया चुग गई खेत। डॉ प्रद्युम्न मिश्र ने कहा- तेज धूप में चल के जैसे मिले छांव, भाईचारा प्रेम जहाँ वही मेरा गाँव। रामलखन सिंह चौहान ने कहा- कुहु कुहु कोयल गलियारे, मेघा बरसो साझ सकारे। शिवानंद पटेल ने कहा- सदियों से लिखती रही मानी कभी ना हार, तलवारों से भी तेज है देखो कलम की धार। हास्य कवि शरद जायसवाल ने कहा- तेल हल्दी से चुपड़ के उसने की बेटी बिदाए मुंह में पानी आ रहा था भूंज के हम खा गए। विष्णु बाजपेयी ने कहा- पावस ऋतु को देख कर कोयल है अब कौन।

राकेश उरमलिया ने कहा- काटे जंगल खूब तभी तो रोते एसी। राजकुमार महोबिया ने कहा- मेरी अम्मा मुझे अभी बच्चा समझती है, उसके पास जाता मैं आंचल उढ़ाती है। शंभू सोनी ने कहा- शब्दों के बीच फंसी पीड़ा फफक-फफक रह जाती। अनिल मिश्र ने कहा- वह खादी से इत्तेफाक रखता है, हर बस्ती में दो फांक रखता है। अजय प्रताप सिंह बघेल ने कहा- मैं लिखता नहीं कभी कविता शब्दों के में भाव भरता हूँ।

वरिष्ठ गज़लकार चंद्रकिशोर श्रीवास्तव चंदन ने कहा- जितना हम झुकते रहे हैं आपके सम्मान में, उतना इजाफा हुआ है आपके अभिमान में। गज़लकार रंजना गौतम ने कहा- पेड़ों से अपने पत्ते देखे नहीं जाते। शेख धीरज ने कहा- बाबा बकते गालियाँ घर में बारम्बार, पोता पोती कर रहे शब्द कोष तैयार। अध्यक्षता कर रहे ख्यातिलब्ध हास्य कवि मनोहर मनोज ने कहा- प्रश्न सुना तो हो गया ईश्वर तक भी मौन, कितना छोटा प्रश्न था माँ से बढ़ कर कौन। आभार सतीश कांत तिवारी ने ० यक्त किया।

नशे के कारोबारियों के ठिकानों पर कटनी पुलिस की दबिश

चाकूबाज अपराधियों की परेड कराकर भरें डोजियर

कटनी (स्वतंत्रमत)। पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य के मार्गदर्शन में जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा चाकूबाजी एवं नशे से संबंधित अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से कटनी पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाया गया। शहर में चाकूबाजी की घटनाओं एवं नशे के प्रभाव में युवाओं द्वारा किए जा रहे अपराधों को गंभीरता से लेते हुए शहरी थाना क्षेत्रों में पूर्व में चाकूबाजी की घटनाओं में शामिल रहे नामजद बदमाशों के विरुद्ध सघन कार्रवाई की गई। पुलिस द्वारा ऐसे आदतन बदमाशों के डोजियर तैयार किए गए तथा उनके विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई, जिससे भविष्य में किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके। इसी क्रम में थाना

क्षेत्रों में नशे का अवैध कारोबार करने वाले संदिग्ध व्यक्तियों एवं उनके संभावित ठिकानों पर सघन दबिश दी गई। पुलिस टीमों द्वारा ठिकानों की जांच करते हुए संबंधित व्यक्तियों को नशे के अवैध व्यापार से दूर रहने की सख्त हिदायत दी गई तथा भविष्य में इस प्रकार की गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने पर कठोर वैधानिक कार्रवाई किए जाने की चेतावनी भी दी गई।

सड़क घेरकर कारोबार करने वालों को दी चेतावनी

कटनी (स्वतंत्रमत)।

शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने और सार्वजनिक मार्गों को अतिक्रमण मुक्त रखने के उद्देश्य से नगर निगम ने शुक्रवार को मुख्य बाजारों एवं प्रमुख मार्गों पर विशेष अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। अभियान के दौरान सड़क किनारे किए गए अस्थायी अतिक्रमण हटाए गए तथा अव्यवस्थित रूप से खड़े वाहनों को व्यवस्थित कराया गया। अतिक्रमण प्रभारी मानेंद्र सिंह के नेतृत्व में निगम की टीम ने अहिंसा तिराहा से जिला चिकित्सालय मार्ग, गांधी द्वार से सुभाष चौक होते हुए मुख्य स्टेशन मार्ग, बिलैया तलैया सब्जी मंडी, झंडा बाजार, बरगवां मुख्य मार्ग तथा उपनगरीय क्षेत्र माधवनगर के प्रमुख मार्गों पर कार्रवाई की। अभियान के दौरान सार्वजनिक सड़कों पर अतिक्रमण कर व्यवसाय कर रहे ठेला एवं हाथ ठेला संचालकों को हटाया गया। वहीं सड़क किनारे बैठकर आवागमन बाधित करने वाले सब्जी विक्रेताओं को निर्धारित हॉकर्स जोन में जाकर व्यवसाय करने के निर्देश दिए गए। साथ ही सड़क पर अव्यवस्थित रूप से खड़े वाहनों को हटाकर यातायात सुचारु कराया गया।

नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक सड़कों पर अतिक्रमण किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। फुटकर सब्जी विक्रेताओं और अन्य कारोबारियों से निर्धारित स्थानों पर ही व्यवसाय करने की अपील की गई है। निगम प्रशासन ने चेतावनी दी है कि भविष्य में दोबारा अतिक्रमण पाए जाने पर सामग्री जब्त करने सहित नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम आयुक्त का कहना है कि यह अभियान शहर में सुगम और सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने के साथ-साथ बाजार क्षेत्रों में यातायात का दबाव कम करने के उद्देश्य से लगातार जारी रहेगा।

सरकारी सेवाओं में देरी पर अब सिस्टम खुद करेगा कार्रवाई

कटनी (स्वतंत्रमत)। सरकारी सेवाओं के लिए अब नागरिकों को समय-सीमा पूरी होने के बाद अपील दर्ज कराने के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। लोक सेवा गारंटी अधिनियम में किए गए महत्वपूर्ण संशोधन के तहत ऐसी व्यवस्था लागू की गई है, जिसमें निर्धारित समय-सीमा में सेवा नहीं मिलने पर आवेदन स्वत: अपील की प्रक्रिया में शामिल हो जाएगा। नई व्यवस्था के अनुसार यदि किसी विभाग द्वारा निर्धारित समय-सीमा के भीतर सेवा उपलब्ध नहीं कराई जाती है, तो समय-सीमा समाप्त होने के 16वें दिन संबंधित आवेदन स्वत: प्रथम अपील में दर्ज हो जाएगा। इसके बाद भी यदि प्रथम अपील का समय पर निराकरण नहीं होता है, तो 16 दिन बाद वही आवेदन स्वत: द्वितीय अपील में पहुंच जाएगा।

इसके लिए आवेदक को अलग से आवेदन या अपील प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं होगी। यह बदलाव लोक सेवा गारंटी अधिनियम को अधिक प्रभावी और जवाबदेह बनाने की दिशा में

अधिवक्ता जनहितार्थ एक दिवसीय ग्रामीण डाक जीवन बीमा कार्यशाला आयोजित कार्यक्रम

कटनी (स्वतंत्र मत)।

समाजसेवी व अधिवक्ता रेखा अंजू तिवारी द्वारा जानकारी दी गई कि हमारे जिला सत्र न्यायालय परिसर मे भारत सरकार द्वारा ग्रामीण डाक जीवन बीमा से संबंधित विभिन्न प्रकार की नयी तकनीक व योजना को लेकर जिला अधिवक्ता संघ सभागार मे एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ग्रामीण डाक जीवन बीमा विकास अधिकारी जबलपुर आर सी लोधी एंव कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अधिवक्ता संघ अध्यक्ष अमित कुमार शुक्ला ने की विशिष्ट अतिथ्य जिला अधिवक्ता संघ कोषाध्यक्ष निर्मल दुबे, सह सचिव अधिवक्ता गीत मीत धवल, सीनियर मातृशक्ति अधिवक्ता अंजूलता परौहा, समाजसेवी व अधिवक्ता रेखा अंजू तिवारी सहित अन्य सम्मानित पदाधिकारीगण की गरिमामय उपस्थित में कार्यशाला आयोजित हुई कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विकास अधिकारी आर सी लोधी ने भारतीय डाक जीवन बीमा

की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि भारतीय ग्रामीण डाक जीवन बीमा की शुरुआत 24 मार्च 1995 में की गई थी, जिसका मुख्य उद्देश्य सामान्य रूप से ग्रामीण जनता-जनार्दन को बीमा सुरक्षा सुनिश्चित करना और वर्तमान समय पर ग्रामीण डाक जीवन बीमा नयी तकनीक व विभिन्न प्रकार की योजना, जैसे: ग्राम सुरक्षा (डब्लूएलए), ग्राम सुविधा (सीडब्लूए), ग्राम संतोष (ईए), ग्राम सुमंगल (एईए), ग्राम प्रिया (जीवाए) और ग्राम बाल जीवन बीमा पॉलिसी संबंधित जानकारी दी ग्रामीण डाक जीवन मार्केटिंग प्रभारी अंकित बिलैया ने अधिवक्ताओ के स्वास्थ्य और जनहितार्थ कम प्रीमियम मे कौन सी पालिसी कर सकते बताया उक्त अवसर पर समाजसेवी व अधिवक्ता रेखा अंजू तिवारी ने कहा कि हम अधिवक्ताओ के हितार्थ नि:शुल्क डाक जीवन बीमा होना चाहिए और हमारे सम्मानित बड़े-बुजूर्ग सीनियर अधिवक्ताओ के हितार्थ हेतु कम से कम प्रीमियम की योजना, अवश्य होनी चाहिए। इस अवसर पर ग्रामीण डाक जीवन बीमा द्वारा संचालित विभिन्न प्रकार की योजना को लेकर जन-कल्याणकारी संबंधित पंपलेट वितरित किए गए कार्यक्रम के अंत में ग्रामीण डाक जीवन बीमा विकास अधिकारी जबलपुर द्वारा जिला अधिवक्ता संघ अध्यक्ष को नवीन कलेडर और स्मृति प्रतीक देकर सम्मानित किया कार्यक्रम में विशेष सराहनीय सहयोग ग्रामीण डाक जीवन बीमा सहायक कटनी अभिषेक यादव, सहायक प्रेमशंकर तिवारी, अधिवक्ता संघ उपाध्यक्ष संतु परौहा, जूनियर अधिवक्ता पूनम रैदास, माही विश्वकर्मा, गुडिया धंनवंती सहित अन्य सम्मानित पदाधिकारीगण एंव अधिवक्ताओ की गरिमामय उपस्थित में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

पीवी सिंधु ने यामागुची को हराकर जीता खिताब

टोक्यो (वार्ता)।

भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने रविवार को जापान ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार खेल दिखाते हुए स्थानीय पसंदीदा अकाने यामागुची को सीधे गेम हराकर और अपना पहला बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 खिताब जीता। आज यहां मेट्रोपॉलिटन जिम्नेजियम में खेलते हुए, महिला एकल बैडमिंटन रैंकिंग में 12वें स्थान पर मौजूद पीवी सिंधु ने तीसरे नंबर की खिलाड़ी और तीन बार की वर्ल्ड चैंपियन अकाने यामागुची को 21-17, 21-17 से हराया। इस जीत के साथ ही 31 वर्षीय पीवी सिंधु का लगभग दो साल का खिताब का सूखा खत्म हो गया। उनकी पिछली बीडल्यूएफ टूर जीत 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल में हुई थी। 2022 सिंगापुर ओपन के बाद भारत के बाहर यह उनका पहला खिताब भी था। यह कुल मिलाकर उनका बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर पर सिंधु का छठा खिताब था। उन्होंने 2018 से पहले तीन बीडब्ल्यूएफ सुपरसीरीज टूर्नामेंट भी जीते थे। यह 2019 में वर्ल्ड चैंपियनशिप जीतने के बाद पीवी सिंधु का सबसे बड़ा खिताब भी था। अकाने यामागुची के

खिलाफ 30 मुकाबलों में भारतीय स्टार की यह 16वीं जीत थी और पिछले सात मुकाबलों में जापानी शटलर पर उनकी केवल दूसरी जीत थी। जापानी स्टार के खिलाफ पीवी सिंधु की पिछली पूरी मैच जीत 2022 में थाईलैंड ओपन में हुई थी। इस साल की शुरुआत में मलेशिया ओपन में उनका मुकाबला यामागुची के पहले गेम के बाद रिटायर होने के साथ खत्म हुआ था। रविवार को पीवी सिंधु ने शुरुआत से ही मुकाबले पर अपना दबदबा बनाए रखा; भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने 3-0 की बढ़त बना ली, लेकिन यामागुची ने वापसी करते हुए स्कोर 3-3 से बराबर कर दिया। सिंधु ने नेट पर शानदार खेल और दमदार विनर्स के जरिए फिर से बढ़त बनाई, लेकिन कुछ गलतियों की वजह से यामागुची मिड-गेम इंटरवल तक 11-9 से आगे हो गईं। ब्रेक के बाद, पीवी सिंधु ने 36-शॉट की मुश्किल रैली जीतकर स्कोर 11-11 से बराबर किया और फिर आक्रामक खेल दिखाते हुए 16-12 की बढ़त बना ली।

सिंधु ने चार पॉइंट जीतकर पहला गेम अपने नाम कर लिया

यामागुची ने वापसी करते हुए स्कोर 17-17 किया, लेकिन पीवी सिंधु ने आखिरी पांच में से चार पॉइंट जीतकर पहला गेम अपने नाम कर लिया। सिंधु ने दूसरे गेम में भी अपनी लय बनाए रखी, फोरकोर्ट पर दबदबा बनाया और तेज़ी से 8-3 की बढ़त हासिल कर ली। हालांकि यामागुची ने कुछ समय के लिए अंतर को 8-7 और बाद में 14-12 तक कम किया, लेकिन पीवी सिंधु ने लगातार स्मैश लगाकर अपनी बढ़त बनाए रखी।

सिंधु ने संयम बनाए रखा

भारतीय खिलाड़ी की कुछ गलतियों की वजह से यामागुची स्कोर 19-17 तक ले आईं, लेकिन पीवी सिंधु ने संयम बनाए रखा और तीन चैंपियनशिप पॉइंट हासिल किए। आखिर में, घरेलू खिलाड़ी का शॉट कोर्ट से बाहर चला गया और सिंधु ने खिताब जीत लिया।

लॉर्ड्स में रोहित-कोहली ने 400 मैचों का आंकड़ा छुआ

लंदन (वार्ता)। रविवार को क्रिकेट के मक्का कहे जाने वाले लॉर्ड्स में भारतीय बल्लेबाजी के इतिहास में एक नया मुकाम हासिल हुआ। तेंदुलकर के बाद के दौर के दो बड़े खिलाड़ी, रोहित शर्मा और विराट कोहली ने मिलकर 400 अंतरराष्ट्रीय मैच पूरे किए। यह रिकॉर्ड उन्हें खेल के इतिहास की सबसे महान जोड़ियों में शामिल करता है। यह उपलब्धि इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे और निर्णायक वनडे मैच के दौरान हासिल हुई। इस मैच में उतरते ही रोहित और कोहली ने महान सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ की जोड़ी का पिछला भारतीय रिकॉर्ड तोड़ दिया, जिन्होंने मिलकर 391 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले थे। 400 मैचों का यह आंकड़ा सिर्फ एक संख्या नहीं है, बल्कि यह पीढ़ियों के साथ भारतीय बल्लेबाजी में आए बदलाव को दर्शाता है - तेंदुलकर, द्रविड़ और गांगुली के दौर से लेकर रोहित और कोहली के दबदबे तक का सफर, जिन्होंने बड़े मंचों पर मैच जिताने वाली पारियां खेलने की जिम्मेदारी बखूबी

निभाई है। 2007 और 2008 में अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत करने के बाद से, रोहित और कोहली ने भारतीय क्रिकेट के बदलाव को न केवल देखा है, बल्कि उसे आकार भी दिया है। टी 20 फॉर्मेट के आने से लेकर सभी फॉर्मेट में भारत के एक ताकतवर टीम के रूप में उभरने तक, यह जोड़ी देश की कुछ सबसे यादगार जीतों का अहम हिस्सा रही है। उन्होंने मिलकर भारत की 2011 वनडे वर्ल्ड कप जीत, दो टी20 वर्ल्ड कप जीत और चैंपियंस ट्रॉफी की सफलता में योगदान दिया है। साथ ही, वे कड़े मुकाबले वाले इस दौर में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के प्रतीक भी बने हैं। उनकी यह उपलब्धि उन्हें एक साथ सबसे ज़्यादा अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली जोड़ियों की सर्वकालिक सूची में सातवें स्थान पर लाती है। श्रीलंका के कुमार संगकारा और माहेला जयवर्धने 550 मैचों के साथ इस सूची में सबसे ऊपर हैं, उनके बाद तिलकरत्ने दिलशान और जयवर्धने (426) और संगकारा-दिलशान (418) का नंबर आता है। यह उपलब्धि उनके करियर के एक अहम मोड़ पर भी आई है।

ब्रॉन्ज़ मेडल जीतने के बाद ट्यूशेल ने इंग्लैंड के जोश की तारीफ़ की

मियामी (वार्ता)।

इंग्लैंड के मैनेजर थॉमस ट्यूशेल ने शनिवार को अपनी टीम के अविश्वसनीय जोश की तारीफ़ की, जब इंग्लैंड ने पिछले 60 वर्षों में वर्ल्ड कप में अपना सबसे अच्छा प्रदर्शन किया, और एक रोमांचक ब्रॉन्ज़ मेडल मैच में फ्रांस को 6-4 से हराया। इंग्लैंड ने पहले हाफ़ में 4-0 की बढ़त बना ली, और जबकि फ्रांस ने इंटरवल के बाद अपनी लय हासिल कर ली, वह आखिरकार इस कमी को पूरा नहीं कर पाया। बुकायो साका ने इंग्लैंड के लिए हैट्रिक पूरी की। ट्यूशेल ने कहा, मैं आज के इस प्रदर्शन और इस सोच की जितनी तारीफ़ करूँ कम है। हमारे पास तैयारी के लिए एक दिन कम था, विरोधी टीम की तुलना में हमारी हड्डियों में हज़ारों किलोमीटर ज़्यादा थे, और हम गर्मी से उबरकर आए थे... लेकिन बार-बार, हमने कोई न कोई रास्ता निकाल ही लिया। हमारे लिए मुश्किल में पड़ना आम बात थी, और मैं बहुत इम्प्रेस्ड हूँ कि हमने वह रिएक्शन दिखाया जो हम चाहते थे। यह जीत साका की ज़बरदस्त हैट्रिक की वजह से मिली, जिससे विंगर पर ट्यूशेल का भरोसा सही साबित हुआ। ट्यूशेल ने कहा, वह मेरे लिए एक अहम खिलाड़ी है। आज वह बहुत अच्छा था और उसने दिखाया कि वह इस टीम का एक अहम हिस्सा क्यों है। इस हफ़्ते की शुरुआत में सेमीफ़ाइनल में हार के बाद मैनेजर की लोगों ने बुराई की थी।

काजल ढोचक के स्वर्ण पदक सहित भारत ने चौथे दिन जीते चार पदक

बुडापेस्ट (हंगरी) (वार्ता)।

भारतीय पहलवानों ने शनिवार को पॉलीक इमरे, वर्गा जानोस और कोजमा इस्तवान मेमोरियल 2026 रेसलिंग टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए चौथे दिन एक स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य सहित कुल चार पदक अपने नाम किये। काजल ढोचक ने महिला फ्रीस्टाइल 76 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता, जबकि अंतिम पंघाल चोट के कारण 53 किग्रा वर्ग के फाइनल से हटने की वजह से रजत पदक से संतोष करना पड़ा। महिला 57 किग्रा वर्ग में नेहा शर्मा ने रजत

पदक जीता, जबकि 53 किग्रा वर्ग में निशु ने कांस्य पदक अपने नाम किया। इस तरह भारत ने बुडापेस्ट रैंकिंग सीरीज के चौथे दिन कुल चार पदक हासिल किए। फरवरी में जाग्रेब ओपन में कांस्य पदक जीतने के बाद अपने पहले अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में उतरीं 21 वर्षीय अंतिम पंघाल ने फाइनल तक शानदार प्रदर्शन किया।

एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय टीम का हिस्सा अंतिम ने शुरुआती तीनों मुकाबले 10-0 के तकनीकी श्रेष्ठता के अंतर से जीते। उन्होंने जर्मनी की बियांका फाथ, चीन की ली यूशुआन और अमेरिका की क्रिस्टेल रोड्रिगेज को एकतरफा अंदाज में हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

किलियन एमबापे ने गोल्डन बूट की दौड़ में लियोनेल मेसी को पछाड़ा

मियामी (फ्लोरिडा) (वार्ता)। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे स्थान के लिए शनिवार को हुए मुकाबले में 6-4 से हार के बावजूद फ्रांस के स्टार खिलाड़ी एमबापे ने गोल्डन बूट की दौड़ में अर्जेंटीना के दिग्गज लियोनेल मेसी को पछाड़ दिया है। इस रोमांचक प्लेऑफ मुकाबले में एमबापे ने अपना 21वां और 22वां गोल करके फीफा विश्वकप में सबसे अधिक गोल करने वालों की सूची में लियोनेल मेसी को पीछे छोड़ दिया। फ्रांस के लिए पहला हाफ बहुत खराब रहा और वह शुरुआती 45 मिनट के बाद वे 4-0 से पीछे थे।

केर ने लंदन डायमंड लीग में पुरुषों की माइल दौड़ का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा

लंदन (वार्ता)। ब्रिटेन के जोश केर ने शनिवार को लंदन डायमंड लीग में पुरुषों की माइल दौड़ का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ दिया। उन्होंने 3 मिनट 42.66 सेकंड का समय लेकर हिशाम अल गेरौज के 27 साल पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। 28 वर्षीय केर ने मार्च में अपने घरेलू मैदान पर वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ने की घोषणा की थी और लंदन स्टेडियम में 60,000 दर्शकों की भारी भीड़ के सामने अपना वादा पूरा किया। शुरुआती दौर में दो पेसमेकर के पीछे रहने के बाद, केर ने दौड़ की कमान संभाली और 3-42.66 में फिनिश लाइन पार की। इस तरह उन्होंने अल गेरौज के 1999 के रिकॉर्ड में लगभग आधे सेकंड का सुधार किया। केर पुरुषों की माइल दौड़ का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने वाले सातवें ब्रिटिश एथलीट बन गए हैं।

यू मुम्बा ने जीता यूटीटी जूनियर खिताब

पणजी (वार्ता)। अहोना रे और सोमदेव सेनगुप्ता के शानदार प्रदर्शन की बदौलत यू मुम्बा टीटी ने रविवार को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी इंडोर स्टेडियम में दबंग दिल्ली को 5-2 से हराकर अपना पहला ड्रीम यूटीटी जूनियर्स खिताब जीता। पिछले साल यू मुम्बा पहले सीज़न में रनर-अप रही थी। अहोना ने गर्ल्स सिंगल्स के निर्णायक मैच में श्रीजानी चक्रवर्ती को 11-4 से हराकर यू मुम्बा के लिए खिताब पक्का किया और एक और यादगार हफ़्ता पूरा किया।

वैश्विक कारकों, तिमाही परिणामों से मिलेगी बाजार को दिशा

मुंबई (वार्ता)। घरेलू शेयर बाजारों में बीते सप्ताह प्रमुख सूचकांकों में रही तेजी के बाद आने वाले सप्ताह में निवेशकों की नजर वैश्विक कारकों और कंपनियों के तिमाही परिणामों पर रहेगी। गत सप्ताह अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने से वृहत बाजार में गिरावट रही, हालांकि आईटी, बैंकिंग और वित्तीय कंपनियों में लिवाली से प्रमुख सूचकांक साप्ताहिक बढ़त में बंद हुए। अगले सप्ताह भी निवेशकों की नजर पश्चिम एशिया संकट पर रहेगी। घरेलू स्तर पर इंफोसिस समेत कई कंपनियों के तिमाही परिणाम आने वाले सप्ताह में

जारी होने हैं। इनसे भी बाजार को दिशा मिलेगी। गत सप्ताह बीएसई के सेंसेक्स में सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को तेजी रही जबकि मंगलवार को सूचकांक गिरावट में बंद हुआ था। वहीं, गुरुवार को यह सपाट रहा था। सेंसेक्स 582.06 अंक (0.75 प्रतिशत) की साप्ताहिक बढ़त में 78,151.45 अंक पर पहुंच गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी सप्ताह के दौरान 127.40 अंक यानी 0.52 प्रतिशत ऊपर 24,334.30 अंक पर बंद हुआ। प्रमुख सूचकांकों के विपरीत वृहत बाजार में बिकवाली हावी रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.71 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.62 फीसदी नीचे बंद हुआ। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से बीते सप्ताह 16 बढ़त में रहे।

सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी टीसीएस का शेयर 9.63 प्रतिशत चढ़ा। टेक महिंद्रा में 7.90 प्रतिशत, एचसीएल टेक्नोलॉजीज में 3.54, बजाज फाइनेंस में 3.45 और कोटक महिंद्रा बैंक में 3.19 प्रतिशत की तेजी रही। आईसीआईसीआई बैंक का शेयर 2.89 फीसदी, इंफोसिस का 2.71, महिंद्रा एंड महिंद्रा का 1.58, रिलायंस इंडस्ट्रीज का 1.35 और टाइटन का 1.10 प्रतिशत की साप्ताहिक बढ़त में रहा। भारतीय स्टेट बैंक, अडानी पोर्ट्स, एशियन पेंट्स, एक्सिस बैंक, पावरग्रिड और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर भी हरे निशान में रहे।

सप्ताह के दौरान एलएंडटी का शेयर 3.33 प्रतिशत लुढ़क गया। बजाज फिनसर्व में 2.91 प्रतिशत, टाटा स्टील में 2.75, ट्रेंट में 2.10, बीईएल में 1.33, इंडिगो में 1.18 और इटरनल में 1.02 प्रतिशत की गिरावट रही।

एफपीआई ने जुलाई में किया 22,868 करोड़ का शुद्ध निवेश

मुंबई, (वार्ता)। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय पूंजी बाजार में जुलाई में अब तक 22,868 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है। शुद्ध निवेश बाजार में लगायी गयी पूंजी और बाजार से निकाली गयी पूंजी का अंतर होता है। यह लगातार दूसरा महीना है जब एफपीआई बाजार में लिवाल बने हुए हैं। इससे पहले जून में उन्होंने 4,699 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था। एफपीआई ने एक जुलाई से 17 जुलाई तक इक्विटी में 11,897 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है। डेट, हाइब्रिड उपकरणों और म्यूचुअल फंड में भी वे लिवाल रहे हैं। डेट में एफपीआई का शुद्ध निवेश 9,114 करोड़ रुपये रहा। हाइब्रिड उपकरणों में उन्होंने 83 करोड़ रुपये और म्यूचुअल फंड में 923 करोड़ रुपये का निवेश किया। एफपीआई

ने इस साल भारतीय पूंजी बाजार से शुद्ध रूप से 1,91,353 करोड़ रुपये निकाले हैं। इसमें इक्विटी में उनका निवेश 2,62,376 करोड़ रुपये कम हुआ है। वहीं, डेट और म्यूचुअल फंड में उन्होंने और पैसा लगाया है।

आईडीबीआई बैंक का पहली तिमाही का लाभ 5 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली, (वार्ता)। आईडीबीआई बैंक ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 2,115 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दिखाया है जो एक साल पहले इसी तिमाही की तुलना में 5 प्रतिशत तथा पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही की तुलना में 9 प्रतिशत अधिक की वृद्धि दर्शाता है। आईडीबीआई लि. ने शनिवार को 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून, 2026) तिमाही रिपोर्ट में बताया कि इस दौरान उसकी शुद्ध ब्याज से आय 3,486 करोड़ रुपये रही, जो वार्षिक आधार पर 10 प्रतिशत ज्यादा है। बैंक की एक विज्ञप्ति के अनुसार इस दौरान उसका कुल कारोबार बढ़कर 5,84,725 करोड़ रुपये रहा जो पिछले साल इसी तिमाही की तुलना में 15 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। तिमाही के अंत में बैंक की कुल जमा वार्षिक आधार पर दस प्रतिशत बढ़ कर 3,25,757 करोड़ रुपये और कुल अग्रिम 22 प्रतिशत की जोरदार वृद्धि के साथ शुद्ध अग्रिम बढ़कर 2,58,968 करोड़ रुपये पर रहा। आलोच्य तिमाही में बैंक का कासा (चालू खाता एवं बचत खाता) एक साल पहले से सात प्रतिशत बढ़कर 1,42,162 करोड़ रुपये रहा। इस दौरान सकल एनपीए घटकर 2.30 प्रतिशत पर आ गया, जो सालाना आधार पर प्रतिशत 0. 63 अंक का सुधार दर्शाता है। बैंक का शुद्ध एनपीए घटकर 0.16 प्रतिशत रह गया, जो वार्षिक आधार पर प्रतिशत 0.5 अंक कम है। बैंक का प्रावधान कवरेज अनुपात (पीसीआर) 99.31प्रतिशत है। बैंक ने बताया कि चौथी तिमाही में उसकी संपत्तियों पर प्रतिफल 1.89 प्रतिशत रहा, जिसमें इससे पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत 0.14 अंक का सुधार रहा। पहली तिमाही के अंत में बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात 26.92 प्रतिशत रहा, जो वार्षिक आधार पर प्रतिशत 0.153 अंक तथा इससे पिछली तिमाही के आधार पर प्रतिशत 0.27 अंक बेहतर हुआ है।

आरएसडब्ल्यूएम परिधान निर्माण में रखेगी कदम

नयी दिल्ली (वार्ता)। विभिन्न देशों के साथ व्यापार संधि और बढ़ती घरेलू मांग के मद्देनजर वस्त्र उद्योग की प्रमुख कंपनी आरएसडब्ल्यूएम लिमिटेड परिधान निर्माण के क्षेत्र में कदम रखने पर विचार कर रही है। राजस्थान स्पिनिंग एंड वीविंग मिल के नाम से 1958 में राजस्थान के भिलवाड़ा में स्थापित कंपनी फिलहाल धागे और कपड़े बनाती है। आरएसडब्ल्यूएम के संयुक्त प्रबंध निदेशक राजीव गुप्ता ने समाचार एजेंसी को एक विशेष बातचीत में बताया कि भारत से धागा तथा कपड़ा बंगलादेश, श्रीलंका और वियतनाम को निर्यात किये जाते हैं। वे भारत से कपड़ा खरीदकर उसकी रंगाई करके उससे परिधान बनाते हैं और यूरोपीय तथा दूसरे बाजारों में बेचते हैं। अब तक भारत से जाने वाले सिले-सिलाये कपड़ों यानी परिधानों पर ब्रिटेन और यूरोपीय बाजारों में आठ से 12 प्रतिशत तक शुल्क लगता था। वहीं, बंगलादेश, पाकिस्तान, श्रीलंका या वियतनाम से जाने वाले परिधानों पर कोई शुल्क नहीं लगता है। इसलिए, भारतीय निर्यातक प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाते थे। उन्होंने कहा, ब्रिटेन के साथ व्यापार समझौता 15 जुलाई से प्रभावी हो गया है। यूरोपीय संघ के साथ व्यापार संधि आठ-नौ महीने में लागू होने की उम्मीद है। कुल नौ एफटीए (या व्यापार संधि) हुए हैं। इन सबसे भारतीय कपड़ा उद्योग के लिए लगभग 250 अरब डॉलर का बाजार खुला है, जहां पहले शुल्क के कारण हम पीछे थे। व्यापार संधियों से पैदा हुए अवसर को देखते हुए परिधान निर्माण के क्षेत्र में कदम रखने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर श्री गुप्ता ने कहा, हमारे लिए परिधान बनाना स्वाभाविक है और हम उस पर

विचार कर रहे हैं। इस दिशा में हमारी कोई घोषित योजना नहीं है। हम इसमें जरूर आयेंगे। इसके पीछे व्यापार संधि तो एक कारण है ही, घरेलू मांग उससे भी बड़ा कारण है। देश की आबादी में हर साल ऑस्ट्रेलिया के बराबर आबादी जुड़ जाती है। सबसे ज्यादा युवा आबादी भी भारत में है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा बाजार है। उन्होंने कहा कि सरकार ने अगले पांच साल में 2030 तक वस्त्र निर्यात 37 अरब डॉलर से बढ़ाकर 100 अरब डॉलर पर और घरेलू कारोबार 130 अरब डॉलर से बढ़ाकर 250 अरब डॉलर पर पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। निर्यात जहां 47 अरब डॉलर पर पहुंचा है, वहीं घरेलू बाजार एक साल में 180 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। यह दिखाता है कि घरेलू बाजार किस तेजी से बढ़ रहा है। घरेलू बाजार के सामने चुनौतियों के बारे में श्री गुप्ता ने कहा कि इन व्यापार संधियों का पूरा फायदा भारत को तुरंत मिलना संभव नहीं है। इसका लाभ उठाने के लिए परिधान निर्माण की क्षमता बढ़ानी होगी क्योंकि उन देशों को सिले-सिलाये कपड़े चाहिये, लेकिन रास्ते निस्संदेह खुल चुके हैं। शुल्क के मामले में भेदभाव समाप्त हो गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय कंपनियों को अपने श्रमबल की गुणवत्ता पर काम करना होगा, मशीनों पर काम करना होगा, कौशल और उत्पादकता के स्तर को बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा, च्इन मामलों में बंगलादेश और वियतनाम से हम बहुत पीछे हैं। बंगलादेश परिधान निर्माण का केंद्र बन चुका है, हमें अभी इस क्षेत्र में शुरुआत करनी है।

आधुनिक तकनीक, प्राकृतिक खेती और सिंचाई में विस्तार से बनेगा समृद्ध मध्यप्रदेश

कृषि महोत्सव झाबुआ में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ऑनलाइन किसानों से की चर्चा

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को झाबुआ में बलराम कृषि महोत्सव के अंतर्गत ऑनलाइन किसानों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने, कृषि को लाभकारी बनाने तथा आधुनिक एवं प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

उल्लेखनीय है कि कृषक कल्याण वर्ष के अंतर्गत प्रदेश में बलराम कृषि महोत्सव-2026 मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर से इसकी शुरुआत की। अगला बलराम कृषि महोत्सव 21 जुलाई को आलीराजपुर में, 23 जुलाई को बड़वानी, 25 जुलाई को खरगौन में, 27 जुलाई को बुरहानपुर में और 30 जुलाई को खण्डवा में आयोजित किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मौसम विभाग द्वारा इस वर्ष सामान्य से कम वर्षा की संभावना व्यक्त की गई है। ऐसी स्थिति में उन्होंने प्रशासन को पूरी तैयारी के साथ किसानों की सहायता के लिए तत्पर रहने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि किसानों को तीन लाख रुपये तक का कृषि ऋण शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर उपलब्ध कराया जा रहा है। किसानों को मात्र पांच रुपये में बिजली कनेक्शन दिए जा रहे हैं तथा डेयरी विकास के लिए 40 लाख रुपये तक की योजना में 33 प्रतिशत अनुदान का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री ने किसानों से आह्वान किया कि वे आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक सलाह, प्राकृतिक खेती और जल संरक्षण के सिद्धांतों को अपनाकर कृषि को अधिक लाभकारी बनाएं। केंद्र और राज्य सरकार किसान हितों की रक्षा तथा कृषि विकास के लिए हर संभव सहयोग देने के लिए पूर्णत: प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्राकृतिक खेती के विजन को आगे बढ़ाते हुए राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत झाबुआ जिले में 50 कृषि सखियों का चयन किया गया है। जिले में वर्तमान में लगभग 3,125 एकड़ क्षेत्र में प्राकृतिक खेती की जा रही है तथा किसानों को प्राकृतिक खेती का प्रमाणीकरण भी कराया गया है। उन्होंने कहा कि एक जिला-एक उत्पाद योजना के माध्यम से कड़कनाथ को राष्ट्रीय

एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के प्रयास किए जा रहे हैं। वर्ष 2025 में जिले में कड़कनाथ पालन से एक हजार से अधिक नए हितग्राही जोड़े गए हैं।

पशुपालन किसानों की नियमित आय का मजबूत आधार

मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि के साथ पशुपालन किसानों की नियमित आय का मजबूत आधार बन सकता है। पशुपालन विभाग की हितग्राहीमूलक योजनाओं के माध्यम से डेयरी, बकरी पालन, मुर्गी पालन सहित अन्य गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के साथ किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। उन्होंने मत्स्य पालन क्षेत्र का उल्लेख करते हुए बताया कि जिले में 760 से अधिक तालाबों का विकास किया गया है, जिनमें लगभग तीन हजार हेक्टेयर क्षेत्र में मत्स्य पालन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नगदी फसल के रूप में कपास उत्पादन को विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

झाबुआ का टमाटर बना प्रदेश की पहचान

मुख्यमंत्री ने पेटलावद में स्थापित टमाटर प्रसंस्करण इकाई का उल्लेख करते हुए कहा कि जिले में 2,812 हेक्टेयर क्षेत्र में टमाटर की खेती की जा रही है तथा लगभग 1.68 लाख मीट्रिक टन उत्पादन हो रहा है। यहां टमाटर उत्पादक किसानों का क्लस्टर विकसित किया गया है तथा टमाटर सॉस और केचअप का उत्पादन किया जा रहा है। इसके अलावा 12 सोलर ड्रायर यूनिट स्थापित कर टमाटर का डिहाइड्रेशन भी किया जा रहा है। झाबुआ का टमाटर राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा तथा दिल्ली सहित देश के विभिन्न राज्यों में भेजा जा रहा है।

महोत्सव की गतिविधियां

बलराम कृषि महोत्सव में किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक, उन्नत बीजों, नवीन कृषि यंत्रों, प्राकृतिक एवं जैविक खेती, फसल विविधीकरण, जल संरक्षण तथा शासन की किसान हितैषी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है जिससे खेती अधिक लाभकारी, टिकाऊ एवं समृद्ध बन सके। महोत्सव में कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले उत्कृष्ट किसानों का सम्मान भी किया जा रहा है। साथ ही विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को लाभ वितरण, कृषि यंत्रों एवं उन्नत तकनीकों का प्रदर्शन तथा किसानों को तकनीकी साहित्य भी उपलब्ध कराया जा रहा है। महोत्सव में कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन, सहकारिता, कृषि अभियांत्रिकी तथा अन्य संबंधित विभागों द्वारा आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई है। किसानों को विभिन्न विभागों के विशेषज्ञों से सीधे संवाद का और अपनी समस्याओं के समाधान किया जा रहा है। साथ ही उन्हें नवीन तकनीकों एवं बाजार आधारित कृषि मॉडल की जानकारी भी मिलेगी।

13 नवम्बर तक होंगे आयोजन

कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य, सहकारिता, एमएसएमई, राजस्व, ऊर्जा सहित 16 विभागों को एक मंच पर लाकर किसानों के समग्र विकास का अभियान है। किसानों की आय बढ़ाने के लिये रोडमैप तैयार किया गया है। यह महोत्सव केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि किसानों की आय बढ़ाने, आधुनिक तकनीक उपलब्ध कराने, प्रसंस्करण, विपणन और रोजगार से जोड़ने का व्यापक अभियान है। प्रदेश के सभी जिलों में आगामी 13 नवम्बर तक अनेक आयोजन होंगे और खेती-किसानी पर आधारित गतिविधियां आयोजित की जायेंगी।

6 प्रमुख कृषि संकल्प

बलराम कृषि महोत्सव में कृषि विभाग के साथ उद्यानिकी, पशुपालन, सहकारिता, कृषि अभियांत्रिकी, ग्रामीण विकास तथा अन्य संबंधित विभागों की सक्रिय भागीदारी है। महोत्सव के माध्यम से किसानों को 6 प्रमुख कृषि संकल्पों से जोड़ा गया है ।

विश्व बाघ दिवस पर टी-शर्ट चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

दमोह (स्वतंत्र मत)।

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व सागर के द्वारा विश्व बाघ दिवस के उपलक्ष्य में वन्यजीव संरक्षण एवं जन सामान्य जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत टी शर्ट चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। प्रतियोगिता हेतु सागर शहर में कुल चार प्रतियोगिता केंद्र बनाए गए जिसमें चारों केंद्र के मिलकर 55 स्कूल के 549 विद्यार्थियों ने भाग लिया। रेहली नगर में 7 स्कूल के 63 विद्यार्थी ने भाग लिया एवं दमोह शहर में 12 विद्यालय के 135 विद्यार्थियों ने भाग लिया। दमोह जिले की जबेरा तहसील में 5 स्कूल के 60 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस प्रकार दोनों जिले सागर एवं दमोह के कुल 79 स्कूल के 807 विद्यार्थियों भाग लिया।

प्रतियोगिता हेतु प्रतिभागियों को वन विभाग के ओर से सफेद टी-शर्ट प्रदान की गई थी जिस पर विद्यार्थियों के द्वारा विभिन्न प्रकार की वन्य प्राणियों का चित्रण के माध्यम से अपनी कला को टी शर्ट पर उकेरा गया। यह प्रतियोगिता स्कूली विद्यार्थियों के बीच में प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ वन एवं वन्य जीव के प्रति विद्यार्थी शिक्षक एवं जन सामान्य को जागरूक करने में सफल रहा। प्रतियोगिता में शामिल विद्यार्थियों से अनुभव के बारे मे पूछने पर बताया गया कि पेंटिंग करते करते हमें ऐसा प्रतीत हो रहा था जैसे हम जंगल का भ्रमण कर रहे हैं व वन मे बैठकर जैसे पेंटिंग पिकनिक मना रहे है। प्रतिभागी बच्चों के मन मे वन, वन मे वन्य जीव और वन्य जीव से हम का भाव जागृत हुआ जो इस प्रतियोगिता का केंद्रीय उद्देश्य था। इसी प्रकार की प्रतियोगिता नरसिंहपुर जिला एवं देवरी तहसील में भी आगामी दिवस में करायी जाएगी प्रतियोगिता को सफलतापूर्वक कराने में प्रतियोगिता केंद्र के शिक्षकों प्रतिभागी स्कूल के शिक्षक एवं विद्यार्थियों का विशेष योगदान रहा। चित्रित टी शर्ट का अवलोकन फाइन आर्ट डिपार्टमेंट डॉ हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय सागर के प्रोफेसर एवं जिले के अन्य चित्रकला में पारंगत विद्वान आदि करेंगे।

गौशाला में पानी की समस्या का होगा स्थायी समाधान

कलेक्टर ने किया पटेरा स्थित बेलखेड़ी गौशाला का निरीक्षण

दमोह (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने विकासखंड पटेरा स्थित बेलखेड़ी गौशाला का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि गौशाला में कार्यरत कर्मचारी एवं सेवक पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ गौसेवा में जुटे हुए हैं।

उन्होंने चारा, दाना एवं अन्य व्यवस्थाओं को संतोषजनक जताते हुए कहा कि गौमाताओं के लिए पर्याप्त

मात्रा में चारा और दाना उपलब्ध है। उन्होंने गौशाला में पानी की स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश सीईओ जनपद पंचायत को दिए। वर्तमान में गौमाताओं को तालाब से पानी पिलाने की व्यवस्था की जा रही है, निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने निर्देश दिए कि गौशाला परिसर में अनिवार्य रूप से पानी संग्रहण के लिए हौज बनाए जाएं और उनमें नियमित रूप से पानी भरकर रखा जाए ताकि पेयजल की उपलब्धता लगातार बनी रहे।

स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी

पटेरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अव्यवस्थाओं पर कलेक्टर सख्त

दमोह (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पटेरा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं में कई कमियां सामने आने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधार के निर्देश दिए तथा लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा निरीक्षण में कई कर्मचारी विलंब से ड्यूटी पर पहुंचे जबकि कुछ कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए। इस पर संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध वेतन कटौती की कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान बताया गया पिछले एक वर्ष से बेडशीट उपलब्ध नहीं कराई गई है। वार्डों में कई मरीज बिना बेडशीट के ही भर्ती मिले। इस स्थिति पर कलेक्टर ने नाराजगी जताते हुए आवश्यक सामग्री की तत्काल मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अस्पताल परिसर में साफ सफाई की स्थिति भी संतोषजनक

नहीं मिली। कलेक्टर ने स्वच्छता व्यवस्था में तत्काल सुधार करने के निर्देश दिए। उन्होंने पंजीयन काउंटर का भी निरीक्षण किया, जहां ओपीडी पर्ची का निर्धारित 10 रूपये शुल्क प्रदर्शित नहीं था। उन्होंने निर्देश दिए कि शुल्क सूची स्पष्ट रूप से प्रदर्शित की जाए। दवाइयों की उपलब्धता की समीक्षा में पाया गया कि अस्पताल में शासन के मानकों के अनुसार लगभग 350 प्रकार की दवाइयां उपलब्ध होना आवश्यक है जबकि वर्तमान में केवल करीब 250 प्रकार की दवाइयां ही उपलब्ध हैं। लगभग 100 प्रकार की आवश्यक दवाइयों के अभाव में मरीजों को बाहर से दवाइयां खरीदनी पड़ रही हैं। कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया कि शासन के निर्धारित मानकों के अनुरूप सभी आवश्यक दवाइयों की तत्काल उपलब्धता सुनिश्चित की जाए ताकि मरीजों को उपचार के लिए बाहर से दवाइयां खरीदने की आवश्यकता न पड़े। उन्होंने कहा स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और सभी कमियों का शीघ्र निराकरण किया जाए।

चेक अनादरण के प्रकरणों की विशेष लोक अदालत संपन्न

कुल 11 प्रकरणों में 5167050 रूपये के अवार्ड पारित

दमोह (स्वतंत्र मत)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दमोह सुभाष सोलंकी के कुशल मार्गदर्शन में शनिवार को संपूर्ण जिले में परक्राम्य लिखत अधिनियम एनआई एक्ट के अंतर्गत विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। विशेष लोक अदालत हेतु अध्यक्ष के द्वारा सपूर्ण जिले में कुल 6 खण्डपीठों का गठन किया गया था जिसमें पीठासीन अधिकारी के अतिरिक्त 1-1 सुलहकर्ता सदस्य की नियुक्ति की गई थी। आयोजित विशेष लोक अदालत में चैक अनादरण के न्यायालय में लंबित कुल 30 प्रकरण रखे गये थे जिसमें पक्षकारों की आपसी सहमति के आधार पर कुल 11 प्रकरण निराकृत किये गये जिसमें कुल 5167050 रूपये के अवार्ड पारित किये गये।

विशेष लोक अदालत की खंडपीठ क्रमांक 1 में पंचम अपर सत्र न्यायाधीश पंकज कुमार वर्मा के न्यायालय में लंबित दांडिक अपील गोपाल चौरसिया विरुद्ध वीरेन्द्र सिंह का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया। यह प्रकरण व्यवसायिक लेनदेन से संबंधित था जिसे परिवादी वीरेन्द्र सिंह के द्वारा

न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी दमोह के न्यायालय में 21 अगस्त 2017 को प्रस्तुत किया गया था जिसमें पारित निर्णय के विरुद्ध सत्र न्यायालय में गोपाल चौरसिया ने दांडिक अपील 19 मार्च 2024 को प्रस्तुत की थी, प्रकरण में सुलह की संभावना को देखते हुये न्यायालय द्वारा प्रकरण विशेष लोक अदालत में रखा गया।

प्रकरण में दोनों पक्षों को समझाइश दिये जाने पर पक्षकारों के मध्य राजीनामा किया गया तथा सहमति के आधार पर 1461250 चौदह लाख इकसठ हजार दो सौ पचास रुपयेद्ध की राशि पर अवार्ड पारित किया गया। प्रकरण में समझौता हेतु अपीलार्थी के अधिवक्ता कमलेश भारद्वाज तथा परिवादी के अधिवक्ता नरेंद्र शुक्ला का विशेष योगदान रहा।

विद्यार्थियों ने निकाली नशा मुक्ति रैली, दिलाई गई शपथ

दमोह (स्वतंत्र मत)। नशा से है दूरी ज़रूरी 2.0 अभियान के अंतर्गत पुलिस विभाग एवं सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के मार्गदर्शन में शक्ति फाउंडेशन एवं समग्र कल्याण समिति द्वारा विकासखंड दमोह की शासकीय माध्यमिक शाला लक्ष्मण कुटी में नशा से है दूरी, ज़रूरी 2.0 नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए जीवनभर नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया बच्चों के माध्यम से नशा मुक्ति रैली का आयोजन किया। साथ ही सभी विद्यार्थियों एवं उपस्थितजनों को नशा मुक्ति की संगोष्ठी, शपथ दिलाई गई। आइए, हम सभी मिलकर नशामुक्त, स्वस्थ एवं जागरूक समाज के निर्माण में अपना योगदान दें। इस अवसर पर आरक्षक मुकेश, आरक्षक जितेंद्र पटेल, शक्ति फाउंडेशन दमोह के अध्यक्ष आकाश शक्ति पटेल, समाजसेवी सुरेश राठौड़, बृजेश सेन, शिक्षक उत्तम पटेल और अन्य शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की उपस्थिति व छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही।

हटा बस स्टैंड पर दो युवकों के बीच जमकर मारपीट

तमाशबीनों की लगी भीड़

हटा (स्वतंत्र मत)।

नगर के बस स्टैंड पर शनिवार शाम करीब 4:30 बजे दो युवकों के बीच हुई कहासुनी देखते ही देखते घनघोर मारपीट में बदल गई। घटना के दौरान बस स्टैंड पर अफरा तफरी का माहौल बन गया और बड़ी संख्या में लोग तमाशबीन बनकर मौके पर जमा हो गए। जानकारी के अनुसार शाकाल उर्फ माधव और रोड़ा ग्राम के एक पटेल युवक के बीच किसी बात को लेकर विवाद शुरू हुआ जो कुछ ही देर में मारपीट तक पहुंच गया। दोनों युवक बस स्टैंड परिसर

में एक-दूसरे का पीछा करते हुए घूम-घूमकर मारपीट करते रहे। इस दौरान मौजूद लोगों ने बीच-बचाव का प्रयास किया।गौरतलब है कि हटा पुलिस थाना बस स्टैंड से महज करीब 100 मीटर की दूरी पर स्थित है, इसके बावजूद बस स्टैंड पर मारपीट और गाली गलौज जैसी घटनाएं अक्सर सामने आती रहती हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि सैकड़ों लोगों की मौजूदगी में होने वाली ऐसी घटनाओं के दौरान पुलिस समय पर मौके पर नहीं पहुंच पाती। घटना की सूचना डायल 112 को भी दी गई थी लेकिन वाहन के पहुंचने से पहले ही स्थानीय लोगों ने दोनों पक्षों को अलग कर मामला शांत कराया।

बीएमओ और सीडीपीओ ने हिनोता क्षेत्र में आंगनवाड़ी एवं आरोग्य केंद्रो का किया निरीक्षण

दमोह (स्वतंत्र मत)। हटा विकासखंड में स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आंगनवाड़ी केंद्रों और आरोग्य केंद्रों का निरीक्षण किया गया। हटा बीएमओ डॉ. उमाशंकर पटेल एवं महिला बाल विकास परियोजना अधिकारी शिव राय ने हिनोता क्षेत्र के विभिन्न केंद्रों का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने करैया जोशी एवं अबदा गांव में आयोजित वैक्सीनेशन सत्र का अवलोकन किया। उन्होंने ड्यू लिस्ट का सत्यापन करते हुए बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं धात्री माताओं से संबंधित अभिलेखों की जांच की। साथ ही उपस्थित हितग्राहियों से चर्चा कर टीकाकरण एवं स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों ने केंद्रों पर मौजूद महिलाओं को बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण एवं संतुलित आहार के संबंध में परामर्श भी दिया।

प्रदेश की नई खेल प्रतिभाओं की होगी पहचान

आज से शुरू होंगे एथलेटिक्स चयन ट्रायल्स

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मध्यप्रदेश के उभरते एथलीटों के लिए सोमवार से अपनी प्रतिभा साबित करने का महत्वपूर्ण अवसर शुरू होने जा रहा है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश द्वारा संचालित टैलेंट सर्च 2026-27 अभियान के अंतर्गत एथलेटिक्स (बालक/बालिका) के चयन ट्रायल्स 20 से 22 जुलाई 2026 तक टी.टी. नगर स्टेडियम, भोपाल में आयोजित किए जाएंगे। इन ट्रायल्स के माध्यम से प्रदेशभर की प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें विभाग की खेल योजनाओं एवं उच्च स्तरीय प्रशिक्षण से जोड़ा जाएगा।

प्रतिभा को मिलेगा सही मंच, प्रशिक्षण और नई पहचान

टैलेंट सर्च 2026-27 केवल चयन प्रक्रिया नहीं, बल्कि प्रदेश के युवा खिलाड़ियों के खेल भविष्य को नई दिशा देने का महाभियान है। अभियान का उद्देश्य ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की खोज करना है, जिनमें राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की क्षमता हो। चयनित खिलाड़ियों को विभाग द्वारा संचालित खेल अकादमियों एवं प्रशिक्षण योजनाओं के माध्यम से विशेषज्ञ कोचों का मार्गदर्शन, आधुनिक खेल सुविधाएं तथा वैज्ञानिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा।

तीन दिन तक चलेगी चयन प्रक्रिया

एथलेटिक्स चयन ट्रायल्स 20, 21 एवं 22 जुलाई को आयोजित होंगे। ट्रायल्स में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की प्रतिभा का मूल्यांकन निर्धारित मानकों के अनुसार किया जाएगा, ताकि योग्य खिलाड़ियों को आगे की प्रशिक्षण प्रक्रिया से जोड़ा जा सके। विभाग ने सभी पात्र खिलाड़ियों से समय पर उपस्थित होकर इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की है। टैलेंट सर्च 2026-27 के अंतर्गत प्रदेशभर में विभिन्न खेलों के चयन ट्रायल्स

चरणबद्ध रूप से आयोजित किए जा रहे हैं।

अब तक जूडो, कुश्ती, बॉक्सिंग, फेंसिंग, शूटिंग, स्लैलम, कायकिंग-कैनोइंग, घुड़सवारी, टेनिस एवं बैडमिंटन सहित अनेक खेलों के चयन ट्रायल्स सफलतापूर्वक संपन्न हो चुके हैं, जिनमें बड़ी संख्या में खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इन ट्रायल्स के माध्यम से चयनित प्रतिभाओं को विभाग की खेल अकादमियों एवं प्रशिक्षण योजनाओं से जोड़ने की प्रक्रिया निरंतर जारी है। इसी क्रम में अब 20 से 22 जुलाई तक टी.टी. नगर स्टेडियम, भोपाल में आयोजित होने वाले एथलेटिक्स चयन ट्रायल्स प्रदेश के युवा खिलाड़ियों के लिए अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर होंगे।

प्रदेशभर से मिल रहा उत्साहपूर्ण प्रतिसाद

टैलेंट सर्च 2026-27 के अंतर्गत अब तक विभिन्न खेलों के चयन ट्रायल्स में प्रदेशभर से बड़ी संख्या में खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया है। लगातार मिल रही सकारात्मक सहभागिता यह दर्शाती है कि मध्यप्रदेश के युवाओं में खेलों के प्रति उत्साह बढ़ रहा है, जिससे नई खेल प्रतिभाएं आ रही है। एथलेटिक्स ट्रायल्स में भी बड़ी संख्या में खिलाड़ियों की सहभागिता की उम्मीद है।

खिलाड़ियों से सहभागिता की अपील

खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने एथलेटिक्स में रुचि रखने वाले सभी पात्र बालक एवं बालिका खिलाड़ियों से अपील की है कि वे 20 से 22 जुलाई तक आयोजित चयन ट्रायल्स में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करें। टैलेंट सर्च 2026-27 प्रदेश के खिलाड़ियों के लिए उत्कृष्ट प्रशिक्षण, बेहतर अवसर और खेलों में उज्ज्वल भविष्य निर्माण करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

▶▶ केरल की बुलेट क्वीन शाइनी राजकुमार ने बढ़ाई अभियान की शान

जबलपुर में गूंजा "नशे से दूरी, है जरूरी" का नारा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। प्रदेश में 15 जुलाई से 30 जुलाई 2026 तक "नशे से दूरी, है जरूरी" शीर्षक से 15 दिवसीय नशा मुक्ति जनजागरण अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में आज, 19 जुलाई 2026 को जबलपुर कंट्रोल रूम में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें केरल की प्रसिद्ध महिला बुलेट राइडर सुश्री शाइनी राजकुमार ने विशेष रूप से भाग लिया। केरल के पहले महिला बुलेट राइडर्स क्लब डॉटलेस रॉयल एक्सप्लोरर्स की संस्थापक शाइनी राजकुमार, जिन्हें बुलेट क्वीन ऑफ केरल भी कहा जाता है।

▶▶ गोराबाजार बंद, घेराव के बाद बैकफुट पर प्रशासन

उग्र हुआ शराब दुकान हटाओ आंदोलन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। गोराबाजार क्षेत्र में संचालित शराब दुकान को हटाने की मांग को लेकर पिछले पांच दिनों से चल रहा जन-आंदोलन रविवार को बेहद उग्र हो गया। गोराबाजार संघर्ष समिति के नेतृत्व में रविवार को हजारों की संख्या में स्थानीय नागरिकों, महिलाओं और युवाओं ने शराब दुकान का चारों तरफ से घेराव कर दिया। जनता के भारी आक्रोश और क्षेत्र के व्यापारियों के पूर्ण समर्थन को देखते हुए प्रशासनिक अमले को मौके पर दौड़ना पड़ा। स्थिति को नियंत्रण में लेने के लिए प्रशासन ने संघर्ष समिति और आक्रोशित जनता से 7 दिनों का समय मांगा है।

जिनसार में होमकमिंग 2026 एलुमनाई मीट का भव्य आयोजन

50 पूर्व विद्यार्थियों ने साझा किए अपने अनुभव

हितकारिणी सभा द्वारा संचालित जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंसेज एंड रिसर्च (जिनसार) में 18 जुलाई 2026 को जिनसार होमकमिंग 2026 एलुमनाई मीट का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य संस्थान एवं पूर्व विद्यार्थियों के मध्य संबंधों को और अधिक सुदृढ़ बनाना, उनकी उपलब्धियों का सम्मान करना तथा वर्तमान विद्यार्थियों को उनके अनुभवों से प्रेरित करना था।

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

कार्यक्रम में लगभग 50 पूर्व विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे पूरा परिसर उत्साह, आत्मीयता और पुरानी यादों से सराबोर हो गया। कार्यक्रम का आयोजन जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंसेज एंड रिसर्च की प्राचार्य प्रो. डॉ. प्रिंसी शाजी के गरिमामय मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रो. डॉ. प्रिंसी शाजी द्वारा स्वागत उद्बोधन से हुआ, जिसमें उन्होंने सभी अतिथियों, पूर्व विद्यार्थियों, प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों का हार्दिक स्वागत करते हुए एलुमनाई नेटवर्क की महत्ता पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात डॉ. अनुप तिवारी ने संस्थान की उपलब्धियों, शैक्षणिक उत्कृष्टता तथा भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए पूर्व विद्यार्थियों की सफलता पर गर्व व्यक्त किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. मालती लोधी, प्रोफेसर, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक तथा डॉ. आरती तिवारी, प्रोफेसर, नेताजी सुभाष चंद्र बोस कॉलेज ऑफ नर्सिंग, जबलपुर उपस्थित रहीं। दोनों अतिथियों ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में विद्यार्थियों को निरंतर सीखने, सेवा भावना बनाए रखने तथा नर्सिंग पेशे में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में वर्ष 2014-15, 2015-16, 2016-17, 2017-18 एवं 2018-19 बैच के पूर्व विद्यार्थियों ने भाग लिया। एलुमनाई अनुभव साझा सत्र के दौरान उन्होंने अपने छात्र जीवन की यादें, व्यावसायिक उपलब्धियाँ तथा नर्सिंग क्षेत्र में अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने वर्तमान विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा, करियर विकास, नेतृत्व क्षमता तथा सेवा भावना के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उनके प्रेरणादायी अनुभवों ने विद्यार्थियों में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजन का प्रमुख आकर्षण रहा। बी.एससी. नर्सिंग प्रथम सेमेस्टर एवं चतुर्थ वर्ष के विद्यार्थियों ने मनमोहक नृत्य, कत एवं लघु नाटिका प्रस्तुत कर उपस्थित सभी अतिथियों और पूर्व विद्यार्थियों का मनोरंजन किया। कार्यक्रम में म्यूजिकल चेयर, बिंगो तथा अन्य मनोरंजक खेलों का भी आयोजन किया गया, जिनमें एलुमनाई, प्राध्यापक एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इन गतिविधियों ने पुराने साथियों को एक बार फिर से जोड़ने तथा आत्मीयता और अपनत्व की भावना को मजबूत करने का अवसर प्रदान किया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर सुश्री ऋषिका कोठारी ने आभार प्रदर्शन करते हुए प्राचार्य प्रो. डॉ. प्रिंसी शाजी, डॉ. अनुप तिवारी, मुख्य अतिथियों, सभी पूर्व विद्यार्थियों, प्राध्यापकों, आयोजन समिति, विद्यार्थियों एवं सहयोगी कर्मचारियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

यह एलुमनाई मीट केवल एक पुनर्मिलन कार्यक्रम नहीं था, बल्कि संस्थान और उसके पूर्व विद्यार्थियों के बीच आजीवन संबंधों को और अधिक मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर भी सिद्ध हुआ। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि वन्स ए जिनसार स्टूडेंट, ऑलवेज ए जिनसार फैमली केवल एक पंक्ति नहीं, बल्कि जिनसार परिवार की भावना और संस्कृति का सजीव प्रतीक है।

बिना टिकट यात्रियों पर भारी पड़ी रेलवे की मुस्तैदी

पमरे ने 3 महीने में वसूला 44.20 करोड़ का जुर्माना

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

पमरे ने चालू वित्तीय वर्ष के शुरुआती तीन महीनों में बिना टिकट और अनियमित यात्रा करने वाले यात्रियों के खिलाफ अभियान चलाकर रिकॉर्ड राजस्व अर्जित किया है। प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक के दिशा-निर्देशों पर तीनों रेल मंडलों में चले इस सघन टिकट जांच अभियान के तहत कुल 44 करोड़ 20 लाख रुपये का जुर्माना वसूला गया। रेलवे द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, यह राजस्व पिछले वर्ष की इसी समान अवधि में वसूले गए 40 करोड़ 71 लाख रुपये की तुलना में 8.57 प्रतिशत (लगभग 9ज) अधिक है। चालू वित्तीय वर्ष के इन तीन महीनों में बिना टिकट यात्रा, अनियमित टिकट और अनबुक्ड लगेज (बिना बुकिंग के सामान) ले जाने वाले कुल 5 लाख 59 हजार मामले पकड़े गए। वाणिज्य विभाग और रेलवे सुरक्षा बल के संयुक्त समन्वय से चलाए गए इस अभियान का मुख्य उद्देश्य ट्रेनों में अनाधिकृत यात्रियों पर अंकुश लगाना और वैध टिकट धारकों को आरामदायक व सुरक्षित सफर मुहैया कराना था। जबलपुर मंडल के टिकट निरीक्षकों ने अकेले 2 लाख 54 हजार मामलों से रिकॉर्ड 21 करोड़ 78 लाख रुपये का राजस्व वसूला। इसके बाद भोपाल मंडल ने 1 लाख 88 हजार मामलों से 13 करोड़ 75 लाख रुपये और कोटा मंडल ने 1 लाख 7 हजार मामलों से 8 करोड़ 4 लाख रुपये का जुर्माना एकत्रित किया। वहीं, मुख्यालय के सीसीएम स्क्वाड ने भी तत्परता दिखाते हुए 10 हजार मामलों से 63 लाख रुपये की कमाई की।

जीपीएस से निगरानी और बांध प्रबंधन से तालमेल

मानसून की चुनौतियों से निपटने रेल मंडल ने तैयार किया 'कवच'

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मानसून के दौरान भारी बारिश और प्राकृतिक आपदाओं के बीच रेल यात्रा को सुरक्षित बनाए रखने के लिए पमरे ने आधुनिक तकनीक और चौबीसों घंटे निगरानी का एक मजबूत नेटवर्क तैयार किया है। सिविल इंजीनियरिंग विभाग अन्य सहयोगी विभागों के साथ मिलकर पूरे रेल नेटवर्क पर विशेष सतर्कता बरत रहा है, ताकि पटरियों पर ट्रेनों की रफ्तार बिना किसी बाधा के बनी रहे। संभावित जलभराव, बाढ़ और मिट्टी के कटाव जैसी स्थितियों से निपटने के लिए संवेदनशील रेलखंडों, महत्वपूर्ण पुलों, गहरी कटिंग और लो-लेवल सबवे पर विशेष गश्त शुरू की गई है।

शोहदों-मनचलों की मनमानियों पर आयोग गंभीर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शहर के कई स्कूल-कॉलेजों में असामाजिक तत्वों/मनचलों द्वारा छात्राओं को परेशान किये जाने का मामला सामने आया है। स्कूल एवं कॉलेजों की छुट्टी होने के समय असामाजिक तत्व छात्राओं को परेशान करते है, उन्हें फब्तियां कसते है और उनके मोबाइल नंबर की मांग करते है, साथ ही उनकी जबरन तस्वीरें भी खींचते है, इस कारण छात्राएं असहज हो जाती है और उन्हें कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। रास्ते चलते शोहदो से परेशान होकर तो कई छात्राओं ने स्कूल जाना ही छोड़ दिया हैं, उनके अभिभावक जब इसका विरोध करते है तो आसमाजिक तत्व जान के दुश्मन बन जाते है। मप्र मानव अधिकार आयोग के क्षेत्रिय कार्यालय प्रभारी फरजाना मिर्जा ने बताया की मीडिया रिपोर्ट के आधार पर जनहित में मामले में संज्ञान लेकर मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग की मुख्य पीठ भोपाल मे प्रकरण पर सुनवाई करते हुये आयोग के अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह की एकल पीठ ने प्रथम दृष्टया मानव अधिकारों के हनन का मामला मानकर, जबलपुर के पुलिस अधीक्षक से मामले की जांच कराकर, की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन दो सप्ताह में तलब किया है।

सांसद सुमित्रा वाल्मीकि ने ट्रेन से रवाना किया तीर्थयात्रियों का समूह

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

राज्यसभा सांसद श्रीमती सुमित्रा वाल्मीकि के निजी सौजन्य से क्षेत्र की महिलाओं और वृद्धजनों के एक बड़े तीर्थयात्री समूह को अयोध्या धाम और काशी विश्वनाथ की यात्रा के लिए रवाना किया गया। यह विशेष तीर्थयात्रा ट्रेन के माध्यम से आयोजित की गई है। इस तीर्थयात्रा की सबसे खास बात यह है कि सांसद सुमित्रा वाल्मीकि के प्रयासों से इन सभी यात्रियों को अयोध्या धाम में प्रभु श्री राम लला के दर्शन के साथ-साथ काशी विश्वनाथ में विशेष रूप से वीआईपी दर्शन की व्यवस्था कराई गई है। यात्रा पर रवाना होने

वाले बुजुर्गों और महिलाओं के चेहरे पर अपने आराध्य के दर्शन की उत्सुकता और खुशी साफ देखी जा सकती थी। ट्रेन की रवानगी के अवसर पर सभी तीर्थयात्रियों ने यात्रा पर निकलने से पहले राज्यसभा सांसद सुमित्रा वाल्मीकि से आत्मीय भेंट की। बुजुर्ग महिलाओं ने सांसद को गले लगाकर और सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिया, वहीं सभी यात्रियों ने इस पुनीत कार्य और शानदार व्यवस्था के लिए सांसद का सहृदय धन्यवाद ज्ञापित किया।

तालाब में डूबने से 23 वर्षीय युवक की मौत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

सिहोरा थाना क्षेत्र के ग्राम गुनहरु (मोहसाम) में युवक की तालाब में डूबने से मौत हो गई। शनिवार देर रात पुलिस और ग्रामीणों की मदद से उसका शव तालाब से बाहर निकाला गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान सागर कोल (23) पिता फूलचंद्र कोल के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, सागर शनिवार शाम घर से निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। तलाश के दौरान जानकारी मिली कि उसे गांव के तालाब की ओर जाते देखा गया था। सूचना पर सिहोरा पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों के साथ तालाब में तलाश शुरू की। काफी मशक्कत के बाद रात करीब 9:30 बजे सागर का शव तालाब से बरामद किया गया। प्रारंभिक जांच में आशंका है कि शौच के लिए तालाब जाने के दौरान उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में डूब गया। रविवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

जिला अधिवक्ता संघ चुनाव आज

मतदाता तय करेंगे 91 प्रत्याशियों का भाग्य

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जबलपुर जिला न्यायालय परिसर में जिला अधिवक्ता संघ की नई कार्यकारिणी चुनने के लिए चुनावी सरगर्मी अपने चरम पर पहुंच गई है। सोमवार को होने वाले इस मतदान में कुल 3,313 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। चुनाव मैदान में अध्यक्ष पद सहित विभिन्न पदों के लिए कुल 91 प्रत्याशी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं।मतदान की सुचारू प्रक्रिया के लिए जिला न्यायालय परिसर के जी-2 हॉल में विशेष इंतजाम किए गए हैं। सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चलने वाले इस मतदान के लिए कुल 70 पोलिंग बूथ बनाए गए हैं, ताकि बिना किसी कतार या परेशानी के शांतिपूर्ण ढंग से वोट डाले जा सकें। गेट नंबर 4 से प्रवेश निर्धारित किया गया है। सभी मतदाताओं के लिए राज्य अधिवक्ता परिषद का परिचय पत्र लाना अनिवार्य होगा, और किसी भी प्रकार के विवाद या संशय की स्थिति में अन्य शासकीय पहचान पत्र से मिलान के बाद ही वोट डालने की अनुमति दी जाएगी। अध्यक्ष पद के लिए 6, उपाध्यक्ष के लिए 10, महिला उपाध्यक्ष के लिए 3 और सचिव पद के लिए 8 प्रत्याशी आमने-सामने हैं। इसके अलावा सहसचिव के लिए 5, कोषाध्यक्ष के लिए 4, पुस्तकालय सचिव के लिए 4 और कार्यकारिणी सदस्य के सबसे बड़े कोटे के लिए 51 प्रत्याशी मैदान में हैं, जिनके भाग्य का फैसला आज शाम मतपेटियों में बंद हो जाएगा। निर्वाचन टीम और अधिकारियों ने सभी मतदाताओं से समय पर पहुंचकर इस लोकतांत्रिक परंपरा को मजबूत करने का आग्रह किया है।

अजमेर से तस्करी कर शहर में बेचे जा रहे थे चाइना चाकू

49 चाइना चाकू जब्त, 6 आरोपी गिरफ्तार

अवैध हथियार बेचने वाले तस्करों के विरुद्ध पुलिस की बड़ी कार्रवाई

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

शहर में अवैध हथियारों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई है। क्राइम ब्रांच, थाना अधारताल, पनागर और रांझी की संयुक्त टीमों ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से 49 चाइना चाकू जब्त किए हैं। जानकारी के अनुसार 19 जुलाई की देर रात करीब 2 बजे हुई, जब क्राइम ब्रांच और अधारताल थाना की टीम पेट्रोलिंग कर रही थी। एसबीआई बैंक के पास अभिषेक उर्फ छिंगा पटेल (22) निवासी वेलकम कॉलोनी, महाराजपुर, अधारताल को संदिग्ध अवस्था में प्लास्टिक का थैला लिए खड़ा देखा गया। तलाशी लेने पर उसके थैले से 38 चाइना चाकू बरामद हुए। पूछताछ में अभिषेक ने बताया कि उसने यूट्यूब के माध्यम से अजमेर के एक व्यक्ति से संपर्क किया था। वह अजमेर रेलवे स्टेशन जाकर 60 चाकू खरीदकर लाया था, जिनमें से कुछ उसने अपने परिचितों को दिए थे। आरोपी 200 रुपए में चाकू खरीदकर लगभग 1000 रुपए में बेचता था। यह भी सामने आया है कि अभिषेक पटेल पहले भी अवैध हथियारों की तस्करी के आरोप में पकड़ा जा चुका है। अधारताल थाना क्षेत्र में पेट्रोलिंग के दौरान पचमठा रोड से अभिषेक कोल (22) निवासी पुरानी बस्ती महाराजपुर को 6 चाइना चाकू के साथ गिरफ्तार किया गया। इसी तरह पेट्रोल पंप के पीछे से आकाश उर्फ काला (21) निवासी पुरानी बस्ती महाराजपुर को 2 चाकू के साथ पकड़ा गया।

आर्म्स एक्ट के तहत हुई कार्यवाही

आरोपियों के परिचितों पर भी कार्रवाई की गई। 18 जुलाई को रांझी थाना अंतर्गत सरस्वती स्कूल के पीछे से साहिल केवट (19) को 1 चाइना चाकू के साथ पकड़ा गया। जूनियर क्लब के सामने वीएफजे में दबिश देकर गगन रैकवार (25) निवासी मस्जिद के पीछे मड़ई, रांझी को भी 1 चाइना चाकू के साथ गिरफ्तार किया गया। पनागर थाना क्षेत्र में फूटाताल रोड स्थित सरकारी कॉलेज के पास से मुन्ना उर्फ साहिल बर्मन (18) निवासी मौलाना वार्ड को 1 चाइना चाकू के साथ पकड़ा गया। इन सभी आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

इनकी रही उल्लेखनीय भूमिका- अवैध शस्त्र के कारोबार में लिप्त आरोपियों को गिरफ्तार कर अवैध हथियार जप्त करने में थाना प्रभारी पनागर डीएसपी विपिन बिहारी सिंह, थाना प्रभारी अधारताल विपिन ताम्रकार, थाना प्रभारी रांझी उमेश गोल्हानी, तथा अपराध डीएसपी शैलेष मिश्रा के निर्देशन में क्राईम ब्रांच के सहायक उप निरीक्षक अशोक मिश्रा, कैलाश मिश्रा, मोहन तिवारी, संतोष पाण्डे, प्रधान आरक्षक मोहन सिंह, हितेन्द्र रावत, सत्यसेन, आरक्षक सतेन्द्र विसेन, रितेश शुक्ला, पंकज सिंह, शिव सिंह, प्रीतम उपाध्याय, इंद्रजीत यादव, संतोष शाह, मुकेश परिहार तथा अधारताल के उप निरीक्षक केशरी नंदन राय, प्रधान आरक्षक मनोज पाण्डे, सुधीर सिंह की सराहनीय भूमिका रही।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**